THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

एसटीएफ बंगाल ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया

कोलकाता, 3 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के अधिकारियों ने शनिवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि वे प्रतिबंधित जिहादी आतंकी संगठनों के नियमित संपर्क में थे और चरमपंथी गतिविधियों में शामिल थे। इसके लिए एटीएस मुंबई की मदद ली गई।

एसटीएफ ने यह जानकारी दी। एसटीएफ के मुताबिक, एटीएस मुंबई की मदद से डायमंड हार्बर पुलिस थाना क्षेत्र से समीर हुसैन शेख और निर्मलनगर से सद्दाम हुसैन को गिरफ्तार किया गया। उन्हें चरमपंथी गतिविधियों और प्रतिबंधित जिहादी आतंकी संगठनों से नियमित संपर्क रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

वर्ष-27 अंक : 171 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.8 2079 रविवार, 4 सितंबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14+32 मूल्य : 8 रुपये

हैदराबाद मुक्ति दिवस

केंद्र ने की सालभर आयोजनों की घोषणा

17 सितंबर को जुटेंगे गृह मंत्री और तीन राज्य के सीएम

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। हैदराबाद राज्य की आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर केंद्र सरकार सालभर कार्यक्रम आयोजित करेगी। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह 17 सितंबर को समारोह का उद्घाटन करेंगे। रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर उन्हें हैदराबाद परेड मैदान में आयोजित होने वाले उद्घाटन समारोह में आमंत्रित किया गया है।

उन्होंने चिट्ठी में कहा, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि विभिन्न पक्षों पर विचार करने के बाद भारत सरकार ने हैदराबाद राज्य मुक्ति की 75वीं वर्षगांठ मनाने का निर्णय लिया है। भारत सरकार ने इस उपलक्ष्य में 17 सितंबर 2022 से 17 सितंबर 2023 तक साल भर चलने वाले कार्यक्रमों के आयोजन को मंजूरी दी है।

रेड्डी ने तीनों मुख्यमंत्रियों से यह भी अनुरोध किया कि वे अपने राज्यों में उद्घाटन दिवस मनाने के लिए उचित कार्यक्रम आयोजित करें। हैदराबाद राज्य निजाम शासन के अधीन था और पुलिस ने भारत में इसका विलय कराने के लिए 'ऑपरेशन पोलो' नाम से अभियान चलाया था, जो 17 सितंबर 1948 को समाप्त हुआ था।

राष्ट्रीय एकता दिवस हो नाम : एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी इस कार्यक्रम पर अपनी राय रखी है। उन्होंने कार्यक्रम को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने 17 सितंबर को तेलंगाना में 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' मनाने का फैसला किया है। एआईएमआईएम की ओर से, मैंने गृह मंत्री अमित शाह और तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव को पत्र लिखे हैं। मुक्ति के बजाय 'राष्ट्रीय एकता दिवस' कार्यक्रम के लिए ज्यादा उपर्युक्त हो सकता है।

भाजपा ने 'तेलंगाना मुक्ति दिवस' मनाने की मांग की : भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार को आधिकारिक तौर पर 17 सितंबर को 'तेलंगाना मुक्ति दिवस' मनाना चाहिए।

गौरतलब है कि 1948 में इसी दिन निजाम के शासन वाले तत्कालीन हैदराबाद राज्य का भारत संघ में विलय हो गया था। लोकसभा सदस्य कुमार ने एक बयान में कहा कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के डर से मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव तेलंगाना मुक्ति दिवस नहीं मनाना चाहते। कुमार ने दावा किया कि राव आधिकारिक तौर पर इस दिवस को नहीं मनाकर उनका अपमान कर रहे हैं, जिन्होंने मुक्ति के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो इसके लिए लड़ रही है।

एनजीटी की बड़ी कार्रवाई

पश्चिम बंगाल सरकार पर लगाया 3500 करोड़ का जुर्माना

कोलकाता, 3 सितंबर (एजेंसियां)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने पश्चिम बंगाल सरकार पर 3500 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले अपशिष्ट का सही तरीके से प्रबंधन नहीं करने के लिए लगाया गया है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सॉलिड और लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट और ट्रीटमेंट में भारी अंतर होने के कारण पश्चिम बंगाल सरकार पर 3,500 करोड़ रुपए का यह जुर्माना लगाया है। एनजीटी ने कहा कि बंगाल सरकार सीवेज और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सुविधाओं की स्थापना को प्राथमिकता देती नजर नहीं आ रही है। हालांकि, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए राज्य के बजट में शहरी विकास और नगर पालिका से जुड़े मामलों पर 12818.99 करोड़ रुपए के खर्च का प्रावधान किया गया है। एनजीटी अध्यक्ष जस्टिस एके गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर लापरवाही नहीं की जा सकती। इसे लंबे समय के लिए टाला नहीं जा सकता।

सीबीआई ने कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया

44.60 करोड़ रुपये के नुकसान का है मामला

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) की खैरताबाद शाखा को कथित तौर पर 44.60 करोड़ रुपये का नुकसान करने के लिए उसके निदेशकों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों सहित शहर की एक निजी कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सीबीआई की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बंजारा हिल्स में विजया एयरो ब्लॉक्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों नर प्रसन्ना कुमार, चिगुरुपति राम प्रसाद, नर लक्ष्मी प्रसन्ना, नर्रा विजया लक्ष्मी और अज्ञात लोक सेवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामला दर्ज करने के बाद, सीबीआई ने हैदराबाद सहित तीन स्थानों पर तलाशी ली, जिसके परिणामस्वरूप कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए। यह आरोप लगाया गया था कि वर्ष 2014 से 2017 के दौरान, अपने निदेशकों द्वारा प्रतिनिधित्व की गई कंपनी ने बढ़ी हुई परियोजना लागत के आधार पर खैरताबाद शाखा बैंक ऑफ बड़ौदा से ऋण प्राप्त किया और व्यावसायिक गतिविधियों के अलावा अन्य के लिए ऋण राशि को व्यक्तिगत लाभ के लिए डायवर्ट किया। उन्होंने कथित तौर पर अपनी अनियमितताओं को छिपाने के लिए बैंक को झूठे स्टॉक स्टेटमेंट प्रस्तुत किए और जानबूझकर चुकौती में चूक की और बैंक को लगभग 44.60 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

एक अलग मामले में, सीबीआई ने विशाखापत्तनम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की एक शिकायत के आधार पर आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में स्थित एक निजी कंपनी के साथ उसके अध्यक्ष, पांच निदेशकों, दो और फर्मों और अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। प्रकाशम में बीके थ्रेशर्स प्राइवेट लिमिटेड, इसके अध्यक्ष बेलम कोटैया और निदेशक बेलम जयंत बाबू, मक्केना हरि बाबू, बेलम अरुणा, मक्केना स्वरूप चौधरी, बेलम रवि चंद्र, बीके एक्सपोर्ट्स, माही एग्रो प्राइवेट लिमिटेड और अज्ञात लोक सेवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। यह आरोप लगाया गया था कि निजी कंपनी और उसके निदेशकों ने दूसरों के साथ साजिश करके धोखाधड़ी से वित्तीय विवरण प्रस्तुत करके ऋण सुविधाओं का लाभ उठाया, ऋण की आय को बदल दिया और इस तरह बैंक को 228.02 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। प्रमुख जांच एजेंसी ने आंध्र प्रदेश में आठ स्थानों पर छापेमारी की जिससे आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए। एक अन्य मामले में, सीबीआई ने अहमदाबाद स्थित एक निजी कंपनी और उसके निदेशकों को शामिल करते हुए एक मामला दर्ज किया, जिसमें विभिन्न क्रेडिट सुविधाओं के मामले में बैंक ऑफ इंडिया को 631.97 करोड़ रुपये का नुकसान होने का आरोप लगाया गया था।

जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

पालनपुर (गुजरात), 3 सितंबर (एजेंसियां)। एक हिंदू परिवार के तीन सदस्यों के जबरन धर्म परिवर्तन के विरोध में विभिन्न हिंदू संगठनों ने दीसा शहर में पूर्ण बंद का आह्वान किया है। वे मांग कर रहे हैं कि प्रशासन तीनों सदस्यों को वापस लाकर उनके परिवार से मिला दे, अगर प्रशासन ऐसा नहीं करता है तो आने वाले दिनों में हिंदू उग्र विरोध शुरू करेंगे। हिंदू संगठनों ने बंद का आह्वान किया था, जबकि व्यापारी, एपीएमसी दुकान मालिक, हजारों युवा और नागरिक भी इसके समर्थन में रैली में शामिल हुए। हिंदू नेता कैलाशभाई ने स्थानीय मीडिया से कहा, अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा धर्मांतरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, हम मांग कर रहे हैं कि जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन हिंदू परिवार के तीन सदस्यों को वापस लाए, अगर वे असफल होते हैं, तो अल्पसंख्यक समुदाय को बहुसंख्यक समुदाय के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। पिछले हफ्ते, दीसा तालुका के हरेश सोलंकी ने पालनपुर में आत्महत्या का प्रयास किया था, क्योंकि उनके परिवार के तीन सदस्यों- पत्नी, बेटी और बेटे को बेटी का प्रेमी अपने साथ ले गया था।

गृह मंत्री शाह ने जल विवाद का साझा समाधान निकालने का किया आग्रह

तिरुवनंतपुरम, 3 सितंबर (एजेंसियां)। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में शनिवार को दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 30वीं बैठक का आयोजन किया गया। गृह मंत्रालय ने इस बैठक की जानकारी दी है।

गृह मंत्रालय ने इस बाबत जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दक्षिण भारत के राज्यों से नदी जल बंटवारे के मुद्दे का संयुक्त समाधान तलाशने के लिए कहा है। इसके साथ ही उन्होंने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से भी अपने आपसी विवादों को परस्पर वार्ता करके सुलझाने को कहा है। आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, 30वीं दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में दक्षिण भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों ने भाग लिया। इस बैठक में कुल 26 मुद्दों पर

चर्चा हुई, जिनमें से नौ मुद्दों का समाधान किया गया और 17 मुद्दों को भविष्य में विचार के लिए सुरक्षित रखा गया। इन मुद्दों में से नौ मुद्दे आंध्र प्रदेश के पुनर्गठन से संबंधित हैं।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में गृह मंत्रालय ने कहा कि बैठक में अपने संबोधन के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से अपने लंबित मुद्दों को पारस्परिक रूप से हल करने का आग्रह किया। बैठक के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद के सभी राज्यों से पानी के बंटवारे से जुड़े मुद्दों का संयुक्त समाधान तलाशने का आह्वान किया। गौरतलब है कि दक्षिण में अंतर-राज्यीय नदी जल विवादों में तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच कावेरी मुद्दा और तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से जुड़े कृष्णा नदी जल बंटवारे के विवाद शामिल हैं।

सोनाली फोगाट के पीए सुधीर का कबूलनामा

बोला-गोवा में कोई शूटिंग नहीं थी, मैंने ही उसे मारा, साजिश रची थी

हिसार, 3 सितंबर (एजेंसियां)। सोनाली फोगाट हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुधीर सांगवान ने रिमांड के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी ने हत्या की साजिश रचने की बात भी कबूल ली है। गोवा पुलिस के एक सूत्र ने ये जानकारी दी है। हालांकि, गोवा के डीजीपी जसपाल सिंह ने इस बात से इनकार किया है। उनका कहना है कि ऐसी जानकारी होगी तो मीडिया को बता दिया जाएगा।

पुलिस सूत्र के मुताबिक, सुधीर साजिश के तहत सोनाली को गुरुग्राम से गोवा लाया था। गोवा में शूटिंग की कोई योजना नहीं थी। सोनाली की हत्या की साजिश बहुत पहले ही रच ली गई थी। गोवा पुलिस ने इस हत्याकांड में कुछ पुख्ता सबूत जुटाए हैं, जो सुधीर सांगवान को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त हैं। वहीं गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने जल्द से जल्द चार्जशीट दायर करने के निर्देश दिए हैं।

हत्याकांड में अब तक 5 गिरफ्तार

23 अगस्त को गोवा के कर्लीज रेस्टोरेंट में हुए हत्याकांड की जांच गोवा के अंजुना थाना की पुलिस कर रही है। सुधीर-सुखविंदर के खिलाफ हत्या का, जबकि इन

दोनों के साथ ही रूम बॉय दत्ता प्रसाद गाओंकर, कर्लीज क्लब का मालिक एडविन और रमा मांद्रेकर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का केस दर्ज किया गया है। पांचों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सुधीर और सुखविंदर ने सोनाली को साजिश रचकर मारा। दत्ता प्रसाद ने सुधीर को 12 हजार रुपये में ड्रग्स उपलब्ध कराई। इस काम के लिए सुधीर ने दत्ता को दो बार में 5,000 रुपये और 7,000 रुपये का भुगतान किया था। एडविन ने अपने रेस्टोरेंट में ड्रग्स के इस्तेमाल का विरोध नहीं किया। रमा मांद्रेकर नशा तस्कर है, जिससे दत्ता प्रसाद ने ड्रग्स लेकर सुधीर को दी थी।

लेडीज टॉयलेट में छिपाई बची हुई ड्रग्स : गोवा के डीजीपी जसपाल सिंह के अनुसार, सुधीर और सुखविंदर ने कबूल किया है कि उन्होंने 22 अगस्त की रात सोनाली को जबरदस्ती ड्रग दी। उन्हें पानी में मिलाकर मेथैमफेटामाइन केमिकल दिया। तीनों ने अपने होटल के कमरे में एमडीएमए को सूंघा और सुधीर पानी की बोतल में बचा हुआ एमडीएमए कर्लीज क्लब ले गया। सीसीटीवी में सोनाली को सुधीर वही पिलाते नजर आ रहा है। ड्रग की ओवरडोज से करीब ढाई बजे सोनाली की तबियत बिगड़ी तो दोनों उन्हें वॉशरूम ले गए। वहां सोनाली को उल्टियां हुईं। कुछ देर बाद वे वापस आकर डांस करने लगीं। साढ़े 4 बजे के करीब फिर टॉयलेट ले गए, लेकिन वह खुद चल नहीं पा रही थीं, न ही खड़ी हो पा रही थीं।

सुधीर-सुखविंदर उसे लेकर गए तो वह टॉयलेट में ही सो गईं। वे दोनों वहीं बैठे रहे। सुबह दोनों पहले सोनाली को पार्किंग एरिया में ले गए। वहां से ग्रैंड लियोनी रिजॉर्ट लाए, जहां से अस्पताल लेकर गए। वहीं ड्रग्स की बोतल लेडीज टॉयलेट में छिपा दी।

हत्याकांड की केस हिस्ट्री तैयार : भाजपा नेत्री सोनाली फोगाट हत्याकांड की केस हिस्ट्री तैयार हो गई है। इसमें गोवा पुलिस ने सोनाली के मर्डर की कहानी बयां की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, सोनाली फोगाट 22 से 25 अगस्त तक गोवा के टूर पर थीं। सोनाली, सुधीर सांगवान और सुखविंदर के साथ 22 अगस्त को फ्लाइट से गोवा आई थीं। सोनाली को सुधीर और सुखविंदर ने ही ड्रग्स दी और मारा। सुधीर ने ही ड्रग्स खरीदी थी और पानी में मिलाकर बोतल से सोनाली को पिलाई थी।

दोषियों की रिहाई के पीछे राजनीतिक मकसद : जेआईएच

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। इस्लामिक संगठन जमात-ए-इस्लामी हिंद (जेआईएच) ने शनिवार को बिलकिस बानो के दोषियों की रिहाई के पीछे राजनीतिक मकसद का आरोप लगाया। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, जेआईएच के उपाध्यक्ष अभियंता सलीम ने कहा, बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म और उसके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के दोषियों और उम्रकैद की सजा पाने वालों की रिहाई सुनिश्चित करने में गुजरात सरकार की भूमिका निंदनीय है। ऐसे निर्णय जिनका उद्देश्य किसी विशेष निर्वाचन क्षेत्र को खुश करने के लिए राजनीतिक लाभ प्राप्त करना है, अत्यधिक आपत्तिजनक हैं। उन्होंने कहा कि जेआईएच इस फैसले की निंदा करता है और उम्मीद करता है कि सरकारी नीति की आड़ में किए गए इस गंभीर अन्याय को उलटने के लिए शीर्ष अदालत इस मामले में हस्तक्षेप करेगी।

भाजपा नेताओं ने देवघर से जबरन भरी उड़ान

भाजपा के 2 सांसद समेत 9 नेताओं के खिलाफ एफआईआर

देवघर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के देवघर एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) पर दबाव बनाकर रात में चार्टर्ड प्लेन टेक ऑफ कराने के मामले में भाजपा नेताओं समेत नौ के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। इनमें गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, उनके दो बेटे, सांसद मनोज तिवारी और भाजपा नेता कपिल मिश्रा का नाम शामिल हैं।

एफआईआर देवघर एयरपोर्ट पर तैनात डीएसपी सुमन अमन ने जिले के कुंडा थाना में दर्ज शिकायत पर कराई है। डीएसपी सुमन अमन के मुताबिक, 31 अगस्त को गोड्डा के सांसद, उनके दोनों बेटे, मनोज तिवारी और अन्य लोग देवघर एयरपोर्ट के एटीसी में जबरन घुसे और कर्मचारियों पर जबरन क्लियरेंस लेने का दबाव बनाया। उन्होंने अपनी शिकायत में यह भी

कहा कि देवघर एयरपोर्ट में नाइट टेक ऑफ और लैंडिंग की सुविधा अभी तक नहीं है। इस मामले में गोड्डा सांसद निशिकांत ने हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार से हम मिलने गए तो आप इतने बौखला गए कि पेड सिस्टम हमें गाली देने लगा। झारखंड के इस्लामीकरण से त्रस्त परिवार के इंसाफ की लड़ाई केस-मुकदमे से बंद नहीं होगी। सांसद निशिकांत दुबे ने ट्वीट कर कहा था कि वे एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी के चेयरमैन हैं। उन्हें अंदर जाने का अधिकार है। इस पर देवघर के डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने रिट्वीट करके सवाल किया कि कब बने हैं। आपके चेयरमैन बनने की ऐसी कोई जानकारी मुझे नहीं मिली है। क्या आपको और आपके बेटों को एटीसी के अंदर जाने की अनुमति है?

>12

खर्च घटाने की नीति को झटका करोड़ों रुपये में होगी 'डीजी' की भव्य विदाई

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' के डीजी कुलदीप सिंह की फेयरवेल के लिए जोरशोर से तैयारी शुरू हो गई हैं। उनका कार्यकाल 30 सितंबर को खत्म हो रहा है। गुरुग्राम स्थित बल के ग्रुप सेंटर पर फेयरवेल परेड के लिए विभिन्न हिस्सों से लगभग 900 जवान एक सितंबर से पहले ही रिपोर्ट कर चुके हैं। इस बाबत बल मुख्यालय द्वारा 22 अगस्त को आदेश जारी किया गया था। इस परेड में कुल आठ कंटिंजेंट 9/9 ब्लॉक फॉरमेशन में हिस्सा लेंगे। बल के सैंकड़ों अधिकारी भी ग्रुप सेंटर पर पहुंचेंगे।

सीआरपीएफ के पूर्व अफसर कहते हैं, ये आयोजन मोदी सरकार की खर्च घटाओ नीति को झटका देता है। डीजी की विदाई पर करोड़ों रुपये खर्च होंगे। ये पैसा किसी रचनात्मक कार्य पर खर्च नहीं हो रहा। दूसरा, फेयरवेल परेड में बल के अधिकारियों और जवानों का समय व्यर्थ होगा। सीआरपीएफ मुख्यालय ने परेड के लिए चुनींदा अधिकारियों और जवानों को बुलाया है। कौन अफसर परेड को कमांड करेगा और कौन ड्रिल देखेगा, ये सब जिम्मेदारियां तय की गई हैं। परेड के लिए कमांडेंट सूरज पाल वर्मा, दीपक ढोंढियाल, आनंद कुमार जेरई और एसएस महाराणा की ड्यूटी लगाई गई है। टूआईसी स्तर के अधिकारियों में अजय

सिंह परमार, तेजिंद्र कौर, संजीव चौधरी व दिनेश कुमार सिंह को रखा गया है। डिप्टी कमांडेंट रैंक में पवन कुमार ढुल, आनंदी दयाल, अरविंद, रमेश कुमार व धर्मदास हैं। इंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह, सोना राम, ज्ञानेंद्र सिंह, गुजराज जेना व राकेश कुमार को बतौर 'फ्लैग बियरर' की ड्यूटी सौंपी गई है। कमेंटेटर की भूमिका में सहायक कमांडेंट राकेश रमन, अनूभा और तेजस्विता को रखा गया है। ड्रिल इंस्ट्रक्टर के तौर पर इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार, सुनील शर्मा, एसआई मनोज कुमार, एएसआई रमेश कुमार, एएसआई वघेला प्रकाश सिंह, हवलदार सुनील कुमार, दिनेश धामा, विजय कुमार, बेदपाल, ताराचंद व डी गंगाधर्म सहित 23 कर्मी शामिल किए गए हैं। एडम स्टाफ ड्यूटी के लिए भी अनेक हवलदार व सिपाहियों को लगाया गया है।

सीआरपीएफ को महंगी पड़ती है डीजी की विदाई परेड : देश में उतार-चढ़ाव वाली आर्थिक स्थिति के मद्देनजर केंद्र सरकार ने अपने कई खर्चों में कटौती की है। दूसरी तरफ सीआरपीएफ महानिदेशक की विदाई परेड, जो 30 सितंबर को होनी है, उसके लिए एक महीना पहले ही तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कमांडेंट रैंक के चार अधिकारी, सेकंड इन कमांड के चार अफसर एवं डिप्टी कमांडेंट रैंक के छह एवं असिस्टेंट कमांडेंट रैंक के 15 अधिकारियों और सैकड़ों अधीनस्थ अधिकारियों व हजारों जवान, ग्रुप सेंटर पर पहुंच चुके हैं। परेड एवं खानपान की व्यवस्था के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से अफसरों और जवानों को बुलाया गया है।

सीआरपीएफ के पूर्व एडीजी एसपी सिंह बताते हैं, बल पर इतने बड़े खर्च का भार डालना ठीक नहीं है। विदाई देने का कोई दूसरा तरीका अपनाया जा सकता है। मुख्यालय स्तर पर समारोह आयोजित करने का विकल्प मौजूद है। जो अधिकारी व जवान, इस परेड में शामिल होंगे, एक माह के उनके वेतन व भत्तों का हिसाब लगाएं तो वह करोड़ों में पहुंच जाएगा। जैसे सीआरपीएफ डे पर परेड होती है, अगर उसके आसपास कोई डीजी रिटायर होता है तो उसके लिए परेड हो सकती है। वजह, उस वक्त जवान संबंधित ग्रुप सेंटर पर तैयारी कर रहे होते हैं।

>12

डॉक्टरों व अस्पतालों पर हमले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका, सोमवार को सुनवाई

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। देश में डॉक्टरों, अस्पतालों व अन्य चिकित्सा केंद्रों की पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने का निर्देश देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगी। याचिका में मांग की गई है कि अधिकारियों को निर्देश दिया जाए कि वे डॉक्टरों व अस्पतालों पर मरीजों व उनके परिजनों द्वारा हमलों को रोकने के प्रबंध करें।

न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति अभय एस ओका की पीठ इस याचिका की सुनवाई कर सकती है। यह याचिका दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की असम शाखा के अध्यक्ष डॉ. सत्यजीत बोरा ने दायर की है। इसमें यह भी

मांग की गई है कि हमलों में डॉक्टर या स्वास्थ्य कर्मियों की मौत होने पर मृतक के परिवार को मुआवजा देने के लिए केंद्र व राज्यों को राहत कोष बनाने का भी निर्देश दिया जाए।

डॉक्टरों पर हमले बढ़े : वकील स्नेहा कलिता के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि इस तरह के हमलों और मौखिक दुर्व्यवहार की घटनाओं में वृद्धि हुई है। भीड़ द्वारा किए गए हमलों की वजह से डॉक्टरों या स्वास्थ्य कर्मियों की मौत हो चुकी है। डॉक्टरों व नर्स आदि को सरेआम पीट पीटकर मार डालने जैसी घटनाएं भी हो चुकी हैं।

याचिकाकर्ता केंद्र व राज्य सरकार को उचित दिशा-निर्देश देने की मांग कर रहे हैं ताकि चिकित्सा कर्मियों, पेशेवरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए सुरक्षित वातावरण बने व उनकी सुरक्षा के इंतजाम हो सकें।

सुरक्षा का कोई ठोस कानून नहीं : याचिका में दावा किया गया है कि देश में अभी कोई ठोस केंद्रीय कानून नहीं है।

डॉक्टरों व चिकित्साकर्मियों पर हमलों को रोकने, दोषियों के खिलाफ दंडात्मक और अन्य कड़े उपायों की कोई समग्र व्यवस्था नहीं है।

सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का उद्घाटन 8 को

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा एवेन्यू आम जनता के लिए अगले सप्ताह से जनता के लिए खुल सकता है। विजय चौक से इंडिया गेट तक पुनर्विकसित इस सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 सितंबर को करेंगे। हालांकि, इसका अभी आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। सेंट्रल विस्टा एवेन्यू को शहर का सबसे लोकप्रिय सार्वजनिक स्थान माना जा रहा है। इस एवेन्यू में पैदल चलने वाले रास्ते पर लाल ग्रेनाइट का इस्तेमाल किया गया है, जिसके चारों ओर हरियाली है और इसका क्षेत्रफल 1.1 लाख वर्ग मीटर है। राजपथ पर 4,087 पेड़, 114 आधुनिक संकेतक और कई बगीचे हैं। यहां 900 से अधिक प्रकाश स्तंभ हैं। प्रकाश स्तंभ का उद्देश्य सेंट्रल विस्टा को चौबीसों घंटे पैदल चलने वालों के लिए अधिक अनुकूल बनाना है।

झज्जर के माता जगदंबा मंदिर में चोरी

लोहे की चेन काट कर अंदर घुसे चोर; दानपात्र से नकदी चुराकर फरार

झज्जर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर में अंबेडकर चौक स्थित माता जगदंबा मंदिर में चोरों ने दानपात्र से नकदी चुरा ली। चोर मंदिर के दरवाजे पर लगी लोहे की चेन को काट कर अंदर घुसे थे। मंदिर में चोरी का पता चलने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौके पर पहुंचे और वारदात को लेकर रोष जताया। दानपात्र में कितनी राशि थी, इसका पता नहीं चला है। मंदिर प्रबंधन की ओर से 10-15 दिन में दान पात्र को खोला जाता था। मंदिर के पुजारी भारत ने बताया कि इससे पहले भी चोरों ने दो तीन बार माता के दानपात्र की चोरी की है। जब मंदिर के लिए किसी सामान की जरूरत पड़ती है, तभी वे दानपात्र को खोलते हैं। उन्होंने बताया कि चोरों ने पहले मंदिर के दरवाजे के बाहर लगी चेन को किसी चीज से काटा।

मोदी को हराने का दम रखते हैं केजरीवाल

आप को इन 6 वजहों से यकीन

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। 2024 लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी को चुनौती कौन देगा? राहुल गांधी, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, के चंद्रशेखर राव से लेकर अरविंद केजरीवाल तक कई नाम चर्चा में बने हुए हैं। इनमें से अधिकतर नेता या उनकी पार्टी का जोर इस बात पर है कि विपक्ष को एक साथ मिलकर मोदी से लड़ना चाहिए। लेकिन चेहरा किसका होगा? इस सवाल पर यह एकता बनने से पहले ही बिखर जाती है। इस बीच, दिल्ली और पंजाब में सरकार चला रही आम आदमी पार्टी ने अपने मुखिया अरविंद केजरीवाल को मोदी के खिलाफ सबसे मजबूत दावेदार बताया है। पार्टी ने अपनी ओर से इसका ऐलान भी कर दिया है और खुद अरविंद केजरीवाल 'मेक इंडिया नंबर वन' कैंपेन के जरिए मिशन 2024 की शुरुआत भी करने जा रहे हैं। 'आप' का मानना है कि अरविंद केजरीवाल की देशभर में स्वीकार्यता है और भाजपा को हराने में यह नई पार्टी ही सक्षम है। आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने एक टीवी इंटरव्यू में केजरीवाल की दावेदारी पर दलीलें पेश करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पीएम मोदी की सबसे बड़ी संपत्ति बताया। उन्होंने कहा कि मोदी बनाम राहुल की लड़ाई जीतना बीजेपी के लिए बहुत आसान है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी एक इलेक्शन मशीन बन चुकी है, जिसे हराने के लिए नई तरह की राजनीति की आवश्यकता है और विपक्ष में जो खाली स्थान है उसे 'आप' और केजरीवाल ही भर सकते हैं। राघव चड्ढा ने इस दौरान अरविंद केजरीवाल के समर्थन में 6 दलीलों के साथ बताया कि क्यों अरविंद केजरीवाल ही मोदी को टक्कर दे सकते हैं। सांसद ने कहा, ''पॉइंट1- आम आदमी पार्टी अब क्षेत्रीय दल नहीं है, हर लिहाज से अब यह राष्ट्रव्यापी ताकत है। सभी गैर कांग्रेसी विपक्षी दलों की क्षेत्रीय पहचान है। लेकिन आप के साथ कोई क्षेत्रीय पहचान नहीं जुड़ी है। पॉइंट-2, केजरीवाल की एक राष्ट्रीय पहचान है। यह पार्टी एक राष्ट्रीय मुद्दे पर हुए आंदोलन से निकली है। पॉइंट3- आप के साथ कोई पिछला बोझ नहीं है। पॉइंट 4- आप चुनाव लड़ने के नए तरीकों को समझती है, बल्कि महारथ रखती है, जिसमें बीजेपी के अलावा और कोई विपक्षी दल सक्षम नहीं है। पॉइंट-5, आप शासन के पास वैकल्पिक शासन मॉडल है जो बीजेपी की घोर पूंजीवादी और विभाजनकारी शासन मॉडल का मुकाबला कर सकता है।

पॉइंट 6, अरविंद केजरीवाल के पास आर्थिक प्रगति का मॉडल है जिसके जरिए आम आदमी की जीविका का खर्च कम होता है और उसके पास खर्च करने के लिए और प्रगति करने के लिए हाथ में पैसे बचते हैं।'' राघव ने कहा कि कांग्रेस के खिलाफ लड़ाई बीजेपी के लिए सबसे आसान है। राहुल गांधी पीएम मोदी के लिए सबसे बड़ी संपत्ति है। मोदी बनाम राहुल बनाने से बीजेपी का काम आसान हो जाता है। यह कहे जाने पर कि विपक्षी पार्टियां 'आप' पर कांग्रेस को कमजोर करने का आरोप लगाती हैं और कहती हैं कि इससे बीजेपी को ही फायदा हो रहा है, राघव चड्ढा ने कहा, ''यह कहना गलत है कि 'आप' कांग्रेस के खिलाफ ही लड़ रही है। दिल्ली में हमने बीजेपी के खिलाफ ही लड़ाई लड़ी।

दिल्ली में पहली बार हमें 2015 में पहली बार पूर्ण बहुमत मिला, तब हम कांग्रेस नहीं बीजेपी के खिलाफ लड़े। आप के 28 विधायक थे और बीजेपी के 32 थे। 2020 में भी हम बीजेपी के खिलाफ लड़े। दिल्ली में कांग्रेस कोई ताकत नहीं है। हम जब किसी नए राज्य में जाते हैं तो कांग्रेस और बीजेपी सभी के वोट हासिल करते हैं। हालांकि, मैं मानता हूं कि टाइम आ गया है कि 'आप' कांग्रेस की जगह ले ले, देश की सबसे पुरानी पार्टी को अब रिटायर हो जाना चाहिए।''

बीजेपी विधायक ने शिकायत करने आई महिला से की बदसलूकी, केस भी दर्ज कराया

बेंगलुरु, 3 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बीजेपी के विधायक अरविंद लिंबावली एक बार फिर विवादों में हैं। अरविंद लिंबावली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वे एक महिला को धमकी देते हुए दिख रहे हैं। बेंगलुरु में विधायक के कहने पर महिला को पुलिस स्टेशन ले जाया गया और पुलिस ने पूछताछ के बाद उसे वापस भेज दिया। उसके खिलाफ सरकारी कामकाज में दखलंदाजी का मामला दर्ज किया गया है। कर्नाटक के बीजेपी विधायक अरविंद लिंबावली ने एक महिला को अपशब्द कहे और दुर्व्यवहार किया। यह घटना तब हुई जब महिला ने भारी बारिश के बाद बेंगलुरु के वरथुर इलाके से जुड़ी अपनी समस्या के बारे में लिंबावली से बात करने और उनको अपना शिकायत पत्र सौंपने की कोशिश की।

बेंगलुरु वाटर सप्लाई एंड सीवेरज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) ने एक कामर्शियल बिल्डिंग की कंपाउंड वाल पर बुलडोजर चलाकर उसे तोड़ दिया। बोर्ड का आरोप है कि बिल्डिंग का वह हिस्सा बरसाती नाले पर बना है। इस कॉम्प्लेक्स की मालकिन सगाय मैरी ने इसका विरोध किया। सगाय मैरी ने कहा कि सरकारी सर्वेयर से सर्वे करवाने के बाद विभागीय अप्रूवल लेकर उन्होंने यह दीवार बनाई है, लेकिन उनकी आधी कंपाउंड वाल को तोड़ दिया गया। इसी बात को लेकर उनका विधायक से विवाद हुआ।

राहुल गांधी छोड़ेंगे जिद

लड़ेंगे कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव? करीबी ने कहा- मनाने की कोशिश जारी

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस में अध्यक्ष पद को लेकर होने वाले आगामी चुनाव में राहुल गांधी की उम्मीदवारी को लेकर असमंजस की स्थिति बरकरार है। लेकिन पार्टी के कई नेताओं को विश्वास है कि राहुल गांधी अक्टूबर में होने वाला यह चुनाव लड़ेंगे। इन नेताओं ने इस बात की संभावना जताई है

कि राहुल गांधी उनके अनुरोध को जरूर स्वीकार करेंगे। राहुल गांधी विदेश यात्रा से भारत लौट चुके हैं और पार्टी नेता उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए मनाने की कोशिश कर सकते हैं। 2019 में लोकसभा चुनाव में हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था और यह कहा गया था कि गांधी परिवार से कोई भी पार्टी का नेतृत्व नहीं करेगा।

'राहुल गांधी की सहमति से इनकार नहीं किया जा सकता'

एक और जहां पार्टी में इस बात को लेकर चर्चा है कि राहुल गांधी अध्यक्ष पद नहीं संभालेंगे। वहीं उनके एक करीबी सूत्र ने इसे पूरी तरह से खारिज करने से इनकार कर दिया है। "उन्हें मनाने के प्रयास किए जा रहे हैं क्योंकि पार्टी के लिए यही एकमात्र अच्छा समाधान है। उनकी सहमति से इंकार नहीं किया जा सकता है, लेकिन बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि रविवार को महंगाई के खिलाफ दिल्ली की रैली और फिर भारत जोड़ी यात्रा कैसी होती है। इससे पहले राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत, जो अध्यक्ष पद के लिए गांधी परिवार के अलावा एक विकल्प हैं, मल्लिकार्जुन खड़गे और सलमान खुर्शीद जैसे वरिष्ठ नेताओं ने कहा है कि राहुल को मनाने की कोशिश आखिरी वक्त तक जारी रहेगी।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष के चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान हो चुका है।कांग्रेस वर्किंग कमिटी द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार, 22 सितंबर को चुनाव के लिए अधिसूचना जारी होगी और 17 अक्टूबर को चुनाव होगा। अगर मतदान कराने की नौबत आई तो 19 अक्टूबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

असम में उल्फा से जुड़े ठिकानों पर एनआईए का ताबड़तोड़ छापा

गुवाहाटी, 3 सितंबर (एजेंसियां)। असम में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कई ठिकानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (यूएलएफए) में युवाओं की भर्ती मामले में की गई है। जानकारी के मुताबिक, एनआईए की टीम ने इस छापेमारी में डिजिटल उपकरण, गोला बारूद के साथ आपत्तिजनक दस्तावेज और उल्फा से संबंधित साहित्य जब्त किया गया है। एनआईए की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, राज्य के सात जिलों में 16 ठिकानों पर छापा मार गया। अधिकारियों ने बताया, यह छापेमारी कामरूप, नालबाड़ी, डिबरूगढ़ जैसे जिलों में की गई। अधिकारियों ने अनुसार, उग्रवादी संगठन के लिए धन की उगाही, युवाओं को गैरकानूनी कामों में लगाने और उनके प्रशिक्षण के लिए भारत-म्यांमार सीमा पर ट्रेनिंग कैंप संचालित करने की जानकारी एनआईए को प्राप्त हुई थी,

ऐक्शन में चीफ जस्टिस यूयू ललित

सुप्रीम कोर्ट ने 4 दिनों में निपटाए 1800 से अधिक मामले

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। जस्टिस उदय उमेश ललित ने हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश का पदभार ग्रहण किया है। उनके सीजेआई बनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ चार दिनों में 1800 से अधिक मामलों का निपटारा किया है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बोलते हुए सीजेआई यूयू ललित ने सुप्रीम कोर्ट के इस प्रदर्शन का विवरण दिया। उन्होंने वकीलों को संबोधित करते हुए कहा, "मैं आपके साथ पिछले चार दिनों में हुई एक बात साझा करना चाहता हूं। हम जिन मामलों को सूचीबद्ध कर रहे हैं वो मेरे कार्यभार संभालने से पहले के समय की तुलना में बहुत अधिक हैं।

मेरे महासचिव ने आंकड़े मेरे सामने रखे हैं। पिछले चार दिनों में अदालत द्वारा निपटाए गए मामलों की कुल संख्या 1293 थी।" मामलों में से 493 का 29

अगस्त को निपटारा किया गया। आपको बता दें कि बतौर सीजेआई, यूयू ललित का यह सुप्रीम कोर्ट में पहला दिन था। इसके बाद 315 फैसले शुक्रवार को सुनाए गए। वहीं, मंगलवार और गुरुवार को क्रमशः 197 और 228 मामलों का निपटारा सुप्रीम कोर्ट ने किया। गणेश चतुर्थी के कारण बुधवार को सुप्रीम कोर्ट बंद रहा। अपने संबोधन के दौरान न्यायमूर्ति यूयू ललित ने जोर देकर कहा कि शीर्ष अदालत दो दिनों के भीतर नियमित सुनवाई के 106 मामलों पर भी फैसला कर सकती है। नियमित सुनवाई के मामले तीन-न्यायाधीशों की पीठ के पास हैं जिन्हें या तो व्यापक तर्क की आवश्यकता होती है या फिर वे सूचीबद्ध किए बिना दशकों से ठंडे बस्ते में पड़े हैं। नियमित सुनवाई के मामले अब तीन-न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष मंगलवार और गुरुवार के बीच सूचीबद्ध हैं।

ऐसे 58 मामलों का निर्णय मंगलवार को किया गया, जबकि 48 मामलों का गुरुवार को निपटारा किया गया। सीजेआई ललित ने कहा, आप अच्छी तरह से कल्पना कर सकते हैं कि अदालतें अब नियमित मामलों के निपटारे पर अधिक जोर दे रही हैं। अदालत ने सोमवार से 440 स्थानांतरण याचिकाओं का भी निपटारा किया। मंगलवार और गुरुवार को बड़ी संख्या में तबादला याचिकाओं पर फैसला सुनाया गया। जस्टिस ललित ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ज्यादा से ज्यादा मामलों को निपटाने की कोशिश करेगा और वह सीजेआई के रूप में 74 दिनों के अपने छोटे से कार्यकाल में लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, जब मैंने पदभार संभाला तो हर आंखें मुझे एक ही कहानी बता रही थीं। 'सर, हमें आपसे बहुत उम्मीदें हैं।' मैं ईमानदारी से प्रयास करूंगा।

मैं उन उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा। सुप्रीम कोर्ट कोशिश करेगा कि ज्यादा से ज्यादा मामले निपटाए जाएं। अधिक से अधिक मामले सुप्रीम कोर्ट में लाए जाएं और इस संदेश को देश के कोने-कोने तक जाने दें। 27 अगस्त को 49वें सीजेआई के रूप में कार्यभार संभालने से कुछ दिन पहले एक साक्षात्कार में न्यायमूर्ति यूयू ललित ने इस बात को स्वीकार किया था कि विभिन्न स्तरों पर लंबित मामलों (करीब 71,000) से निपटने की आवश्यकता है।

दोस्त के साथ पार्टी कर रहे कारीगर की हत्या

भोपाल में पत्थर से सिर कुचलकर मर्डर, शव को नाले में फेंका

भोपाल, 3 सितंबर (एजेंसियां)। छोला इलाके में दोस्त के साथ पार्टी कर रहे कारीगर की सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। इसके बाद हत्यारे ने उसका शव घटना स्थल के समीप नाले में फेंक दिया। बताया गया कि युवक अपनी ससुराल में रहता था। लेकिन पत्नी से उसके संबंध ठीक नहीं थे। पुलिस ने संदिग्ध को पकड़ लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस जल्द ही हत्याकांड का खुलासा कर सकती है। छोला मंदिर थाना प्रभारी महेन्द्र सिंह ने बताया कि विदिशा के खेजड़ा गांव का रहने वाला 34 वर्षीय नारायण मेहर नवजीवन कॉलोनी में काली मंदिर के पीछे की झुग्गी में अपनी ससुराल में रहता था। शनिवार तड़के नारायण का शव, कॉलोनी के नजदीक ही संचालित विनायक डेयरी के नजदीक से गुजर रहे नाले में मिला है।

एकनाथ शिंदे के आगे पूरी प्लानिंग फेल होने का खतरा

साथ आए विधायक कर सकते हैं घर वापसी!

मुंबई, 3 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना से बगावत करके महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने वाले एकनाथ शिंदे के सामने नई मुसीबत खड़ी हो गई है। अभी सरकार बने करीब तीन महीने ही बीते हैं, लेकिन उन्हें अपने साथ आए विधायकों की नाराजगी से गुजरना पड़ रहा है। इसी के चलते वह कैबिनेट का दूसरा विस्तार भी नहीं कर पा रहे हैं। दरअसल शिवसेना से बागी ज्यादातर विधायक एकनाथ शिंदे सरकार में खुद को मंत्री देखना चाहते हैं और यही मुश्किल की वजह है। फिलहाल असली शिवसेना और नकली शिवसेना का विवाद भी चल रहा है, जो सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग के समक्ष लंबित है। ऐसे में चर्चा है कि कुछ ऐसे विधायक भी हैं, जो मंत्री न बन पाने की स्थिति में उद्धव ठाकरे गुट के साथ जा सकते हैं। ऐसा होता

है तो एकनाथ शिंदे के लिए यह बड़ी मुश्किल होगी।

4 विधायक भी टूटे तो बिगड़ जाएगा गेम प्लान

यदि कुछ विधायक जाते हैं तो फिर एकनाथ शिंदे गुट के सामने दलबदल कानून का खतरा पैदा हो जाएगा। एकनाथ शिंदे ने जब शिवसेना से बगावत करके सरकार बनाई थी तो उन्हें 40 विधायकों का समर्थन मिला था। शिवसेना के कुल 54 विधायक हैं। ऐसे में उन्हें कम से कम 37 विधायक विवाद हल होने तक अपने साथ रहना जरूरी है ताकि दलबदल कानून से बच सकें। इसलिए यदि बागी विधायकों में से 4 भी अलग हुए तो संख्या 36 ही रह जाएगी और दलबदल कानून का खतरा पैदा हो जाएगा। यही एकनाथ शिंदे की मुश्किल है, जिसके चलते वह विधायकों को राजी करने का प्रयास कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग में लंबित है शिवसेना का फैसला

शिंदे ग्रुप के एक सदस्य ने कहा, 'फिलहाल यह पूरा विवाद सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। इसके अलावा चुनाव आयोग के पास भी दोनों पक्षों की याचिका लंबित है। लेकिन इस वक्त यदि कैबिनेट विस्तार होता है और यदि मंत्री पद न पाने वाले नेता उद्धव खेमे में चले जाते हैं तो फिर असली शिवसेना पर दावे का आधार ही कमजोर हो जाएगा।' बता दें कि पहले कैबिनेट विस्तार में एकनाथ शिंदे गुट के 40 में से 9 विधायक ही मंत्री बने हैं। ऐसे में बाकी लोगों के बीच असंतोष है कि उन्हें शिवसेना से बगावत करने पर आखिर क्या मिला है। इसके अलावा एक बड़ा गुट यह भी सोच रहा है कि शिवसेना से बगावत पर एक तरफ उनकी चुनावी संभावनाएं कमजोर हो सकती हैं तो दूसरी तरफ उन्हें मंत्री पद जैसे फायदा भी नहीं मिल सका है।

भाजपा और छोटे दलों की भी है ज्यादा मंत्री पदों पर नजर

महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे अब ज्यादा से ज्यादा 23 और लोगों को मंत्री बना सकते हैं, जबकि उम्मीद सभी 31 विधायक कर रहे हैं। इसके अलावा भाजपा को भी कोटे में रखना है। ऐसे में एकनाथ शिंदे के लिए यह चिंता की बात है कि कैसे विधायकों को साधा जाए। दरअसल दूसरे कैबिनेट विस्तार पर भाजपा की भी नजर है और उसके विधायकों की संख्या अधिक है। ऐसे में वह ज्यादा मंत्री पद चाहती है। इसके अलावा छोटे दलों के विधायक भी मंत्री पद मांग रहे हैं।

अंडमान-निकोबार के करीब भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 4.4 मापी गई तीव्रता

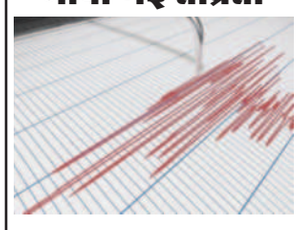

पोर्ट ब्लेयर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के दक्षिण में स्थित अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में शनिवार सुबह 6.59 बजे के करीब भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.4 मापी गई। भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप का केंद्र अंडमान-निकोबार की राजधानी पोर्ट ब्लेयर से 106 किमी दूर पूर्व-पूर्वोत्तर में, जमीन के 70 किमी नीचे था।

दो बार पाक ड्रोन भारतीय क्षेत्र में घुसा

82 राउंड गोलियां एवं 10 राउंड इल्यूमिनेशन बम दागे

तरनतारन, 3 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के सरहदी क्षेत्र जिला तरनतारन में दो बार पाकिस्तानी ड्रोन अलग-अलग समय में दिखाई दिया। लगभग 82 राउंड गोलियां एवं 10 राउंड इल्यूमिनेशन बम दागे गए। वाक्यात शुक्रवार-शनिवार की मध्यकालीन रात्रि का बताया जा रहा हैं। क्षेत्र में दहशत का माहौल हैं। पुलिस एवं सीमा सुरक्षा बल की विशेष टीम द्वारा अल-सुबह से सर्च ऑपरेशन जारी हैं। फिलहाल, किसी प्रकार से कोई संदिग्ध वस्तु हासिल होने की बीएसएफ प्रवक्ता ने कोई पुष्टि तो नहीं की।

जबकि, तलाशी अभियान गहनता से जारी हैं। शुक्रवार की रात 10.12 बजे पर बीओपी वान तारा , पीएस खालरा 103 बटालियन की सीमा सुरक्षा बल टीम सरहद पर कड़ा पहरा दे रही थी। तभी पाकिस्तान की तरफ से एक संदिग्ध वस्तु ने भारतीय सीमा क्षेत्र में प्रवेश किया। टीम एकदम सतर्क हो गई। टीम ने पूर्व में चेतावनी जारी की। टीम ने आत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से पता लगाया तो जानकारी सामने आई कि पाकिस्तान के चीनी निर्मित ड्रोन भारतीय क्षेत्र में घुस गया। टीम ने 09 राउंड और 04 राउंड इल्यूमिनेशन बम दागे। फिर बाद में वापस पाकिस्तान क्षेत्र में चला गया।

इसके उपरांत शुक्रवार-शानिवार की मध्याकालीन रात्रि 1.10 बजे पाकिस्तान की तरफ से फिर ड्रोन भारतीय क्षेत्र में घुस आया। इस बार 73 राउंड और 06 राउंड इल्यूमिनेशन बम दागे। लगभग चार मिनट तक ड्रोन की भारतीय क्षेत्र में उपस्थिति दर्ज की गई। करारा जवाब मिलने के उपरांत ड्रोन वापस पाकिस्तानी क्षेत्र लौट गया। दोनों मामलों पर कड़ा संज्ञान लेते हुए बीएसएफ तथा पुलिस की टीम द्वारा संबंधित क्षेत्र में सर्च अभियान जारी हैं।

एक्ट्रेस नोरा फतेही से 200 करोड़ रुपये वसूली के केस में फिर की गई पूछताछ

6 घंटे तक हुए सवाल-जवाब

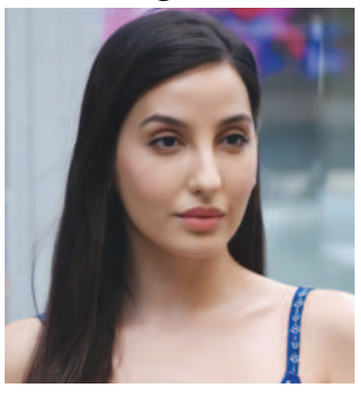

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। सुकेश चंद्रशेखर 200 करोड़ वसूली मामले में फिल्म एक्ट्रेस नोरा फतेही से कल दिल्ली पुलिस ने करीब 6 घंटे तक पूछताछ की। दिल्ली पुलिस की ईओबीडब्ल्यू ने नोरा फतेही से यह पूछताछ की। अब 12 सिंतबर को जैकलीन से दिल्ली पुलिस पूछताछ करेगी। ईओबीडब्ल्यू ने सुकेश चंद्रशेखर ठगी केस में एक्ट्रेस नोरा फतेही से 6 घंटे तक पूछताछ की। कल सुबह 11 बजे से शाम 6 तक नोरा मंदिर मार्ग स्थित आर्थिक अपराध शाखा में मौजूद थीं। उन्होंने अपने बयान दर्ज करवाए। ज़रूरत पड़ने पर नोरा को फिर से पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

ईओडब्ल्यू ने जैकलीन को 12 सितंबर बुलाया है। सुकेश चंदशेखर और फ़िल्म एक्ट्रेस नोरा फ़तेही से ईडी ने भी आमने-सामने बिठाकर मनी लांड्रिंग के एंगल से पूछताछ की थी। यह पूछताछ ईडी की चार्जशीट का भी हिस्सा है। ईडी ने नोरा से सवाल किया था कि अपना परिचय बताएं। जवाब मिला, मेरा नाम नोरा फ़तेही है। सुकेश चंद्रशेखर का जवाब था, मेरा नाम सुकेश है। ईडी ने पूछा था, क्या आप कभी एक-दूसरे से मिले या बातचीत की। इस पर नोरा का जवाब था नहीं, जबकि सुकेश का जवाब था- हां। ईडी ने दोनों से सवाल पूछा था- क्या आपने कभी एक-दूसरे से 21 दिसंबर 2020 से पहले बातचीत की है। नोरा ने कहा, नहीं। सुकेश ने कहा- "मैंने दो वीक पहले एक इवेंट के पहले बात की थी।" ईडी का अगला सवाल नोरा से था कि, क्या सुकेश ने नोरा या उसके फैमिली फ्रेंड बॉबी खान को बीएमडब्ल्यू कार गिफ्ट की थी? इस पर नोरा का जवाब था, "शुरुआत में मुझे सुकेश ने ऑफ़र किया था तब मैंने ओके कहा था पर बाद में मैंने कहा मुझे जरूरत नहीं है।

तो मैंने बॉबी को इसकी जानकारी दी थी। बॉबी की सुकेश से इस सिलसिले में बात हुई थी। मैंने बॉबी को कहा कार ले लो तुम, अगर तुम्हें ये मौका मिल रहा है तो।" सुकेश ने इस पर जवाब दिया था, "मैंने केवल नोरा को ये बीएमडब्ल्यू कार गिफ़्ट की थी। नोरा ने बीएमडब्ल्यू कार पंसद की थी इसमें फ़ेमिली फ्रेंड बॉबी का कोई लेना देना नहीं था।" ईडी ने नोरा से पूछा था, क्या आपके बीच मे महंगे उपहार जैसे कीमती बैंग, का लेनदेन हुआ था और महंगे गिफ्ट्स का। नोरा का जवाब था- "नहीं, कभी नहीं हुआ, दरअसल एल्स कारपोरेशन के एक इवेंट में मैं चीफ गेस्ट थी जहां गिफ्ट के तौर पर गुच्ची बैग और आई फोन 12 सबके सामने अपनी कंपनी के विहाफ़ पर गिफ़्ट मिला था।" सुकेश का जवाब था, "मैंने नोरा को 4 बैग और कुछ पैसे दीपक रमनानी के जरिए दिए थे। नोरा ने यह बैग खुद पंसद किए थे जो प्लाडियम मॉल से लिए गए थे।

मुंबई मे शाम को इस मॉल से नोरा के एक स्टाफ ने वो बैग पिक किए थे।" ईडी का नोरा से अगला सवाल था, क्या आप 21 दिसंबर 2020 के बाद में सुकेश के सम्पर्क में थीं? नोरा ने कहा, "नहीं, जबकि यह लगातार बॉबी के टच में था और आने वाले वक्त में बॉबी के साथ अन्य प्रोजेक्ट पर चर्चा करता था सुकेश।" सुकेश ने जवाब दिया, "हां, इवेंट के बाद मैंने 4-5 दिन तक नोरा से बात की थी।

बेंगलुरु में बाढ़ जैसे हालात पर पर भड़के कुमारस्वामी

झील पर अतिक्रमण को लेकर सीएम पर निशाना

बेंगलुरु, 3 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में बाढ़ जैसे हालात बनने पर पूर्व सीएम व जेडीएस के नेता एचडी कुमारस्वामी ने सीएम बसवराज बोम्मई पर निशाना साधा है। कुमारस्वामी ने बेंगलुरु झील और राजकालुवे पर अतिक्रमण को लेकर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। पत्रकारों से चर्चा में कुमारस्वामी ने मांग की कि मुख्यमंत्री बोम्मई श्वेत पत्र जारी कर जनता को बताएं कि बेंगलुरु में झील और राजकालुवे (पानी की निकासी की नालियां) पर किसने अतिक्रमण किया है? राजकालुवे के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। मुख्यमंत्री कहते हैं कि पैसा जारी किया गया है, तो पैसा किसके पास गया? जनता को पता होना चाहिए कि अतिक्रमण करने वाले कौन हैं? पूर्व सीएम कुमारस्वामी ने कहा कि वृहद बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) भाजपा के हाथ में है। पूरे राज्य को पता है कि राज्य की सत्ताधारी पार्टी ने क्या किया? उन्होंने कहा कि सीएम बोम्मई कांग्रेस के बारे में जो चाहें कहें, लेकिन मेरे बारे में उन्हें जिम्मेदारी से बोलना चाहिए। मैंने बेंगलुरु की पेरिफेरल रिंग रोड के निर्माण पर 6,000 करोड़ रुपये के खर्च का अनुमान लगाया था। यह आज बढ़कर 22,000 करोड़ हो गया है। ये कांग्रेस और भाजपा की उपलब्धि है। उनकी एकमात्र उपलब्धि बीबीएमपी के उस दफ्तर में आग लगाना है, जहां दस्तावेज रखे जाते हैं। बता दें, बेंगलुरु के कई इलाकों में भारी बारिश के दौरान जलजमाव हो जाता है। उपनगर येलहंका के कई इलाके जलमग्न हो जाते हैं। पिछले साल भी कई आवासीय परिसरों में पानी घुस गया था। तब सीएम बोम्मई ने बेंगलुरु में बाढ़ के लिए राजकालुवे के बहाव में बाधा डालने वाले अतिक्रमणों को जिम्मेदार ठहराया था।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 4 सितंबर, 2022 3

सु वि चा र

किसी के गुणों की प्रशंसा करने में अपना समय व्यर्थ न करो, उसके गुणों को अपनाने का प्रयास करो।

प्रगति भवन में तीन घंटे तक चली कैबिनेट बैठक, कई प्रस्तावों को दी गई मंजूरी

'तेलंगाना राष्ट्रीय एकता हीरक महोत्सव' तीन दिनों तक मनाया जाएगा

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में शनिवार को प्रगति भवन में राज्य कैबिनेट की बैठक हुई। करीब 3 घंटे तक चली कैबिनेट की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई और मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने 17 सितंबर 2022 को 'तेलंगाना राष्ट्रीय एकता हीरक जयंती उद्घाटन दिवस' के रूप में मनाने और इसे तीन दिनों तक मनाने का फैसला किया है। राजशाही व्यवस्था से लोकतांत्रिक व्यवस्था में तेलंगाना समाज के विकास के संदर्भ में, 17 सितंबर, 2022 तक इसे 75 वर्ष हो जाएंगे। 17 सितंबर को 'तेलंगाना राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। कैबिनेट की बैठक में उद्घाटन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मंत्रिमंडल ने इस वज्रोत्सव का समापन 16 सितंबर, 17, 18, 2023 को तीन दिनों तक करने का निर्णय लिया है। मंत्रिमंडल ने इस प्रकार 'तेलंगाना राष्ट्रीय एकता हीरक महोत्सव' के प्रारंभ के भाग के रूप में 3 दिनों के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। 16 सितंबर को प्रदेश के सभी निर्वाचन क्षेत्रों के केंद्रों में छात्र-छात्राओं, युवक-युवतियों के साथ विशाल रैलियां की जाएं। 17 सितंबर को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव सार्वजनिक उद्यान में राष्ट्रीय ध्वज का उद्घाटन करेंगे और भाषण देंगे। उसी दिन सभी जिला केंद्रों में मंत्री, नगर पालिका और पंचायत केंद्रों में सभी सरकारी कार्यालयों में संबंधित अधिकारी और जनप्रतिनिधियों को राष्ट्रीय ध्वज अनावरण कार्यक्रम आयोजित करना चाहिए। उसी दिन दोपहर (17 सितंबर) हैदराबाद में बंजारा भवन और आदिवासी भवन का उद्घाटन किया गया। नेकलेस रोड स्थित पीपुल्स प्लाजा से एनटीआर स्टेडियम तक टैंकबंड अंबेडकर की प्रतिमा के रास्ते विशाल जुलूस निकाला जाएगा। इसके बाद वहां जनसभा होगी। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव मुख्य अतिथि के तौर पर इस बैठक में शामिल होंगे और इसे संबोधित करेंगे। 18 सितंबर को सभी जिला केंद्रों में स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान किया जाना चाहिए। कवियों को कलाकारों का सम्मान होगा। तेलंगाना राष्ट्रीय एकता वज्रोत्सव की भावना को फैलाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। बंजर भूमि का मामले में कैबिनेट ने विस्तार से चर्चा की। मंत्रि-परिषद ने जनजातीय बंजर भूमि की समस्या के समाधान के लिए संबंधित जिलों में राजस्व, वन एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के तत्वावधान में संबंधित जिलों के मंत्रियों के निर्देशन में प्रत्येक जिले में समन्वय बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया है। कैबिनेट ने सुझाव दिया कि सरकार के मुख्य सचिव को इस संबंध में कार्रवाई करनी चाहिए। मंत्रिमंडल ने दलित बंधु योजना को प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में 500 और लोगों के लिए विस्तारित करने का निर्णय लिया है, इसके अलावा राज्य में वर्तमान में निर्वाचन क्षेत्र के अनुसार 100 प्रदान किए जा रहे हैं। हुजूराबाद निर्वाचन क्षेत्र में समग्र कार्यान्वयन की पृष्ठभूमि में, मंत्रिमंडल ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 500 पात्र लाभार्थियों की पहचान करने और शेष 118 निर्वाचन क्षेत्रों में दलित बंधु योजना को लागू करने का निर्णय लिया। कैबिनेट ने अधिकारियों को लाभार्थियों की पहचान की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। मंत्रिमंडल ने जीएचएमसी और नगर निगमों में सहकारी सदस्यों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया। जीएचएमसी में सहकारी सदस्यों की संख्या 5 से बढ़ाकर 15 करने का संकल्प लिया। अन्य निगमों में 5 से 10 तक होगी। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में नव स्थापित वन विश्वविद्यालय के लिए नये पद स्वीकृत करने का निर्णय लिया है। कैबिनेट ने सुनकिशाला से हैदराबाद शहर तक जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार करने का निर्णय लिया। इसके एक हिस्से के रूप में, उसने अतिरिक्त 33 टीएमसी पानी की आपूर्ति करने का निर्णय लिया है। इसके लिए कैबिनेट ने 2214.79 करोड़ रुपए की मंजूरी का प्रस्ताव पारित किया। मंत्रि-परिषद ने राज्य भर में नवस्थापित जिला न्यायालय भवनों के निर्माण के लिए 21 जिला केन्द्रों में भूमि आवंटित करने का निर्णय लिया। मंत्रिमंडल ने भद्राचलम में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में 2016 परिवारों के लिए नई कॉलोनियां बनाने का निर्णय लिया।

'पिंक लेमोनेड' फैशन शो का तीसरा संस्करण शानदार रहा

50 से अधिक ब्रांडों के स्टॉल लगाए गए

हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित पार्क हयात में शनिवार को आयोजित "पिंक लेमोनेड" फैशन शो में भाग लेने वाले आगंतुक, कार्यक्रम की आयोजक अंकिता संघी, नंदिता सुरेखा, साक्षी गोयनका और अन्य।

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पार्क हयात में आयोजित "पिंक लेमोनेड" फैशन शो का तीसरा संस्करण, महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के साथ एक शानदार तरीके सफल रहा। इस प्रदर्शनी की आयोजक अंकिता संघी, नंदिता सुरेखा, साक्षी गोयनका ने हिस्सा लिया। इस शो में बच्चों के कपड़े, महिलाओं के वस्त्र, स्टेशनरी, उपहार, कमरे की सजावट के सामान, आभूषण, बच्चों के लिए खिलौने, किताबें, खेलने आदि की 10 विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के साथ 50 से अधिक ब्रांडों के स्टॉल लगाए गए हैं। आगंतुकों को भी नि:शुल्क प्रवेश दिया गया था। इस मौके पर भारी संख्या में सैलानी स्टॉल पर सामान खरीदने पहुंचे।

विधायक राजा सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में धरना, गोशामहल में बंद रहा

विधायक राजा सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में श्रीराम सेना के नेता मुन्नू स्वामी के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में भाग लेते हुए स्थानीय पार्षद लाल सिंह, मंगलहाट पार्षद श्रीमती कृष्णा शशिकला व अन्य।

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले महीने गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में श्रीराम युवा सेना के आह्वान पर शहर के गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिष्ठान बंद रहे। निर्वाचन क्षेत्र में पेट्रोल पंप, शराब की दुकानें, होटल और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। बेगम बाजार, सिद्धिअंबर बाजार, अफजलगंज, उस्मान शाही रोड, तुरुप बाजार, दारुस्सलाम रोड, शाहइनायतगंज और आसपास के बाजार भी पूरी तरह से बंद रहे। सभी संवेदनशील स्थानों और प्रमुख जंक्शनों पर पुलिस पिकेट तैनात कर दी गई थी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। श्रीराम युवा सेना द्वारा जुमेरात बाजार रोड पर मौन विरोध प्रदर्शन किया गया। राजा सिंह को 25 अगस्त को हैदराबाद पुलिस द्वारा पीडी अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया था और पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक बयानों के साथ एक विवादास्पद वीडियो के बाद अब चेर्लापल्ली में केंद्रीय कारागार में बंद है। इसमें स्थानीय पार्षद लाल सिंह, मंगलहाट पार्षद श्रीमती कृष्णा शशिकला के अलावा रविन्द्र सिंह, मुक्का कृष्णा, महेश मयदारी, कमल सिंह, सुधाकर गौड़, सुधीर सिंह, राजा जोहरी, किशन, अक्षय साहू, अमरदीप सिंह, संदीप सिंह और अन्य लोगे बड़ी संख्या में समर्थकों ने भाग लिया।

वायरल वीडियो पर गोवा पुलिस ने दी सफाई

हैदराबाद पुलिस ने कभी नहीं मांगी मदद

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक वायरल वीडियो के बाद जिसमें हैदराबाद पुलिस के शीर्ष अधिकारी कह रहे हैं कि गोवा पुलिस ड्रग्स से संबंधित मामलों को सुलझाने में सहयोग नहीं कर रही है। इसके बाद पणजी पुलिस द्वारा स्पष्ट किया कि किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी के लिए किसी भी सहायता के लिए कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ था। हैदराबाद पुलिस अधिकारी ने वायरल हुए एक वीडियो में कहा था कि हमारी टीम गोवा गई थी, लेकिन हम एडविन नून्स को गिरफ्तार नहीं कर सके। सोनाली फोगट मामले की जांच के दौरान गोवा पुलिस ने उसका नाम लिया। तब हमें पता चला कि इस मामले में शामिल सभी ड्रग तस्कर गोवा के ही हैं। जब भी हम उनसे (गोवा पुलिस) संवाद करते हैं, तो नकारात्मक परिणाम आते हैं। अगर हम किसी (गोवा के आरोपी व्यक्ति) को पकड़ने की कोशिश करते हैं, तो हमें वह नहीं मिलता। छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है, मैं खुले तौर पर कह रहा हूं कि गोवा पुलिस सहयोग नहीं कर रही है। इस आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए, गोवा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि उन्हें हैदराबाद में अपने समकक्ष से सहायता के लिए कभी कोई अनुरोध नहीं मिला है। गोवा पुलिस अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन करती है और ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे है। अपने पेशेवर लोकाचार और पेशेवर पुलिसिंग की लंबी परंपरा को ध्यान में रखते हुए, गोवा पुलिस ने हमेशा उन सभी राज्य और केंद्रीय पुलिस विभागों की सहायता की है, जिन्होंने सहायता के लिए संपर्क किया है।

केटीआर ने हैदराबाद लिबरेशन डे समारोह में बीजेपी की अचानक दिलचस्पी पर सवाल उठाया

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 17 सितंबर से 'हैदराबाद स्टेट लिबरेशन' के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार के फैसले पर पलटवार करते हुए, आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने पूछा कि भाजपा नेता अब हैदराबाद स्टेट लिबरेशन' डे मनाने के लिए बहुत उत्सुक क्यों हैं? केटीआर ने ट्विटर पर अपने नाना की तस्वीर साझा की और लिखा, मैं आप सभी को अपने परिवार के एक प्रेरणादायक व्यक्ति से मिलवाता हूं। मेरे नाना जे. केशव राव गांधी जी से प्रेरित होकर, उन्होंने 1940 के दशक के अंत में तेलंगाना विद्रोह के हिस्से के रूप में निजाम के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्हें एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में भारत सरकार से मान्यता मिली। मैं एक गौरवान्वित भारतीय तथा तेलंगाना समर्थक हूं, क्योंकि मेरे परिवार का बड़े अच्छे के लिए लड़ने का इतिहास रहा है। मंत्री ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में केंद्र के मौजूदा नेताओं की भूमिका पर भी सवाल उठाया। उन्होंने लिखा कि आश्चर्य है कि केंद्र में मौजूदा सरकार में कितने नेताओं की भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में कोई भूमिका है?

उद्घाटन के लिए तैयार गंडीपेट पार्क : केटीआर

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव ने जानकारी दी है कि शहर में गंडीपेट पार्क से संबंधित काम पूरा हो चुका है और पार्क जल्द ही उद्घाटन के लिए तैयार है।

शनिवार को ट्विटर पर मंत्री ने शहरी विकास के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार और उनकी टीम की सराहना करते हुए कहा कि गंदीपेट पार्क हैदराबाद के खूबसूरत शहर को हरा-भरा करने के लिए एक नया अतिरिक्त है। मंत्री ने ट्विटर पर फेफड़े की जगह की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं।

गंडीपेट पार्क को हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी और उस्मान सागर द्वारा विकसित किया गया है, जो इस फेफड़े के स्थान की पृष्ठभूमि में इसकी सुंदरता को बढ़ाता है।

सीपी ने पुलिस अधिकारियों व लोक अभियोजकों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सजा दरों को बढ़ाने और पुलिस और शहर की अदालतों के बीच संपर्क में सुधार करने के लिए, शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने टीएसपीआईसीसीसी, बंजाराहिल्स में अपने कार्यालय में सम्मेलन हॉल में सभी डीसीपी और एसीपी, लोक अभियोजकों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की।

शुरुआत में, शहर के पुलिस प्रमुख ने बताया कि प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर अपराधियों की त्वरित जांच और आशंका बढ़ गई है और सभी मामलों में न्याय सुनिश्चित करने के लिए जांच और अभियोजन कर्मियों को मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट में सभी कोर्ट ड्यूटी अधिकारियों के हालिया स्थानांतरण के बाद, शहर के पुलिस प्रमुख द्वारा एक आंतरिक समिति का गठन किया गया है, जिसमें अतिरिक्त सीपी (अपराध और एसआईटी), डीडी और एडमिन के संयुक्त सीपी शामिल हैं ताकि काम में सुधार हो सके। समिति ने पीएस पर केस लोड के आधार पर मानव शक्ति को समायोजित करने, फाइल कार्य और अदालती प्रक्रियाओं पर नए सीडीओ के लिए अभिविन्यास सत्र आदि सहित विभिन्न सिफारिशें कीं। कार्यवाही के दौरान, पीड़ितों को समय पर न्याय सुनिश्चित करने के तरीकों और साधनों के अलावा फाइलों से संबंधित मुद्दों, गवाहों की ब्रीफिंग, सबूतों को संभालने और हिरासत की श्रृंखला, मानव संसाधन की कमी और अन्य प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। शहर की पुलिस ने एससी/एसटी, पोक्सो, एनडीपीएस मामलों में औपचारिक प्रक्रियाओं में तेजी लाने का भी अनुरोध किया ताकि 60 दिनों के भीतर गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित निष्कर्ष दिया जा सके। बैठक में विभिन्न लैंडमार्क निर्णयों, प्रक्रियाओं को सरल बनाने, अन्य सामान्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई। न्यायपालिका के अधिकारी पुलिस अधिकारियों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए तुरंत सहमत हो गए। एसएचओ स्तर पर माह में एक बार तथा वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर एक त्रैमासिक बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में एआर श्रीनिवास अतिरिक्त सीपी अपराध और एसआईटी, गजराव भूपाल संयुक्त सी.पी. सीसीएस डीडी, पी साई चैतन्य डीसीपी साउथ जोन, चंदना दीप्ति, डीसीपी नॉर्थ जोन, एम राजेश चंद्रा डीसीपी सेंट्रल जोन, सुनील दत्त डीसीपी ईस्ट जोन, श्रीमती स्नेहा मेहरा आईपीएस अतिरिक्त डीसीपी डीडी, लोक अभियोजक और अन्य अधिकारी शामिल रहे।

तेलंगाना ने केंद्र से राज्य पुनर्गठन अधिनियम के मुद्दों को हल करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य ने खेद व्यक्त किया है कि राज्य के पुनर्गठन से संबंधित मुद्दों को हल करने में अनुचित देरी हुई है और इसकी देरी भारत में सबसे युवा राज्य की प्रगति में बाधा बन रही है।

शनिवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में 30वीं दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में बोलते हुए, तेलंगाना की ओर से बैठक में भाग लेने वाले तेलंगाना के गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने कहा कि राज्य सरकार आंध्र प्रदेश और केंद्रीय गृह के साथ लगन से काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने एपी पुनर्गठन अधिनियम द्वारा प्रदान किए गए ढांचे के भीतर सभी मुद्दों को सुलझाने के लिए और केंद्र से दोनों राज्यों के हित में इस संबंध में तुरंत पहल करने का आग्रह किया।

तेलंगाना के गृह मंत्री ने कहा कि कई बाधाओं के बावजूद, सबसे युवा राज्य आठ वर्षों की छोटी अवधि के भीतर भारत में सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक के रूप में उभरा है और राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में इसका योगदान 2014-15 में 4.1 प्रतिशत से बढ़कर 2021-22 में 4.9 प्रतिशत हो गया है।

तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से अपनी तरह के पहले विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों को शुरू करने में अग्रणी रहा है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में, राज्य ने सिंचाई के विकास, सबसे अधिक निवेशक-अनुकूल औद्योगिक परियोजना अनुमोदन और स्व प्रमाणन प्रणाली (टीएस-आईपीएएसएस) के अधिनियमन, 24X7 निर्बाध गुणवत्ता बिजली आपूर्ति, निवेश सहित विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत की है। तेलंगाना की अर्थव्यवस्था लचीला और टिकाऊ हो गई है। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि कोविड महामारी के प्रतिकूल प्रभाव के बावजूद, तेलंगाना के जीएसडीपी ने मौजूदा कीमतों पर 2020-21 में 1.21% की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की।

दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद के अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और अन्य उपस्थित थे।

शेरीलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के हाफिजपेट संभाग में स्थापित गणेश मंडप में पूजा-अर्चना करते हुए भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद। साथ में हैं श्रीधर राव, मनोहर, रवि गौड़, जनार्दन गौड़, बाबू रेड्डी, कनका ममिदी राजेंद्र गौड़, जॉनी, संजू गौड़, सुब्बार राव, नागेश्वरी, गणेश समिति के सदस्य व स्थानीय नेता।

साइबराबाद शी टीम ने अगस्त माह में 128 मामलों का किया निपटारा

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शी टीम्स साइबराबाद महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए तेजी से आ रही है। अधिक संख्या में महिलाओं और बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए साइबराबाद में कुल 11 एसएचई टीमें काम कर रही हैं। इसके अलावा सार्वजनिक स्थलों पर उपद्रव करने वाले बदमाशों पर भी एसएचई टीम पैनी नजर रखती है। अगस्त माह में महिला पीड़ितों से कुल 128 शिकायतें व्हाट्सएप, ईमेल, हॉकआई, डायरेक्ट वॉक इन आदि जैसे विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हुईं। सभी शिकायतों पर कार्रवाई की गई और गुण-दोष के आधार पर उनका निपटारा किया गया। शीटीम ने एक पुजारी द्वारा एक महिला भक्त के साथ की बदसलूकी के मामले में माधापुर की एक मंदिर के पुजारी के खिलाफ कानून के अनुसार मामला दर्ज किया। इसी तरह माधापुर की एक महिला को चैट के जरिए परेशान करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की गई। एक तेलुगु शिक्षक छात्राओं को छूकर, व्यक्तिगत विवरण पूछकर उनके साथ दुर्व्यवहार कर रहा है। टीम ने उसे पकड़कर उस पर कानूनी कार्रवाई की और उसे स्कूल से हटा दिया गया। कुकटपल्ली की एक महिला से एक याचिका प्राप्त हुई जिसमें उसने कहा कि वह निजी बैंक में डिप्टी मैनेजर के रूप में कार्यरत है। उसी शाखा प्रबंधक उसे व्हाट्सएप के माध्यम से अश्लील संदेश भेजकर परेशान कर रहा है। इसकी सूचना उसके बैंक अधिकारियों को दी गई और फिर उन्होंने उसे दूसरी शाखा में स्थानांतरित कर दिया, लेकिन वह हमेशा की तरह परेशान करने वाला अपना व्यवहार नहीं बदला।

इस संबंध में वह परेशान हो गई और एसएचई टीम से संपर्क किया, शी टीम कुकटपल्ली ने उसे पकड़ लिया और कानून के अनुसार उसके खिलाफ मामला दर्ज किया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें ट्विटर @SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे निविदा सूचनाओं की जानकारी हमारे वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in पर देखें।

'ई' नीलामी लीजिंग द्वारा प्रदान की जानेवाली वाणिज्यिक आय तथा गैर किराया राजस्व अनुबंध हेतु गुंटूर डिवीजन की संयुक्त मासिक सूची

PUB0774

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटूर डिवीजन, गुंटूर द्वारा आयआरइपीएस वेब पोर्टल की "ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल पद्धति के माध्यम से ई-बोलियां आमंत्रित की जाती हैं। तत्संबंधित कैटलाग या सूची के प्रकाशित होने से संबंधित विवरण निम्न प्रकार हैं।

एसएलआर की पार्सल लीजिंग

क्रम सं.	संविदा का ढंग	ट्रेन सं.	अनुबंध की अवधि	नीलामी शुरु होने की तिथि व समय
1	एसएलआर की लीजिंग	12747(एफएसएलआर1,एफएसएलआर2 एवं आरएसएलआर1	2 वर्ष	19-09-2022 के 14.30 बजे
2		17239(एफएसएलआर1,एफएसएलआर2 एवं आरएसएलआर1	2 वर्ष	19-09-2022 के 14.30 बजे
3		17201(एफएसएलआर1,एफएसएलआर2 एवं आरएसएलआर1	2 वर्ष	19-09-2022 के 14.30 बजे
4		172626(एफएसएलआर1,एफएसएलआर2 एवं आरएसएलआर1	2 वर्ष	19-09-2022 के 14.30 बजे
5		17251(एफएसएलआर1 व आरएसएलआर1)	2 वर्ष	19-09-2022 के 14.30 बजे
6		17243(एफएसएलआर1)	2 वर्ष	19-09-2022 के 14.30 बजे
7		17205(एफएसएलआर1 व आरएसएलआर1)	2 वर्ष	19-09-2022 के 14.30 बजे

निविदाकर्ता का यह उत्तरदायित्व है कि,वे डिजीटल सिग्निचर सर्टिफिकेट प्राप्त करें तथा ई-निविदा में भाग लेने के लिए अपने आपको आयआरइपीएस ई आक्शन लीजिंग इन पर रजिस्टर करें। वेबसाइटः www.ireps.gov.in पोर्टल के मैन्युएल मार्गनिर्देशन के तहत आयआरइपीएस पोर्टल द्वारा ई आक्शन लीजिंग में पंजीकरण तथा सहभागिता के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश उपलब्ध हैं। इस संबंध में जब कभी भी बुलाने पर निविदादाता द्वारा अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में तत्संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। यदि निविदा से संबंधित भुगतान या आवश्यक दस्तावेजों की अपलोडिंग के दौरान आयआरईपीएस पोर्टल में कोई तकनीकी रुकावट पैदा होने की स्थिति में रेल प्रशासन कतई जिम्मेदार नहीं होगा। निविदा प्रपत्र के निर्धारित नियम शर्तों के नुसार इसे भरा न जाने पर ऐसी निविदाओं को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा। उपरोक्त निविदा का पूरा विवरण, वेबसाइटः www.ireps.gov.in के ई-नीलामी मोड्यूल में उपलब्ध है।

A1048

वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटूर

बदायूं की मस्जिद पर ज्ञानवापी जैसा दावा

हिंदू पक्ष ने कहा- महादेव का मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई, कोर्ट ने याचिका स्वीकार की

बदायूं, 3 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद के बाद बदायूं की जामा मस्जिद में नीलकंठ महादेव मंदिर होने का दावा किया गया है। अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने शुक्रवार को बदायूं सिविल कोर्ट में इसे लेकर याचिका दाखिल की है। कोर्ट ने याचिका सुनवाई के लिए स्वीकार भी कर ली है। इस पर सुनवाई 15 सितंबर को होगी।

कोर्ट ने जामा मस्जिद इंतजामिया समिति, सुन्नी वक्फ बोर्ड, पुरातत्व विभाग, केंद्र सरकार, यूपी सरकार, बदायूं जिला मजिस्ट्रेट और प्रमुख सचिव को जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। इस मामले में मुस्लिम पक्ष के वकील का कहना है कि हिंदू पक्ष के पास याचिका के समर्थन में कोई सबूत नहीं हैं।

हिंदू पक्ष का दावा- नीलकंठ महादेव मंदिर को ध्वस्त करके मस्जिद बनाई

उन्होंने दावा किया, बदायूं की जामा मस्जिद परिसर हिंदू राजा

महीपाल का किला था। मस्जिद की मौजूदा संरचना नीलकंठ महादेव के प्राचीन मंदिर को ध्वस्त करके बनाई गई है। साल 1175 में पाल वंशीय राजपूत राजा अजयपाल ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था।

मुगल शासक शमसुद्दीन अल्तमश ने इसे ध्वस्त करके जामिया मस्जिद बना दिया। यहां पहले नीलकंठ महादेव का मंदिर था।

हिंदू पक्ष के वकील बोले- गवर्नमेंट गजेटियर में इसके सबूत

हिंदू पक्ष के वकील वेद प्रकाश साहू ने बताया, गवर्नमेंट का गजेटियर साल 1986 में प्रकाशित हुआ था। इसमें अल्तमश ने मंदिर की प्रकृति बदलने का जिक्र किया है। याचिका में पहल पक्षकार भगवान नीलकंठ महादेव को बनाया गया है। साथ ही दावा करने वालों में मुकेश पटेल, वकील अरविंद परमार, ज्ञान प्रकाश, डॉ. अनुराग शर्मा और उमेश चंद्र शर्मा शामिल हैं।

मुस्लिम पक्ष ने कहा- मंदिर का कोई अस्तित्व नहीं है

इंतजामिया कमेटी के सदस्य असरार अहमद मुस्लिम पक्ष के वकील हैं। उन्होंने कहा, जामा मस्जिद शम्सी लगभग 840 साल पुरानी है। मस्जिद का निर्माण शमसुद्दीन अल्तमश ने करवाया था। कोई भी ऐसा गजेटियर नहीं है, जिसमें यह मेंशन हो कि यहां मंदिर था। यह मुस्लिम पक्ष की इबादतगाह है। यहां मंदिर का कोई अस्तित्व नहीं है। उन लोगों ने भी मंदिर के अस्तित्व का कोई कागज दाखिल नहीं किया है।

ज्ञानवापी मस्जिद का विवाद 1991 से कोर्ट में

वाराणसी में काशी-विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर सैकड़ों वर्षों से विवाद जारी है। माना जाता है कि 1699 में मुगल शासक औरंगजेब ने मूल काशी विश्वनाथ मंदिर को तुड़वाकर ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई थी। काशी विश्वनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप का निर्माण 1780 में इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने कराया था। यहां से मस्जिद को हटाए जाने को लेकर पहली याचिका 1991 में दाखिल हुई थी। पिछले साल 5 महिलाओं ने मस्जिद परिसर में रोजाना श्रृंगार गौरी देवी की पूजा करने की मांग वाली याचिका पर दायर की थी। इसके बाद जिला अदालत ने मस्जिद का सर्वे और वीडियोग्राफी कराए जाने का आदेश दिया था। इसके बाद यहां शिवलिंग नुमा पत्थर मिलने का दावा किया गया था। फिलहाल, सर्वे पूरा हो चुका है। इसकी रिपोर्ट भी कोर्ट को सौंपी जा चुकी है।

जदयू मुक्त मणिपुर पर जेडीयू ने बीजेपी को दिया करारा जवाब

विधायक तोड़ा है, वोट बैंक नहीं तोड़ सकते

पटना, 3 सितंबर (एजेंसियां)। पटना के कर्पूरी सभागार में जनता दल यूनाइटेड की तीन दिवसीय कार्यकारिणी की मीटिंग चल रही है। बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावे राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा समेत पार्टी के सभी महत्वपूर्ण नेता उपस्थित हैं। जानकारी मिल रही है कि पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक शुरू हो चुकी है, जबकि आज 3:45 बजे से राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होगी। मीटिंग में मणिपुर प्रकरण का मुद्दा भी चर्चा में है जहाँ बीजेपी ने जदयू के 5 विधायकों को तोड़कर अपनी पार्टी में शामिल कर लिया है। इस मसले पर जेडीयू के नेता अशोक चौधरी ने बीजेपी को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा है भाजपा ने हमारे विधायकों को तोड़ लिया है, लेकिन हमारे वोट बैंक को तोड़ने में उसे कभी कामयाबी नहीं मिलेगी। कर्पूरी सभागार के बाहर मीडिया कर्मियों

से बातचीत में अशोक चौधरी ने कहा की जब हम लोग गठबंधन में बीजेपी के साथ थे और उन्हें समर्थन दे रहे थे, तब हमारे विधायकों को तोड़ दिया। अब तो हम उनके खिलाफ में हैं। इसलिए बीजेपी का यह कदम चिंता का विषय नहीं है क्योंकि, मणिपुर में आज भी नीतीश कुमार की लोकप्रियता बरकरार है। यही वजह है कि पिछले चुनाव में मणिपुर में जेडीयू के छह विधायक चुने गए थे। चुनाव में पार्टी को 10% से ज्यादा वोट भी मिले थे। अशोक चौधरी ने दावा किया कि हम अपने वोट बैंक को मणिपुर में और सुदृढ़ करेंगे और भाजपा को जनता जवाब देगी। चर्चा है कि पटना की तीन दिवसीय मीटिंग में जदयू भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कोई बड़ी रणनीति बना सकती है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राष्ट्रीय स्तर पर सभी विपक्षी दलों के साथ मिलकर एकजुट एकजुटता बनाने का काम शुरू कर चुके हैं। इस योजना के तहत नीतीश कुमार 5 सितंबर को तीन दिवसीय दौरे पर दिल्ली जाने का प्रोग्राम बना रहे हैं।

जेल में बंद बाहुबली अनंत सिंह की तबीयत बिगड़ी

पीएमसीएच के आईसीयू में कराया गया भर्ती

पटना, 3 सितंबर (एजेंसियां)। पटना की बेऊर जेल में बंद बाहुबली नेता और पूर्व विधायक अनंत सिंह की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें शुक्रवार को पटना के पीएमसीएच में लाया गया, जहां आईसीयू में भर्ती कर उनका इलाज किया गया। बताया जा रहा है कि अनंत सिंह को सांस में तकलीफ की शिकायत थी। पहले जेल में ही उनका इलाज किया गया, लेकिन बाद में उन्हें पीएमसीएच भेज दिया गया। अनंत सिंह घर पर एके47 रखने समेत अन्य मामलों में सजा काट रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अनंत सिंह को गुरुवार रात को सांस में तकलीफ होने लगी। उन्हें बीते कई दिनों से कब्ज की भी शिकायत है। पहले ही जेल के डॉक्टरों ने ही उनका इलाज किया। बाद में बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि उन्हें शुक्रवार को कई घंटों तक आईसीयू में रखा गया। बताया जा रहा है कि अब उनकी

तबीयत में सुधार है।

मोकामा से आरजेडी विधायक रहे अनंत सिंह को पिछले दिनों एमपीएमएलए कोर्ट ने उनके पैतृक आवास से एके47 समेत अन्य प्रतिबंधित हथियार बरामद होने के मामले में 10 साल की सजा सुनाई। इसके बाद उन्हें पटना स्थित सरकारी आवास से इंसास राइफल, मैगजीन और बुलेट प्रूफ जैकेट बरामद होने के मामले में भी वे दोषी पाए गए थे। आपराधिक मामलों में सजा होने के बाद जुलाई में अनंत सिंह की सदस्यता भी रद्द कर दी गई थी।

मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा- पंजीरी बांटने वाली नहीं पढ़ाने वाली आंगनबाड़ी बनें

कानपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। आंगनबाड़ी केंद्र सुबह 8 से 12 बजे तक रोजाना खुलना चाहिए, क्योंकि अब इसे केवल पंजीरी बांटने के दिन नहीं खोलना है। बल्कि उसे स्कूल की तरह पढ़ाने के लिए रोज खोला जाना चाहिए। ये बातें शनिवार को बाल विकास पुष्टाहार मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कानपुर के बीएनएसडी शिक्षा निकेतन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के लिए आयोजित साड़ी वितरण समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि एक बार उन्होंने कुछ आंगनबाड़ी का औचक निरीक्षण किया जो सभी बंद मिली। उन्होंने कहा कि अब सभी केंद्र निर्धारित समय तक खुलनी चाहिए। प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि गांव में जल्द ही पोषण पंचायत आयोजित की जाएगी। इसमें कुपोषित और सुपोषित दोनों बच्चों की मां को आमने-सामने बैठाकर पोषण के फायदे बताए जाएंगे। समारोह में सीडीओ कानपुर नगर सुधीर कुमार ने सैम श्रेणी के सभी बच्चों को पोषण किट बांटे जाने की घोषणा की। कानपुर देहात की सीडीओ सौम्या पांडेय ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से पोषण से जुड़े भावी कार्यकमों के बारे में बताया।

मिशन 2024 के लिए सियासी टकराव भारी

नीतीश बोले- एक रहे तो जनता भी साथ

पटना, 3 सितंबर (एजेंसियां)। पटना में जदयू की तीन दिवसीय कार्यकारिणी की बैठक चल रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पार्टी पदाधिकारियों का आह्वान किया कि 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। सभी मतभेद भूल कर लोकसभा चुनाव के लिए काम करना है। उन्होंने कहा कि वे 2 दिनों बाद वे दिल्ली जाएंगे, विभिन्न दलों के नेताओं से उनकी बात होगी। उन्होंने यह भी कहा कि पहले से भी उनकी बात विभिन्न दलों के नेताओं से हो रही है। देशभर में विपक्ष को वे एकजुट करेंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि 2024 का रिजल्ट भाजपा के खिलाफ जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को जदयू राज्य कार्यकारिणी की बैठक में बोल रहे थे। बैठक में पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री उम्मीदवार के रूप में आगे आने की अपील भी की। बैठक में एनडीए से अलग होकर महागठबंधन सरकार बनाने के पार्टी के निर्णय को अच्छा कदम बताया गया। नीतीश कुमार 5 सितम्बर को दिल्ली जा रहे हैं। उनका यह तीन दिवसीय दिल्ली दौरा है जिसमें कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। नीतीश कुमार अन्य विपक्षी दलों के नेताओं से भी मिलेंगे। मिशन 2024 के तहत सभी विपक्षी दलों को बीजेपी के खिलाफ एकजुट करने के लिए नीतीश कुमार तीन दिन दिल्ली में बिताएंगे। उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी दल एक साथ हो गए तो जनता का भी समर्थन मिलेगा। एकसाथ होने पर 2024 में पूरा विपक्ष मिलकर भाजपा को सबक सिखा देगा।

1999 में हुई हत्या के मामले में पंजाब पुलिस की यूपी में दबिश, आरोपी महिला की मिली ये जानकारी

मणिपुर में जदयू में टूट के मामले में नीतीश कुमार ने कहा कि दूसरी पार्टी के विधायकों को तोड़ना गलत बात है। देश में इस समय लोकतांत्रिक मूल्यों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। 2024 में पूरा विपक्ष एकजुट रहा तो बहुत अच्छा निर्णय आएगा। 2024 का चुनावी रिजल्ट किसी हाल में भाजपा के खिलाफ ही जाएगा। लोकसभा चुनाव तक भाजपा का रवैया हम लोगों के प्रति ठीक रहा, उसके बाद बीजेपी षड्यंत्र में लग गयी।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में मिल रहे डेंगू के मरीज

प्रयागराज में अब तक मिले 15 मरीज, स्वास्थ्य विभाग ने क्षेत्रों में भेजी टीम

प्रयागराज, 3 सितंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर कम होने के बाद लोगों को बाढ़ से कुछ राहत मिली है। हालांकि बाढ़ प्रभावित इलाकों में रहने वालों के लिए नई मुसीबत आ गई है। यहां डेंगू समेत अन्य संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ गया है। जिला मलेरिया विभाग के रिकॉर्ड के मुताबिक, अभी तक 15 डेंगू के मरीज मिल चुके हैं। इसमें 12 लोग स्वस्थ भी हो चुके हैं, बाकी तीन मरीज ऐसे हैं जिन्हें भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।

किसी भी डेंगू संक्रमित मरीज की मौत नहीं हुई है। छोटा बघाड़ा, राजापुर, सलोरी, शंकरघाट, म्योराबाद, राजापुर, अशोकनगर में डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा ज्यादा हो गया है। गुरुवार और शुक्रवार को जो दो मरीज डेंगू के मिले हैं, वह अशोकनगर के रहने वाले हैं। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ.आनंद सिंह ने बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में दवा के छिड़काव के लिए अलग-अलग क्षेत्रों के लिए टीमें लगाई गई हैं। इनमें भी डेंगू के लक्षण मिल रहे हैं। उन्हें चिह्नित कर एलाइजा टेस्ट कराया जा रहा है। अभी तक 15 डेंगू के मरीज मिले हैं।

उन्होंने बताया कि डेंगू का मच्छर दिन में काटता है। वहीं सुबह और शाम के समय मलेरिया का मच्छर। इसलिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में रह रहे लोग पूरी आस्तीन के कपड़े जरूर पहनें।

जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि विशेष तौर पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों से अपील की है, वह जलजनित बीमारियों से बचाव पर विशेष ध्यान दें। मच्छरों को नियंत्रित करने और इससे बचने को लेकर जितनी सावधानी अपनाई जाएगी।

हर शख्स तक पहुंचना चाहिए सरकारी योजनाओं का लाभ

सीएम योगी का अधिकारियों को निर्देश

मुरादाबाद, 3 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधि और पदाधिकारियों के साथ बैठक की। मंडलीय समीक्षा बैठक में अफसरों को निर्देश देते हुए सीएम योगी ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाया जाए। उन्होंने बैठक में कहा कि कोई भी पात्र ऐसा नहीं रहना चाहिए जिसको योजना का लाभ ना मिला हो। इस दौरान सीएम ने प्रधानमंत्री आवास, उज्जवला मनरेगा बिजली विभाग की योजनाओं समेत कई विभागीय योजनाओं की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री योगी ने दिए निर्देश इसी महीने आएगी इंटीग्रेटेड टाउनशिप की नई नीति

लखनऊ, 3 सितंबर (एजेंसियां)। अगले साल प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट को देखते हुए सरकार इंटीग्रेटेड टाउनशिप के लिए नई नीति तैयार करा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए नई नीति को और व्यावहारिक बनाते हुए इसे चालू माह के अंत तक हर हाल में तैयार करने के निर्देश दिए। वे विकास प्राधिकरणों की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शहरीकरण को बढ़ाने पर जोर दिया। कहा, इस लक्ष्य को हासिल करने में विकास प्राधिकरणों की अहम भूमिका है। इसलिए सभी विकास प्राधिकरणों को शहरी विकास में नवाचार, निवेश, रोजगार सृजन और तकनीक पर विशेष ध्यान देना होगा। शहरी क्षेत्रों में सरकारी या निजी भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों पर सख्ती करने और इससे संबंधित शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। गरीबों की जमीन पर दबंगों के कब्जे को प्राथमिकता से हटवाएं।

भैंस को साथ लेकर टिकट मांगने तेजस्वी यादव के पास पहुंच गए राजद नेता

पटना, 3 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में जेडीयू-आरजेडी की सरकार बनने के बाद और तेजस्वी यादव के उप मुख्यमंत्री बनने के बाद आरजेडी के नेता बिहार के अलग-अलग जिलों से उन्हें बधाई देने के लिए पटना पहुंच रहे हैं।

इसी क्रम में शुक्रवार को तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री पद संभालने के लिए बधाई देने के लिए एक आरजेडी के नेता भैंस लेकर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने खुद को 2024 के लिए भावी प्रत्याशी भी बताया।

बिहार के हाजीपुर जिले के आरजेडी नेता सुभाष गोप शुक्रवार को तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री पद संभालने पर बधाई देने के लिए पटना पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ कार्यकर्ता भी आए हुए थे। सबसे अनोखी बात यह थी कि आरजेडी नेता अपने साथ एक भैंस लेकर पहुंचे थे, इस कारण वह सुर्खियों में छा गए। उन्होंने दावा किया कि अग्निवीर योजना के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भी वह भैंस लेकर डाकबंगले पर प्रदर्शन करने के लिए पहुंचे थे।

इस दौरान आरजेडी नेता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह आरजेडी के वरिष्ठ नेता हैं। सुभाष गोप ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "मैं आरजेडी का वरिष्ठ नेता हूं और तेजस्वी यादव और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई देने के लिए आया हूं। मैं 2015 और 2020 का विधानसभा चुनाव लड़ चुका हूं। 2024 का लोकसभा या फिर 2025 के विधानसभा के टिकट की दावेदारी के लिए मैं आया हूं। अगर टिकट नहीं मिलता है तो निर्दलीय ताल ठोकूंगा। मैं चाहता हूं कि लोकसभा में वैशाली से या विधानसभा चुनाव का टिकट मिले।"

बता दें कि जबसे तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री का पद संभाला है, उसके बाद से ही वह काफी एक्टिव नजर आ रहे हैं और बीजेपी पर निशाना भी साध रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा था, "लगभग 1000 से ऊपर बीजेपी के विधायक हैं और 300 से भी ज्यादा सांसद हैं, किसी एक के घर भी छापा पड़ा? मतलब बीजेपी में जो लोग हैं वो दूध के धुले हैं क्या? जो बीजेपी में जाता है वो दूध का धुला हो जाता है।"

बिहार में कुछ दिन पहले आरजेडी के नेताओं और सांसदों के घर ईडी ने छापेमारी की थी और इस छापेमारी को तेजस्वी यादव से जोड़ा गया था।

इसके बाद तेजस्वी यादव ने सफाई देते हुए कहा था कि यह छापेमारी सिर्फ उनकी छवि को धूमिल करने के लिए की जा रही है।

बीजेपी विधायक सरवन निषाद को मिली जान से मारने की धमकी

गोरखपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के चौरीचौरा से भाजपा विधायक सरवन निषाद को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी जेल से दी गई। विधायक ने सोशल मीडिया पर इस बारे में पोस्ट किया है। सरवन निषाद 'निषाद पार्टी' के राष्ट्रीय अध्यक्ष व योगी सरकार में मंत्री डॉ संजय निषाद के बेटे हैं। बता दें कि चौरीचौरा सीट से भाजपा विधायक संगीता का टिकट इस बार काटकर सरवन निषाद को दिया गया था। संगीता 2017 में विधानसभा चुनाव बड़े अंतर से जीती थीं। इसके बाद भी उनका टिकट काट दिया गया। गोरखपुर में विधानसभा की नौ सीटें हैं। भाजपा का इनमें से एक सीट निषाद पार्टी को देने का समझौता हुआ था। ऐसे में चौरीचौरा विधानसभा सीट निषाद पार्टी को मिली थी। वहीं चुनाव के बाद जब परिणाम आया तो सभी चौंक गए। चौरी चौरा विधानसभा सीट से सरवन निषाद ने विपक्षी को बंपर वोट से हरा दिया। उन्हें कुलल 76715 वोट मिले जबकि विरोधी पार्टी सपा से बृजेश चंद्र लाल को मात्र 42 हजार वोट मिले थे।

जदयू-भाजपा में जुबानी जंग तेज

एक-दूसरे के लिए भ्रष्ट, दगाबाज उचक्के जैसे शब्द इस्तेमाल कर रहे नेता

पटना, 3 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में पिछले माह सत्तारूढ़ गठबंधन पलट के बाद जदयू और भाजपा नेताओं के बीच जबर्दस्त जुबानी जंग चल रही है। नेताओं पर तीखे हमलों के साथ ही पार्टी के नामों को लेकर भी वार-पलटवार चल रहे हैं। जदयू संसदीय दल के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाह ने भाजपा का मतलब 'भ्रष्ट जन पार्टी' बताते हुए आरोप लगाया है। वहीं, भाजपा नेता अरविंद कुमार सिंह ने जेडीयू का मतलब 'जालसाज, दगाबाज, उचक्का' पार्टी बताया।

कुशवाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने नाम लेकर आरोप लगाया कि भाजपा में शामिल होने के बाद कई नेताओं के भ्रष्टाचार के मामले बंद हो गए। कुशवाह ने इस सिलसिले में महाराष्ट्र भाजपा के नेता व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे का उदाहरण दिया। राणे कथित तौर पर महाराष्ट्र के आदर्श हाउसिंग सोसाइटी घोटाले में शामिल थे।

जदयू नेता कुशवाह ने इसके बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का नाम लिया। जिन पर भाजपा ने ही कथित तौर पर राज्य के पीडब्ल्यूडी घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया था। इसी तरह उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुकुल रॉय का जिक्र किया। रॉय कथित रूप से सारदा चिटफंड घोटाले में शामिल थे।

राजनीतिक गिरगिट है जदयू: अरविंद कुमार सिंह

कुशवाह के आरोप पर तत्काल पलटवार करते हुए भाजपा नेता अरविंद कुमार सिंह ने जदयू को 'राष्ट्रीय शकुनि और राजनीतिक गिरगिट' करार दे दिया। गठबंधन टूटने के बाद से दोनों दल एक दूसरे पर तीखे हमले कर रहे हैं। पिछले माह नीतीश कुमार ने भाजपा व एनडीए छोड़कर राजद का दामन थाम लिया और महागठबंधन के साथ नई सरकार बना ली है। उन्होंने आरोप लगाया कि जदयू सियासी मंथराओं से भरी पार्टी है। उधर, मणिपुर में बिहार के सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जदयू को बड़ा झटका लगा है। यहां जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के पांच विधायक शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। मणिपुर विधानसभा के सचिव के मेघजीत सिंह द्वारा जारी एक बयान में कहा कि मणिपुर में जदयू के पांच विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। जदयू ने इस साल मार्च में हुए विधानसभा चुनाव में 38 में से छह सीटों पर जीत हासिल की थी। भाजपा मणिपुर ने ट्विटर पर एक पत्र जारी किया है, जिसमें भाजपा में शामिल होने वाले जदयू विधायकों के नाम हैं। भाजपा में शामिल होने वाले विधायको में केएच जॉयकिशन, एन सनाते, मोहम्मद अछबउद्दीन, पूर्व पुलिस महानिदेशक ए एम खाउटे और थांगजाम अरूणकुमार शामिल हैं। इस बीच, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'भ्रष्ट लोगों को बचाने के लिए ध्रुवीकरण' के तंज को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी पर शुक्रवार को निशाना साधा। कहा, वह क्या बोलते हैं, मैं इस पर ध्यान नहीं देता। साथ ही कहा कि वह पीएम पद की दौड़ में नहीं हैं।

जेडीयू की टूट पर जीतनराम मांझी की बीजेपी को चुनौती-विधायकों को डराकर नहीं

इस्तीफा दिलाकर चुनाव लड़ाएं

पटना, 3 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने मणिपुर में जेडीयू विधायकों के दल बदलने को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने बीजेपी को चुनौती दी है कि वह विधायकों को डरा-धमकाकर अपने खेमे में न करे, बल्कि उनसे इस्तीफा दिलाकर चुनावी मैदान में उतारे। उसके बाद जनता खुद ही तय कर देगी कि कौन किसके साथ है। बता दें कि एक दिन पहले पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में जेडीयू के 6 में से 5 विधायकों ने बीजेपी का दामन थाम लिया था।

बिहार महागठबंधन में शामिल हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (एचएएम) के मुखिया जीतनराम मांझी ने इस मुद्दे को लेकर बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि आप किसी दल के विधायक को डरा कर, समझा-बुझाकर, लालच देकर या ब्लैकमेल कर अपने साथ ले सकते हैं, लेकिन उससे जनादेश आपके साथ नहीं जा सकता। अगर सच में आप सिद्धांत की बात करतें हैं तो उन विधायकों से इस्तीफा दिलाकर उन्हें चुनावी मैदान में भेजिए। जनता तय कर देगी कि वह किनके साथ हैं। बता दें कि मणिपुर में शुक्रवार को जेडीयू के 6 में से 5 विधायकों ने बीजेपी की सदस्यता ली।

डिप्टी सीएम मौर्य ने सपा पर लगाए आरोप

कहा- पिछली सरकार के दौरान भर्तियों में होता था भ्रष्टाचार

लखनऊ, 3 सितंबर (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट किया कि सपा को कानून व्यवस्था और शिक्षा पर बोलने का नैतिक आधार नहीं है। यूपी की छवि के सपा सरकार में पूरे विश्व में खराब हुई थी। सपा नेताओं के बयान सभ्य समाज को शर्मिंदा करने का काम करते थे। वही पिछली सरकार में भर्तियों में रिकॉर्ड भ्रष्टाचार होता था जिसे जनता कभी नहीं भुला सकती।

सपा ने ट्वीट किया था कि बीजेपी सरकार में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह बर्बाद हो गया है। मिशन कायाकल्प के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं लेकिन सरकारी स्कूल के हालात में कोई सुधार नहीं हुआ है। शिक्षकों के कई पद खाली है, लेकिन बीजेपी सरकार केवल वादों के सहारे अपने दिन काट रही है।

सपा ने आगे कहा कि बीजेपी सरकार में बच्चों के पास स्कूल ड्रेस और जूते नहीं हैं। अभी तक स्कूलों में बच्चों को पढ़ने के लिए किताबें नहीं बटी हैं। ऐसे में बच्चें कैसे पढ़ाई कर पाएंगे।

हालांकि इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि राज्य के 11 हजार प्राथमिक विद्यालय पीपीपी मॉडल के तहत पूंजीपतियों को देने की योजना बनाई जा रही है। ऐसे में गरीब तबके के बच्चें कहा पढ़ाई करेंगे।

पशु तस्करों ने एसपी नार्थ की गाड़ी में मारी टक्कर, बाल-बाल बची जान

गोरखपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां शुक्रवार की देर रात लगभग 2 बजे एसपी नार्थ मनोज अवस्थी मेडिकल चौकी पर अपने सर्किल के थानेदारों की मीटिंग के लिए बैठे थे। मुखबिर की सूचना पर अकेले अपनी गाड़ी से पशु तस्करों का पीछा करते हुए पिपराइच की तरफ से बरगदही पहुंचे।

वहीं गुलरिहा थाना क्षेत्र के बरगदही गांव के पास गोरखपुर महराजगंज फोरलेन पर पशु तस्करों ने एसपी नार्थ व पीआरवी 0331 की गाड़ी पर टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिए। इसके बाद अपनी गाड़ी से एसपी नार्थ की गाड़ी में आगे, पीछे व साइड से भी टक्कर मारे। बीच-बीच में ईंट से भी हमला करते रहें। एसपी नार्थ ने किसी तरह गाड़ी से उतरकर अपनी जान बचाने में सफल रहें। एसएसपी गुलरिहा थाने पर पहुंचकर बैरिकेडिंग करवाई लेकिन बीच में पशु तस्कर भागने में सफल हो गए।

पिछले 50 सालों से गांव से ज्यादा बारिश शहर में

भोपाल की झीलें करवाती हैं ज्यादा बारिश; लैंड लॉक्ड ग्रामीण इलाकों में कम पानी गिरा

भोपाल, 3 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी में बीते 2 साल से ग्रामीण इलाकों की अपेक्षा मानसून जमकर मेहरबान है। साल 2021 में शहर में सबसे ज्यादा 40 इंच बारिश हुई थी, जबकि इस साल तो यह आंकड़ा 67 इंच तक पहुंच चुका है। भोपाल में 5 जगहों पर बारिश को मापने का सिस्टम है। दूसरे नंबर पर नबीबाग है। तीसरे नंबर पर बैरागढ़, कोलार और फिर बैरसिया का नंबर आता है। भोपाल सिटी करीब 50 साल से आसपास के इलाकों से औसत बारिश के मामले में भी नंबर वन बना हुआ है।

हाई लोकल एक्टिविटी, मानसून ब्रेक भी नहीं

मौसम विभाग के सीनियर साइंटिस्ट वेद प्रकाश ने बताया की बारिश के इस डिस्ट्रीब्यूशन की वजह भौगोलिक स्थिति और मानसून रेन पैटर्न होता है। इसके साथ ही ऐसे क्षेत्रों में अधिक बारिश होती है, जहां बड़े तालाब और बड़ी नदियां होती हैं। यह लोकल सिस्टम को बनाते हैं। ऐसे में कई बार स्ट्रांग सिस्टम नहीं होने से भी इन इलाकों में बारिश हो जाती है। यही कारण है कि बीते दो साल से भोपाल शहर में बैरागढ़ और बैरसिया से भी ज्यादा बारिश हो रही है।

नबीबाग में बारिश के लिए सिस्टम बनना जरुरी

नबीबाग का एरिया चारों तरफ से लैंड लॉक्ड है, यानी उसके आसपास कोई भी वाटर बॉडी नहीं है। इस इलाके में बारिश के लिए मानसून का स्ट्रांग सिस्टम बनना जरूरी है। इस साल भोपाल के आसपास लगातार बारिश होती रही। जून से जुलाई तक मानसून ट्रांजीशन पीरियड में लोकल एक्टिविटी यानि मानसून आने के पहले हल्की बारिश भी होती रही। परिस्थितियां अनुकूल होने के कारण नबीबाग में भी जमकर बारिश हुई। शहर के बाद नबीबाग में सबसे ज्यादा पानी गिरा।

बैरागढ़ मुख्य सेंटर

भोपाल जिले में सबसे पहले बारिश का सिस्टम बैरागढ़ में लगा था। यह भोपाल जिले का मुख्य केंद्र है। यहां की बारिश को जिले की बारिश माना जाता है। इसके बाद भोपाल शहर, बैरसिया, कोलार और नबीबाग में सिस्टम लगे। अब भोपाल में ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की जाने लगी है।

अब तक शहर में हुई सबसे ज्यादा बारिश

इस साल मानसून सीजन में (जुलाई से अब तक) के रेन फॉल रिकॉर्ड के अनुसार सबसे ज्यादा 72 इंच बारिश शहर में हुई। इसके बाद नबीबाग में 67 इंच बारिश दर्ज हुई है। तीसरे नंबर पर है बैरागढ़ एअरपोर्ट एरिया। यहां अब तक 65 मिमी बारिश हुई है। इसके बाद कोलार में 58 मिमी बारिश हुई। इस साल अब तक सबसे कम बारिश बैरसिया 53 मिमी बारिश ही हुई है।

मध्यप्रदेश में अब तक 39 इंच बारिश

मध्यप्रदेश में 1 जून से अब तक करीब 39 इंच बारिश हो चुकी है। यह सामान्य से 21% ज्यादा है। सामान्य तौर पर इस दौरान 32 इंच बारिश होती है। सबसे ज्यादा बारिश भोपाल में 65 इंच बारिश हो चुकी है। यह सामान्य से 97% ज्यादा है। अभी तक सामान्य तौर पर औसतन 33 इंच बारिश होना चाहिए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह	में	सिंह...	04-52 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	में	कन्या	06-59 बजे
मंगल	वृष	में	तुला -	09-04 बजे
बुध-	कन्या	में	वृश्चिक	11-14 बजे
गुरु-	मीन	में	धनु---	13-28 बजे
शुक्र-	सिंह	में	मकर-	15-34 बजे
शनि-	मकर	में	कुंभ -	17-25 बजे
राहु-	मेष	में	मीन...	19-02 बजे
केतु-	तुला	में	मेष--	20-38 बजे
			वृष--	22-23 बजे
			मिथुन..	00-24 बजे
			कर्क...	02-27 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल-पश्चिम -पान खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - **10-40** तक उपरान्त, नवमी
मास - भाद्रपद शुक्ल पक्ष ,रविवार, **04 Sep**
नक्षत्र -ज्येष्ठा - **21 -42** - तक उपरान्त, मूल
योग - विष्कुंभ **-14- 22** - तक उप- प्रीति
करण- बव..... **10 -40** - तक,उप- बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - श्री दधीचि ज.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:54 से 18:26 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:06 - 07:37	अशुभ	शुभ	18:26 - 19:54	शुभ
चंचल	07:37 - 09:09	शुभ	अमृत	19:54 - 21:21	शुभ
लाभ	09:09 - 10:42	शुभ	चंचल	21:21 - 22:48	शुभ
अमृत	10:42 - 12:15	शुभ	रोग	22:48 - 00:15	अशुभ
काल.	12:15 - 13:48	अशुभ	काल	00:15 - 01:42	अशुभ
शुभ.	13:48 - 15:21	शुभ	लाभ	01:42 - 03:09	शुभ
रोग	15:21 - 16:54	अशुभ	उत्पात	03:09 - 04:37	अशुभ
उत्पात	16:54 - 18:24	अशुभ	शुभ	04:37 - 06:06	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी। ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज आपका मूड बदलता रहेगा।आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे।फिर भी किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ङा)
ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें।आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा।घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं।

कर्क (डी डू डे डो डा डी डू डे डो)
आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे।आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे। हालांकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे।छात्रवृति भी मिल सकती है।कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है,प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें।देखा जाए तो आपको अपने दिमाग को लचीली स्थिति में रखना चाहिए

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा। यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और व: आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा।लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा।वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं। इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है। आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं।अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें। आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है। हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं। आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें।

मकर (भे वा जी खी खू खे खो गा गी)
आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी। हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें। आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नहीं मिलेगा।

कुंभ (गू गे गो सा शी सू से सो दा)
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है।अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें।अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें ,अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा।आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा। आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

सात को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे आप विधायक

ऑपरेशन लोटस' की जांच की करेंगे मांग

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकारों को गिराने के लिए भाजपा पर ऑपरेशन लोटस चलाने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी के विधायक सात सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे। इस दौरान वह राष्ट्रपति से मामले की जांच कराने की मांग करेंगे।

बताते चलें कि आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि दिल्ली में उनकी सरकार गिराने के लिए ऑपरेशन लोटस चलाया गया, जिसमें विधायकों को 20-20 करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया था।

आप विधायक आतिशी ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सात सितंबर को मिलने का समय दिया है। विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल उनसे मुलाकात करने जाएगा। हम उनसे ऑपरेशन लोटस के जांच की मांग करेंगे।

पार्टी का कहना है कि ऑपरेशन लोटस के जरिए दूसरे राज्यों में जहां भाजपा की सरकार नहीं है वहां उसे

गिराया जा रहा है। विधायकों को खरीदकर सरकारें गिराई जा रही हैं। महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक समेत कई राज्यों में यही हुआ।

दिल्ली में यही करने की कोशिश थी लेकिन यहां सफल नहीं हो पाया। पार्टी का यह भी आरोप है कि देश में ऑपरेशन लोटस के तहत 277 विधायक खरीदे गए जिसके लिए 6300 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

भाजपा विधायक भी राष्ट्रपति से मिलेंगे

दिल्ली में भाजपा और आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के बीच जारी सियासी लड़ाई अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दरवाजे तक पहुंचने वाली है। भाजपा विधायक 6 सितंबर को राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात कर अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली दिल्ली सरकार को उसके मंत्रियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों सहित कई मुद्दों पर बर्खास्त करने की मांग करेंगे।

आप ने एलजी का अपमान किया है:भाजपा

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शुक्रवार को कहा कि 'आप' सरकार ने उपराज्यपाल वी.के। सक्सेना का भी अपमान किया है।

उन्होंने मांग की कि उपराज्यपाल के खिलाफ अभद्र भाषा के इस्तेमाल के साथ-साथ उन्हें भेजी गई फाइलों पर मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर भी नहीं हैं। कैबिनेट की बैठक के बाद उन्हें कैबिनेट नोट भेजे जाते हैं। इन सभी अवैध गतिविधियों को देखते हुए इस सरकार को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए।

बिधूड़ी ने कहा कि विधायक छह सितंबर को राष्ट्रपति से मिलेंगे और 'आप' सरकार को बर्खास्त करने की मांग करेंगे।

हिन्दुत्व बनाम इस्लाम चाहते हैं यति नरसिंहानंद गिरी, मुस्लिम धर्मगुरुओं से शास्त्रार्थ करने की चुनौती

हरिद्वार, 3 सितंबर (एजेंसियां)। जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने मुस्लिम मौलानाओं से सार्वजनिक शास्त्रार्थ करने की खुली चुनौती दी है। वह 25 से 27 दिसंबर तक सर्वानंद घाट पर मुस्लिम मौलानाओं से सार्वजनिक शास्त्रार्थ करेंगे। यति ने मुस्लिम धर्मगुरुओं को आमंत्रित किया है। यति ने यह जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। उन्होंने बताया कि लखनऊ निवासी योगी सरोजनाथ आयोजन के मुख्य संयोजक होंगे। यति नरसहिानंद ने अब हरिद्वार में सार्वजनिक शास्त्रार्थ करने की घोषणा की है। कहा कि 25 दिसंबर से होने वाले तीन दिवसीय आयोजन का सोशल मीडिया और अन्य साधनों से विश्व में प्रसारण किया जाएगा।

हरिद्वार में बहुत से ऐसे धर्मगुरु हैं जो बड़े बड़े मौलानाओ के मित्र समझे जाते हैं। आयोजन में मौलानाओं को आमंत्रित करने के लिए सबकी मदद ली जाएगी। स्वामी यति नरसिंहानंद प्रेस को जारी बयान में कहा कि मुस्लिम मौलानाओं के साथ सार्वजनिक शास्त्रार्थ के माध्यम से लव जिहाद, सरि तन से जुदा, गो हत्या, मठ मंदिर विध्वंस और गजवा-ए हिन्द की सच्चाई को समझने का प्रयास करेंगे। मालूम हो कि इससे पहले यति 2021 में उत्तरी हरिद्वार के खड़खड़ी स्थित वेद निकेतन में ही दिसंबर धर्मसंसद कर चुके है। यति ने बताया कि सभी मुस्लिम धर्मगुरुओं को पत्र लिखकर आमंत्रित करेंगे। हरिद्वार में आयोजित धर्म संसद के दौरान हेट स्पीच ममाले में संसद के कोर कमेटी के सदस्य महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जेल जा चुक हैं। भड़काऊ भाषण में इससे पहले जितेंद्र त्यागी उर्फ वसीम रिजवी को भी गिरफ्तार किया जा चुका था।

रामदास कदम का बड़ा बयान- शिंदे ने बचाई बाला साहब की शिवसेना

नहीं तो हो जाता भाजपा में विलय

मुंबई, 3 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना के बागी शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता रामदास कदम ने शनिवार को बड़ा बयान दिया। कदम ने कहा कि एकनाथ शिंदे के कारण बाला साहब ठाकरे की शिवसेना बच गई, वरना उद्धव व आदित्य ठाकरे को छोड़कर पूरी पार्टी का भाजपा में विलय हो जाता। कदम ने आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे पार्टी के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे के आदर्शों को मानने के बजाय राकांपा प्रमुख शरद पवार की बातों को मान रहे थे। असल में एकनाथ शिंदे के बागी तेवर के कारण ही महाराष्ट्र की सरकार बदली और उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़नी पड़ी। पूर्व मंत्री रामदास कदम ने आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे, इसलिए दोनों पिता पुत्र को छोड़कर पूरी शिवसेना भाजपा में जाने के लिए तैयारी थी।

उद्धव पर मराठा लोगों से नफरत का आरोप

शिंदे गुट के नेता रामदास कदम ने आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे मराठा लोगों से नफरत करते हैं। उन्होंने केवल मराठा नेताओं का इस्तेमाल किया। उन्हें आगे बढ़ने वाले मराठा नेता पसंद नहीं है। कदम ने कहा कि उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे जहां भी सभा करेंगे, वहां जाकर वे सभा करेंगे। उन्होंने

कहा कि असली देशद्रोही कौन है? असली धोखेबाज कौन है? लोगों को सच बताऊंगा। मैं हर जिले में जाऊंगा। मुझे तीन साल तक बोलने नहीं दिया गया। उद्धव ठाकरे खुद को मालिक और बाकी को नौकर समझते हैं। बालासाहेब सभी नेताओं से बात करते थे। चर्चा करते थे और तब निर्णय लेते थे।

पवार पर राकांपा विधायकों को करोड़ों देने का आरोप

कदम ने आरोप लगाया कि राकांपा नेता व तत्कालीन उप मुख्यमंत्री अजीत पवार सुबह सात बजे मंत्रालय में बैठ जाते थे। वहीं, राकांपा प्रमुख शरद पवार सुबह छह बजे से काम शुरू कर देते थे। उन्होंने मंत्रालय में बैठकर राकांपा के कई पूर्व विधायकों को करोड़ों रुपये का फंड दिया। पवार राकांपा का मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे।

उद्धव खुद को असुरक्षित मानते हैं

सीएम एकनाथ शिंदे के करीबी कदम ने ठाकरे पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि शिवसेना मुख्यालय 'मातोश्री' से मुझे हराने का आदेश दिया गया था। वक्त आने पर मैं उस नेता का नाम भी उजागर करूंगा तो भूकंप आ जाएगा। कदम ने उद्धव ठाकरे पर असुरक्षित महसूस करने का आरोप लगाया।

बाला साहब की पीठ में खंजर घोंपा

कदम ने कहा कि आज बाला साहब के विचारों पर सही मायनों में एकनाथ शिंदे चल रहे हैं, वहीं, उद्धव ठाकरे तो पवार के विचारों पर चल रहे हैं। बाला साहब के विचारों से बेईमानी करने और उनकी पीठ में खंजर घोपने का काम उद्धव ठाकरे ने किया है। मुझे लगता है इस मामले में शिंदे और मेरे विचारों में कोई अंतर नहीं है।

शख्स का दावा- कोविशील्ड से हुई बेटी की मौत

बॉम्बे एचसी ने भारत सरकार, बिल गेट्स, एसआईआई को भेजा नोटिस

मुंबई, 3 सितंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने भारत सरकार, सीरम इंस्टीट्यूट, बिल गेट्स, एम्स के निदेशक, डीसीजीआई प्रमुख और अन्य को दिलीप लुनावत नाम के एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें उसने कोविशील्ड वैक्सीन लेने के बाद अपनी बेटी स्नेहल लुनावत की मौत के लिए मुआवजे के रूप में 1000 करोड़ रुपये की मांग की है। औरंगाबाद निवासी याचिकाकर्ता दिलीप लुनावत ने दावा किया है कि उनकी बेटी स्नेहल लुनावत, एक मेडिकल छात्रा होने के कारण, पिछले साल 28 जनवरी को नासिक में अपने कॉलेज में कोविड रोधी टीका लेने के लिए मजबूर हुईं, क्योंकि वह हेल्थ वर्कर की श्रेणी में आई थीं। स्नेहल महाराष्ट्र के धमनगांव में एसएमबीटी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में डॉक्टर और सीनियर लेक्चरर थीं। याचिकाकर्ता पिता के मुताबिक, उनकी बेटी स्नेहल को कोविशील्ड वैक्सीन लगाया गया था, जिसे सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा विकसित किया गया है। याचिका में कहा गया है कि कुछ दिनों बाद, स्नेहल को तेज सिरदर्द और उल्टी हुई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनके मस्तिष्क में रक्तस्त्राव होने की बात कही। याचिकाकर्ता पिता ने यह दावा किया है कि उनकी बेटी की मृत्यु 1 मार्च, 2021 को टीके के दुष्प्रभाव के कारण हुई। याचिका 2 अक्टूबर, 2022 को केंद्र द्वारा टीकाकरण के प्रतिकूल प्रभावों से जुड़ी घटनाओं को लेकर प्रस्तुत एक रिपोर्ट पर निर्भर करती है। याचिकाकर्ता ने बिल गेट्स से भी जवाब मांगा है, जिनके 'बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन' ने कोविशील्ड वैक्सीन की 100 मिलियन डोज के प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के साथ भागीदारी की थी। याचिका के अनुसार, टीके के प्रतिकूल प्रभावों के कारण इसी तरह के समान मामलों में लुनावत ने 'अपनी बेटी और कई अन्य लोगों की हत्या की संभावना' जताई है, और अदालत से इस संबंध में न्याय की मांग की है।

करणी सेना के नगर मंत्री की सरेआम चाकुओं से गोदकर हत्या, बचाने आए दोस्त की हालत गंभीर

होशंगाबाद, 3 सितंबर (एजेंसियां)। नर्मदापुरम में इटारसी नगर पालिका के सामने शुक्रवार रात करणी सेना के नगर मंत्री की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। सूरजगंज रोड पर तीन बदमाशों ने रोहित सिंह राजपूत (28) और उनके दोस्त सचिन पटेल पर चाकू से हमला किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, जिनमें से किसी ने चाकूबाजी की घटना का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। बता दें कि घटना के बाद राजपूत करणी सेना के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में इटारसी पहुंचे। थाने के सामने शव रखकर करणी सेना ने हंगामा किया। कार्यकर्ता आरोपियों का जुलूस निकालने की मांग कर रहे हैं। साथ ही उनके मकानों को गिराने की मांग भी की। घटना रात करीब 8.30 बजे मुख्य बाजार एरिया की है। यहां पर राजपूत अपने दोस्त के साथ खड़े थे। इस दौरान बाइक से तीन लोग आए और विवाद करने लगे। अचानक इनमें से एक ने चाकू निकाला और राजपूत के पेट में घोंप दिया। उसने एक के बाद एक लगातार वार किए।

राजपूत का साथी बचाने दौड़ा, बदमाशों ने उस पर भी चाकू से हमला कर दिया। लोगों ने पुलिस को सूचना दी और जख्मी राजपूत और पटेल को अस्पताल लेकर पहुंचे। राजपूत की इलाज के दौरान रात में मौत हो गई। पटेल की हालत गंभीर है। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान और टीआई रामसनेही चौहान सरकारी अस्पताल पहुंचे। इटारसी थाना टीआई ने बताया, करणी सेना के नगर मंत्री रोहित सिंह राजपूत की हत्या पुराने विवाद को लेकर हुई। हत्या में मुख्य आरोपी रानू उर्फ राहुल पिता फूलसिंह ठाकुर (27) निवासी उत्तरी बंगलिया इटारसी है। रोहित सिंह और रानू ठाकुर का पुराना विवाद चल रहा था। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि शुक्रवार रात को चाय की दुकान पर थे।

झारखंड के विधायकों को ठहराने के कारण छत्तीसगढ़ में जल्द पड़ेंगे ईडी और आईटी के छापे, सीएम भूपेश बघेल का दावा

रायपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि उनके राज्य में भी जल्द ही प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) और आयकर (आईटी) विभाग के छापे पड़ते नजर आएंगे, क्योंकि झारखंड के सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायक रायपुर के पास एक रिसॉर्ट में ठहरे हुए हैं। राजधानी रायपुर में हेलीपैड पर पत्रकारों से बात करते हुए सीएम बघेल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि उसे लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के घटक दलों झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायकों को लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए रायपुर के बाहरी क्षेत्र में एक रिसॉर्ट में रखा गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को लोकतंत्र में यकीन नहीं है। झारखंड के (सत्तारूढ़ गठबंधन के) विधायक रायपुर में ठहरे हुए हैं और हमने उनका स्वागत किया है।

अब भाजपा इसका विरोध कर रही है। मेरे शुभचिंतकों ने मुझे सूचना दी है कि शीघ्र ही छत्तीसगढ़ में ईडी और आईटी के छापे पड़ने वाले हैं क्योंकि हमने झारखंड के विधायकों को यहां ठहरा रखा है। उन्होंने कहा कि झारखंड के विधायक कहीं भी जा सकते थे, लेकिन वे छत्तीसगढ़ आए। मुझे अच्छी तरह पता था कि यदि मैं उन्हें यहां ठहरने के लिए बुलाऊंगा तो राज्य पर ईडी और आईटी की कार्रवाई होगी, लेकिन यह लोकतंत्र की रक्षा के लिए जरूरी है। उधर, भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कार्यकर्ता शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे नया रायपुर में मेफेयर गोल्फ रिसॉर्ट के पास पहुंच गए,

जहां झारखंड के सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायक ठहरे हुए हैं, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया और कुछ देर के लिए हिरासत में लिया। इन भाजयुमो कार्यकर्ताओं के हाथों में पोस्टर थे जिन पर लिखा था, "अंकिता हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा है।" झारखंड के दुमका जिले में एक व्यक्ति ने बारहवीं कक्षा की छात्रा अंकिता को कथित रूप से आग लगा दी थी और उस छात्रा ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष अमित साहू ने कहा, "झारखंड में अराजकता है तथा कानून व्यवस्था चरमरा गई है। लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं, लेकिन सत्तारूढ़ संप्रग के विधायक रायपुर में पिकनिक मना रहे हैं। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने राज्य में मद्यनिषेध लागू करने का वादा किया था, लेकिन वह झारखंड के विधायकों को शराब परोस रही है।

मौत की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट के 30 दोषी, फैसले को दी चुनौती

अहमदाबाद, 3 सितंबर (एजेंसियां)। 2008 के सीरियल ब्लास्ट मामले में मौत की सजा पाने वाले 38 दोषियों में से 30 ने अपनी सजा को चुनौती देते हुए गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दोषियों ने याचिका में तर्क देते हुए कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर निर्भर मामले में मौत की सजा नहीं दी जा सकती है। न्यायमूर्ति वी एम पंचोली और न्यायमूर्ति ए पी ठाकर की पीठ ने शुक्रवार को इस अपील को स्वीकार कर लिया है। इस मामले में दोषियों ने वकील एम एम शेख

और खालिद शेख के माध्यम से अपनी याचिका दायर की और हाईकोर्ट से दोषसिद्धि और मौत की सजा के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। हालांकि हाईकोर्ट ने इनके अनुरोध को खारिज करते हुए एक अलग आवेदन दायर करने को कहा है।

अहमदाबाद-सूरत में हुए बम धमाकों में हुई थी 56 लोगों की मौत

यह मामला अहमदाबाद और सूरत में 26 जुलाई 2008 को हुए सीरियल बम धमाकों से जुड़ा है। जिसमें विशेष अदालत ने फरवरी में इन हमले को अंजाम देने के लिए 38 दोषियों को मौत की सजा और 11 अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इन ब्लास्ट में 56 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से ज्यादा घायल हुए थे। 180 से ज्यादा पेज की अपनी याचिका में दोषियों ने कहा कि अभियोजन का पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित था, जो स्वतंत्र रूप से और संयुक्त रूप से साबित नहीं हुआ था। याचिका में कहा गया है कि निचली अदालत ने पंचनामे, सीआरपीसी की धारा 164 के तहत एक सरकारी गवाह द्वारा दर्ज बयान, बाद में वापस लिए गए इकबालिया बयान और एक साथी द्वारा दिए गए सबूतों पर भरोसा किया। जब मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित था, तो निचली अदालत की ओर से मौत की सजा देना उचित नहीं था।

दिल का भंवर करे पुकार प्यार का राग सुनो : विजय आनंद

अतुल कुमार

कमर्शियल सिनेमा का टर्निंग पाइंट फिल्म " गाइड " के प्रदर्शित होने के बाद आया । यह फिल्म हिंदी और अंग्रेज़ी में बनी जिसमें अंग्रेज़ी की फिल्म फ्लाप हो गयी और हिंदी की " गाइड " भव्य सफल हुई ।आर के नारायण जिनके उपन्यास पर फिल्म बनी ने तो यहां तक कहा कि फिल्म मेरी किताब से भी ज़्यादा सुंदर है । "गाइड " के पोस्टरों पर छपा था " ए फिल्म बाय देवानंद " । फिल्म के गीत , संगीत ,नृत्य , सेट और कथा के प्रस्तुतिकरण पर जिस बारीकी से काम किया गया उसे एक शब्द में कहा जाए तो वह बेमिसाल है । आज भी " गाइड " का गीत संगीत कानों में मिस्री घोलते सुनायी देता है " कांटों से खींच के ये आंचल " " पिया तो से नैना लागे रे " " दिन ढल जाए हाय रात न जाए ' " गाता रहे मेरा दिल " और क्या से क्या हो गया बेवफा तेरे प्यार में " आदि को सुनें तो इमोशंस की मधुरता और लफ्ज़ों के स्पंदन का अलग एहसास होता है । फिल्म के सभी गानों को छप्पर फाड सफलता मिली । पहले फिल्म के गानों को लिखने का काम हसरत जयपुरी के पास था लेकिन बाद में इसकी ज़िम्मेदारी गीतकार शैलेंद्र को सौंपी गयी । यह चेंज फिल्म के डायरेक्टर के कहने के कारण हुआ जिसे देवानंद को मानना पडा । इन गीतों ने जो जगह बनायी वह हिंदी सिनेमा के कालजयी गाने बने जिनको सुनने ,गुनगुनाने ,और दोहराने के लिये गानों के रसिक अब भी बेताब रहते हैं यह फिल्म देवानंद की आइकानिक फिल्मों में से एक थी । जिसका निर्देशन उनके छोटे भाई विजय आनंद उर्फ गोल्डी ने किया जो ऐतिहासिक सिद्ध हुई ।

वास्तव में विजय आनंद के बारे में कम ही लोगों को पता है देवानंद के सुपर हिट कैरीयर में उनके छोटे भाई विजय आनंद का बडा योगदान रहा । उनका नाम भारतीय सिनेमा इतिहास के प्रसिद्ध फिल्म मेकर्स में आता है ।फिल्मकार होने के साथ साथ वह अच्छे अभिनेता भी थे जब वह कालेज में थे तब अपनी भाभी उमा आनंद के साथ मिलकर एक पटकथा लिखी इस पर आगे चल फिल्म बनी

जिसे दर्शक " टैक्सी ड्राइवर " के नाम से जानते हैं । निर्देशक के तौर पर उन्होंने ऐसा मुकाम हासिल किया जो आज भी बरकरार है ।फिल्म निर्देशन में कितने माहिर थे उसे इस तथ्य से जाना जा सकता है कि अपने कैरीयर की पहली फिल्म " नौ दो ग्यारह " की शूटिंग को केवल 40 दिनों में पूरा कर दिया । तब फिल्में 2-3 साल में पूरा हुआ करती थीं ।

यद्यपि वह एक अभिनेता ,पटकथा लेखक संपादक और निर्माता के रूप में प्रसिद्ध थे लेकिन उन्हें निर्देशक के रूप में याद किया जायेगा ।उनकी फिल्मों के स्टाइलिश गानों ने हर तरफ धूम मचायी " ओ हंसीना ज़ुल्फों वाली जाने जहां " "ओ मेरे सोना रे सोना दे दूंगी जान जुदा मत होना रे '(फिल्म : तीसरी मंज़िल) " आज फिर जीने की तमन्ना है , आज फिर मरने का इरादा है " (फिल्म : गाइड) और " होंठों में ऐसी बात जो दबा के चली आयी " (फिल्म : जेवेल थीफ) आदि को सुना और देखा जा सकता है । गानों के फिल्मांकन में वह बेजोड थे फिल्म " जानी मेरा नाम " के गीत " पल भर के लिये कोई हमें प्यार कर ले ,झूठा ही सही " को जिस नये , निराले और नटखट पन के साथ फिल्माया वह गीत पर्दे पर आते ही दर्शकों को आनंद से स्तब्ध कर देता । पलकों को झपकाये बिना वह गीत के फिल्मांकन को देखते । इस गीत के पिक्चराइसेशन ने उस वक्त निर्देशकों को सिखलाया कि गानों का इंपार्टेंस कितना महत्वपूर्ण होता है । गानों को इस तरह विसुअलाइस करना चैलेंजिंग होता है ।गीत के गायक किशोर कुमार थे तब उनकी लोकप्रियता उतनी नहीं थी जो बाद में हुई लेकिन विजय आनंद ने उनसे यह गीत गवा रिस्क लिया और सफल साबित हुए । अपने फिल्माए सभी गानों को नये स्वरूप में पेश किया जिसका आनंद आज भी सिने दर्शक लेते है ।

"जानी मेरा नाम " सातवें दशक की बेहतरीन रोमांटिक थ्रिलर्स में से एक थी जिसने कमाई के नये रिकार्ड स्थापित किये । यह पहली फिल्म थी जिसमें भाइयों के बचपन में बिछुडने का ट्रेंड शुरु हुआ । बाद में उस वक्त की फिल्मो का यह हिस्सा बना ।फिल्म की कसी हुई सक्रिप्ट और दिलचस्प घुमावदार मोड के बीच सुरीले गानों की जिस सिचुएशन को क्रियेट किया वह दर्शकों को बांधे रख फुल टाइम पास और पैसा वसूल सिद्ध हुई । देखने वालों ने इसे बार बार देखा क्योंकि इसमें दिलचस्पी के साथ इमोशन का शानदार रूप देखने को मिला फिल्म के गाने " ओ बाबुल प्यारे ओ रोये पायल की छम छम सिसके सांसों की सरगम निस दिन तुझे पुकारे मन " इतना ज़बर्दस्त हिट हुआ कि आज भी यह शादियों के पसंदीदा गानों मे एक है । इसी प्रकार " छुप छुप मीरा रोए " को भी दर्शकों ने पसंद किया । फिल्म में सभी कलाकारों की उम्दा अदाकारी को सिने प्रेमी भूले नहीं हैं । फिल्म की पटकथा को उस साल का फिल्म फेयर अवार्ड दिया गया ।

विजय आनंद ने अधिकांश फिल्में अपने होम प्रोडक्शन नवकेतन फिल्मस के लिये बनायीं उनकी एक्सेंलेट मूवीस में " तेरे घर के सामने " " गाइड " " जेवेल थीफ " " तीसरी मंज़िल "" जानी मेरा नाम "और" तेरे मेरे सपने " हैं । वे तीन भाई थे बडे भाई चेतन आनंद ,देवानंद और छोटे विजय आनंद । बतौर निर्देशक " छुपा रुस्तम " " कहींऔर चल " " काला बाज़ार " ब्लैक मेल " " राम बलराम " " राजपूत " " बुलेट " और " मैं तेरे लिये " बनायी ।शेष का उल्लेख ऊपर हो चुका है । फिल्म " काला बाज़ार " का गीत " खोया खोया चांद खुला आसमां आंखों में सारी रात जायेगी " जब भी कानों में पडता है तो माधुर्य का भरपूर आनंद देता है । इस गीत को निर्देशक विजय आनंद ने जिस मनमोहक अंदाज़ में फिल्माया वह देखते बनता है । अपनी फिल्मों के गानों के मामले में कोई समझौता नहीं किया सिचुएशन को ले गीतकार और संगीत निर्देशक के साथ कई कई दिन बैठते ।

फिल्म " ब्लैक मेल " के सदाबहार नग्मे " पल पल दिल के पास तुम रहती हो जीवन मीठी प्यास ये कहती हो" को हिंदी सिनेमा के सर्वाधिक सुने जाने वाले दस गानों में माना गया । इसका फिल्मांकन इतने दिलकश अंदाज़ में किया कि दर्शक गीत के साथ उसके फिल्मी रूप को देखने के लिये उत्सुक रहते हैं । यह गीत धर्मेंद्र और राखी पर पिक्चराइस किया गया । विजय आनंद ने अभिनेता के रूप में भी काम किया इसकी शुरुआत फिल्म " आगरा रोड " (सन 1957) से की ।उनकी सबसे यादगार भूमिकाएं फिल्म " काला बाज़ार " (सन 1960) "हकीकत " (सन 1964) "कोरा कागज़" (सन 1974) और " मैं तुलसी तेरे आंगन की " (सन 1978)जैसी यादगार फिल्मों में हैं इसके अलावा बिना गानों की फिल्म "चोर चोर " में भी काम किया । " डबल क्रास " "तेरे मेरे सपने " तथा "छुपा रुस्तम " में भी अभिनय किया ।

22 जनवरी 1934 को उनका जन्म गुरदास्पुर पंजाब में हुआ । वह मूल रूप से अंग्रेज़ी साहित्य के विद्यार्थी थे । सेंट ज़ेवीयर कालेज मुंबई से पढाई करते समय कई नाटकों की सक्रिप्ट लिखी और उन्हें मंचित किया । ग्रैजुएशन के बाद अंग्रेज़ी साहित्य में आगे पढना चाहते थे लेकिन तभी उन्हें फिल्म " नौ दो ग्यारह " (सन 1957) मिली जिसमें देवानंद नायक थे उस समय उनकी उम्र सिर्फ 22 वर्ष थी फिल्म को ले बहुत चर्चा हुई कि छोटी उम्र के युवक ने बनाया ।फिल्म के गानों ' "आंखों में क्या जी " " हम हैं राही प्यार के "और " आजा पंछी अकेला है " आदि को खूब सक्सेस मिली जो अभी तक बरकरार है ।फिल्म भी धडल्ले से चली ।विजय आनंद ने अपनी फिल्मों से सदा दर्शकों को नये तरीके से इंटरटेन किया और ऐसा किया कि वह दर्शकों के फेवरिट डायरेक्टर बने सन 1957 से 1975 तक फिल्म जगत में उनके नाम और काम की ख्याति ने झंडे गाडे ।

इस महान फिल्म मेकर ने अपनी फिल्मों से दर्शकों के दिलों पर राज किया वह जानते कि किस विषय वस्तु पर फिल्म को पसंद किया जायेगा अतः वह दर्शकों के निर्देशक कहलाए । व्यावसायिक सिनेमा के बेहतरीन बानक थे कभी अपनी हिट फिल्मों में से दुहराव नहीं होने दिया । उनकी यह बडी क्वालिटी थी केवल नाम भर से गोल्डी नहीं बल्कि अपने योगदान से भी गोल्डी (विजय) आनंद सिद्ध हुए आज ऐसे इंटरटेनर ,स्टोरी टेलर , सांग्स डायरेक्टर और यादों में घर कर जाने वाले निर्देशक कहां हैं !

मशीनी रूप से सब उपलब्ध है लेकिन आत्माहीन फिल्मों की कतार में वह सब नदारद है जिसे विजय आनंद अपने कल्पना लोक से खोज खोज ला परोसते क्योंकि वह कहते " दिल का भंवर करे पुकार प्यार का रोग सुनों " इस महान निर्देशक ने 23 फरवरी 2004 को दुनिया को अलविदा कहा ।विरासत के रूप में सुरीले गानों से भरी पूरी एक से एक उम्दा फिल्मों को छोड अमर हो गये ।अपने कला कौशल के वह वास्तविक विजय आनंद थे ।

काव्य कुंज

ख्वाब

टी तारासिंह
हैदराबाद

ख्वाब को ख्वाब होते सच नहीं होतें
इसके पिछे मत दौडना आंखो की निंद मत खोना
रातो के ख्वाब आंखो में नहीं सजते
कभी रूल कर कभी हसाकर चेहरे पर नूर ला देते
जिंदगी में एक दो पल मिल जाए खुशी के
उसे सवार कर सजा कर रख लेना
ख्वाबो से कभी बहक मत जाना
जिंदगी छोटी है ना देखना बडे ख्वाब
तेरा नाता है प्यार के बंधनों से रिश्तों से
तेरे बोलो मे अमृत छलकाना प्यार जोडना
जनमो के बंधन है अपनों का प्यार है
ख्वाब तेरे सच ना होते तो गम ना करना
तेरे ही बल पर हिम्मत पर जीना सिखा लेना
ख्वाब तो जिंदगी की सच्चाई नही है ।।

आचार्य देवो भव

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

तन को तो धोते हैं
अब मन को धो लो
प्रेम की ज्योत जगाकर
कृपा पात्र बन आओ
लालच में पाप भरा है
पुण्य का राह ढूंढ लाओ
मानव जाति भटका मन है
तन मन से चिंतन कर लो
सत्य का पालन करो
जीवन सार्थक बना लो
धर्म की रक्षा करो
कर्म फल की आशा छोड़ दो
अकेले आए हैं अकेले जाना है
उसके द्वार हर हिसाब देना है
अहंकार को त्याग दो
विधाता के घर मुक्ति पाओ।
हे आचार्य देवो भव
सद्गति मार्ग दिखला दो

भाव से मिलते भगवान

सविता राज,
मुजफ्फरपुर बिहार

भाव से मिलते भगवान,
आडंबर देखती दुनिया,
भगवान तो देखते
भक्त के भाव।
मानस में भाव है तो
कण कण में दिखे भगवान,
शबरी के जूठे बेर खाए,
राम बन जब
धरा पे आए भगवान।
देखा शबरी के मानस का भाव,
नहीं देखा जूठन उसका, नहीं मांगा कोई पकवान।
कृष्ण बन सुदामा के पांव पंखारे,
सुदामा के मन का भाव ही था,
जो भगवान भक्त से मिलने आए उसके द्वारे ।
पवित्र मन में चारों धाम,
आलय में प्रकट होती गंगा, अगर मन हो चंगा।
भटकते रहते तीर्थ स्थल,
जब मानस में भाव ही नहीं,
तो भगवान कहीं भी नहीं।
मानस में जब आया भाव,
तो स्व मानस में ही पाया भगवान।

पर्यावरण संरक्षण

-डॉ. माध्वी बोरसे!
रावतभाटा कोटा

अद्भुत सी सुंदरता है पर्यावरण में,
चलो हम भी लाए,
कुछ जिम्मेदारियां हमारे आचरण में,
क्यों फैला रखा है हमने
चारों तरफ प्रदूषण,
मानवता की भलाई के लिए
जरूरी है इसका संरक्षण।
चलो हम सब मिलकर करते हैं वृक्ष रोपण,
और फिर से महका देते हैं, सारा वातावरण,
इसका विनाश का कैसे बन सकते हैं हम कारण,
इसके बिना तो, समाप्त हे हमारा जीवन।
प्रकृति से ही तो है हमारा, घनिष्ठ संबंध,
इसके लिए बनाते हैं हम, और भी अधिनियम,
हमें यह देती है, वायु, जल, ऑक्सीजन व भोजन,
चलो हम सब मिलकर करते हैं, प्रदूषण पर नियंत्रण।
करते हैं हम सब मिलकर,
इस खूबसूरत सी प्रकृति को नमन,
इस प्रकृति में, हर पदार्थ शुद्ध हो,
चाहे वायु हो या चमन,
क्यों फैला रखा है हमने चारों तरफ प्रदूषण,
मानवता की भलाई के लिए जरूरी है इसका संरक्षण!
मानवता की भलाई के लिए जरूरी है इसका संरक्षण।

ग़ज़ल सा...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

सही को ग़लत,
ग़लत को सही कहा जा रहा था
जरूरत था तुम बोलते,
प्रसंग लिखा जा रहा था
तिश्नगी तन की बुझाओ
तो कोई बात बने
ग़ज़ल सा हम को भी गाओ तो कोई बात बने
कुछ अधूरे फैसले प्रियवर कुछ नादानी होती है
हर कहानी की प्रियवर यही निशानी होती है
कभी ये दूरियां मिटाओ तो कोई बात बने
ग़ज़ल सा हम को भी गाओ तो कोई बात बने
बहते अश्कों को प्रियवर मैंने गिरता छोड़ दिया
मैंने एहसासों..प्रियवर सिसकता छोड़ दिया
चलता ही रह गया, सदा दो तो कोई बात बने
ग़ज़ल सा हम को भी गाओ तो कोई बात बने
तुम्हारी बातों...स्वाद यादों में अच्छा लगता है
दिल पहुंचे दिल के जज्बात, अच्छा लगता है
करीब होठों के आओ तो कोई बात बने
ग़ज़ल सा हम को भी गाओ तो कोई बात बने

तुम ही मेरे सहारे

रेणुका अग्रवाल

जी रहे है लेकर तेरे इशारे है
जीवन में तुम ही मेरे सहारे है।
अश्कों में बह गये ग़म तमाम
बाहों में तेरी दोनों जहाँ हमारे है।
देख ले तो एक दूजे को तो
चमके चेहरे हमारे तुम्हारे है।
होगी जन्नत दुनिया सबके लिये
साथ तेरा हो तभी वारे न्यारे हैं।
कोई किसी का सगा नहीं लगे
कैसे कहते हम कि रिश्ते प्यारे हैं।
रिश्तेदारी निबाह दी हमने सबसे
अपनों ने कह दिया हम खारे हैं।
भटक रही थी तन्हा तूफां में *रेणू*
मिले तुम तो मिले किनारे है।

दर्पण

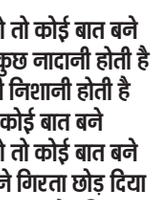

मुनीश भाटिया
कुरुक्षेत्र

अपनी शोहरत की
वाहवाही लूटने के
सियासी नशे से,
आ जाए गर बाहर तो
खुद अपने ही किरदार से
आँख न मिला पाएंगे !
हर लम्हा है इम्तहान यहाँ,
हक़ मान के रखा है जिन सांसों पर
पुरजोर अपना, लगाम उसकी रखी है थाम,
रब ने अपने हाथ !
अपने रूतबे का, पालो मत गुरुर अन्धा,
परवानगी रोशनी पर ही है मुमकिन जग में,
बुझी लौ से तो कोई उम्मीद करता नहीं !
आइना दिखाने का शौक, गज़ब का रखते हैं
यहाँ सब जहां में, दर्पण खुद का जब
हो सामने हक़ीकत से पर्दा उठ जाता है !

इंतकाम की आग मे, गुमशुदा हो जाती है
जिन्दगी तमाम, ना रहते जिसमें ज़ज्बात
और ना ही रहती कायम सांसो में रफ्तार !

रेगिस्तान के फूल

डॉ. संतोष पटेल
नई दिल्ली

नहीं होती कोई जमीन ऊसर
ना होती कोई भूमि बंजर
ना है कहीं भी नखलिस्तान
ना कोई कहीं मरुस्थल
ना कोई रेगिस्तान
होती है परिस्थितियां।
वैसे ही ना होता कोई विरक्त
ना ही होता कोई कठोर
ना होता कोई निष्ठुर
ना होता कोई क्रूर
ना होता कोई रूखा
होती हैं परिस्थितियां
जब भी चाहती है प्रकृति
खिल उठते हैं रेगिस्तान में फूल
फिर क्यों नहीं इंसान के दिलों में
खिल सकता है प्रेम पुष्प?
खिलेगा पुष्प मानव मन में भी
जब बदल लेगा मानव अपनी प्रकृति
जैसे संभालें रखता है रेगिस्तान
पुष्प के बीजों को सालों साल अपने आगोश में
वैसे हैं हम इंसानों को बचा कर रखनी होगी संवेदना
रखना होगा प्रेम, दया और करुणा
तब शुष्क मन में खिल उठेगा प्रेम पुष्प
और जैसे रेगिस्तान करता है अपने पुष्पों पर नाज
वैसे हमें होगा फक्र मानव होने पर।

आज का भारत

गजानन पाण्डेय

ये आज का भारत है
जो न झुकता है
दुश्मन की हर चाल पर
पैनी नजर रखता है।
युवाओं की शक्ति में,
वैज्ञानिकों की भक्ति में
देश का उत्कर्ष है
महिलाएं भी साथ हैं
हर तरफ भारत की बात है।
शिक्षा में संस्कृति है
खेलों में नयी नीति है ।
नव - भारत के सपनों की
यही तो आदर्श - नीति है ।

क्यों कि मैं नारी हूँ

डॉ. डी. डी.
देसाई

हाथ में छुरी हैं, पर लढ़ नहीं सकती,
मुँह में जबान हैं , पर बोल नहीं सकती,
इन्सान हो या सोच.... गिरी हुई है,
पर मैं पल्लु तक गिरा नहीं सकती,
क्यों कि..... मैं नारी हूँ ।
पढ़ी-लिखी हूँ.. पर सच बोल नहीं सकती
कमाती तो हूँ.. पर खर्च कर नहीं सकती,
बिस्तर पर पड़े – पड़े रोटियाँ तोड़ रहे हैं लोग
थकान में भी कभी मैं झपकी ले नहीं सकती
क्यों कि..... मैं नारी हूँ ।
सूरज से पहले जगना, चूल्हा – चौका करना,
घर सँवारना, आँगन सजाना,
सर्दी हो या गरमी, आँधी हो या तूफान
जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकती,
क्यों कि..... मैं नारी हूँ ।
नहीं.... अब ऐसा नहीं चलेगा,
मैं भी बॉर्डर पर लढ़ना चाहती हूँ ।
भाई – बहन, माता – पिता की रक्षा करूँ ।
है मुझमें भी हौसला जीत का –
क्यों कि..... मैं नारी हूँ ।
इन्सान को इन्सान बना दूँ ।
हैवान को मौत के घाट उतार दूँ ।
घर ही नहीं .... देश भी सम्भालूँ
हर काम करने की शक्ति हैं मुझमें
क्यों कि..... मैं नारी हूँ ।

गणपति आए हैं

ओमकार सडिवाल

गणपति बप्पा आए हैं,
साथ में खुशियां लाए हैं।
घर आंगन चमक उठा,
गदगद कर दमक उठा।।
बच्चों में खुशी की लहर आई है,
हर चेहरे पर खुशी छाई है।
हर गली में मंडप डाला है,
छत्रछाया गणेश की बनाई है।।
धूमधाम से बप्पा का स्वागत करेंगे,
ढोल बजा बजा कर साथ में लाएंगे।
अपने आंगन में बैठे होंगे वे,
अपने दिल पर राज करेंगे वे।।
सुबह शाम सेवा करेंगे,
लड्डु – मोदक का भोग लगाएंगे।
खुशियों के गीत सब मिल जाएंगे,
जयकारा सब मिलकर लगाएंगे।।
भेदभाव की जंजीर हम तोड़ेंगे,
एक पंडाल के छत तले हम सब आएंगे।
कोई ना भूखा रहे अन्नदान ऐसा करेंगे,
मिलजुल कर भोजन हम साथ करेंगे।।
आओ मिलकर जयकारा हम लगाते हैं,
गणपति बप्पा की ध्वनि गली में सुनाते हैं।

चलो साजन हम तुम वहां चलें

मोनिका राज
माधेपुरा, बिहार

पवन संग हम भी घूमें
गगन के संग हम भी झूमें
सागर संग हम भी लहराएं
खग संग मगन हम हों जाएं.
आ चले सजन होके फिर मगन
कहीं दूर चले इस जहां से हम
जहां न हो कोई ग़म की परछाई
जहां द्वेष की कोई हवा न हो.
एक दूजे में हम यूँ खोएं हो
कि फिर कोई रुसवाई न हो
हम पास रहें कुछ इतने कि
एक पल की भी न दूरी हो.
सावन के जहां झूले हो
जहां मेघ घने मतवाले हों
जहां वर्षा होती हो रिमझिम
जहां खुशबू का बसेरा हो.
चलो साजन हम तुम वहां चलें
जहां ग़म की कोई हवा न हो
जहां साथ रहे बस हम तुम ही
और खुशियों से भरा आशियाना हो.

समर्पित नागरिक, समृद्ध राष्ट्र

संजीव ठाकुर,
रायपुर

सर पर जिसके हिमालय का ताज,
क्यों न बने वह दुनिया का सरताज।
जहां गंगा जमुना
सरस्वती बहती हो निर्मल,
उसका तो आने वाला कल
होगा ही उज्जवल।
हर नौजवान और युवा है
जहां देशभक्त,
फिर कैसे ना हो उसकी सेना शक्तिशाली और सशक्त।
आओ समर्पित नागरिकों से बनाएं देश महान,
देश विरोधी अफवाहों पर नहीं देना कभी ध्यान।
जहां रहते हो विवेकानंद ,गांधी और सुभाष,
वहां बहती है चिंतन की गंगा,
दीप्त है ज्ञान का प्रकाश।
गलती ना करें दुश्मन इस देश को कम आंकने की,
प्रयास ना करें गलत इरादे से झांकने की।
देश महान था, है और अनंत काल तक रहेगा,
भारतवर्ष का वैभव अक्षुण है और सदा रहेगा ।
जय हिंद, जय भारत।

जिन्हें हम अपना कहते हैं

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

जिन्हें हम अपना कहते हैं
वहीं दामन झटकते हैं।
वह मेरे दिल के नालों को
जिगर से याद करते हैं
दूल्हा इतना किया हमने
उन्हें अपना बनाया था
वो मेरे दर्द के साथी
मुझे ही अब तो दर्द देते हैं
कभी अश्क बहते हैं
कभी रुसवा वह करते हैं
यह जिल्लत सहते सहते हम अभी से टूट जाते हैं
किसी को क्या कहे दिल की सभी को अपनी अपनी है
मोहब्बत जितनी गहरी है
ये अरमां उतने थोड़े हैं
जिन्हें हम अपना कहते हैं
वहीं दामन झटकते हैं
वह मेरे दिल के नालो को जिगर से शाद करते हैं ।।

हिन्दी दिवस

अजय-मिश्रा

ग़ुलामी की, हमने अंग्रेज़ों की
संविधान लिखा, हमने अंग्रेज़ी में
प्रावधान लिखा, हिन्दी के लिये,
राजभाषा का, देवनागरी लिपि में
अंकों का प्रयोग, अन्तरराष्ट्रीय रूप में,
न्याय भी होता है, आजतक अंग्रेज़ी में
१९४९ में, सितम्बर का महीना था
जब निर्णय हुआ, संविधान सभा का
१४ तिथि थी, जन्मदिन था ५०वाँ
मूर्धन्य साहित्यकार व्यौहार राजेन्द्र सिंह का,
प्रयास हुये कई, काका कालेलकर के,
हजारीप्रसाद द्विवेदी, सेठ गोविन्ददास के,
विरोध हुआ, अहिन्दी भाषी राष्ट्रों मे,
मनाया गया, पहला हिन्दी दिवस, १९५३ में,
होती हैं, आयोजित, प्रतियोगतायें कई,
हिन्दी निबंध लेखन, और काव्य गोष्ठी,
श्रुतलेखन, टंकण और वादविवाद की,
सम्मानित किये जाते हैं, हैन्दी प्रेरक कई,
पिछले पाँच दशकों से, मनाया जाता है,
हिन्दी सप्ताह भी, कई प्रदेशों में,
कई पर्वों की तरह, वर्ष में, एक बार ही,
आधिकारिक प्रयत्नों से अधिक प्रचार हुआ,
महाभारत और रामायण के प्रसारण से,
लोकप्रिय, फ़िल्मी गीतों के गुनगुनाने से
हों, जिस देश के संविधान में
२२ से अधिक राजभाषायें,
प्रदान करने होंगे, अवसर प्रगति के,
सरकारों को हर भाषाओं को,
समाज को भी मनाने चाहिये,
दिवस, हमारी कई भाषाओं के .....
दिवस, हमारी मात्रभाषाओं कें .....
गुलशन-ए-भारत में खिलने होंगें,
दो दर्जन भाषा-ए-पुष्पों की क्यारियाँ,
साहित्यों के संगम की खुशबू में,
चिड़ियों और तितलियों के बीच में,
अहसास होगा जन्नत का यहीं,
महसूस होगी, जन्नत भी यहीं....

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

जब कांग्रेस 'कामधेनु' थी, तब खूब दुहा

बडी पुरानी कहावत है कि जब जहाज डूबने लगता है तो सबसे पहले उसमें ही पल रहे चूहे भागना शुरू कर देते हैं। आजकल कांग्रेस में भी कुछ ऐसा ही चल रहा है। जब कांग्रेस दूध देती 'कामधेनु' थी, तो उसके आसपास मंडराने वालों नेताओं ने ही उसे सबसे ज्यादा दुहा। यहां तक कि इतना दूध पिया कि आज तक डकारें मार रहे हैं। खूब-खा पीकर ये अघाए नेता बीते कुछ वर्षों में जैसे ही कांग्रेस की नैया डगमगाने लगी उसमें से कूद कर चलती नाव में सवार होने को बेताब हो उठे। कुछ तो पहले ही कांग्रेस की नाम छोडकर बीजेपी की नाव में कूद पडे हैं कुछ अब जा रहे हैं तो आने वाले दिनों में कुछ और भी जा सकते हैं। मतलब पेड जैसे ही सूखता है उसके पक्षी भी आसियाना बदल लेते हैं,यही जग की रीति है। ताजा उदाहरण जम्मू कश्मीर के कांग्रेसी छत्रप रहे गुलाम नबी आजाद का है। बावन साल तक कांग्रेस की मुख्यधारा में रह कर राजकाज की हड्डी तक चूसने वाले आजाद अब सारा तोहमत शीर्ष नेतृत्व पर मढ़ कर पार्टी का दामन छोड चुके हैं। गुलाम जैसे तथाकथित बड़े-बड़े नेताओं का कांग्रेस से 'पलायन' शायद कुछ लोगों को अच्छा लगे, लेकिन सच यह है कि इस तरह के लोग ही देश के विकास को कहां और कब अवरुद्ध कर देंगे कहा नहीं जा सकता। अब समय आ गया है कि इस पर गहन चिंतन व अध्ययन की जरूरत है। यह तो जगजाहिर है कि मई 2014 से पहले तक कांग्रेस के पास देश की सबसे पुरानी और बडी पार्टी का तमगा था। तब इन्ही भगोडे नेताओं के चेहरे की चमक देखते ही बनती थी। आज बीच समुद्र में जब बिना पतवार के ही हिलते-डुलते डूबने की नौबत नजर आने लगी है तो वही चमकदार नेता अब कूद-कूद कर सत्ता के करीब पहुंचने लगे हैं। यह स्थिति आई क्यों, इस पर देश के बुद्धिजीवियों के साथ ही कांग्रेस के थिंक टैंक को भी गंभीरता से सोचने की जरूरत है। बहरहाल, गुलाम नबी आजाद के बाद जम्मू कश्मीर में कांग्रेस के 64 नेताओं ने भी कांग्रेस से इस्तीफा दे कर गुलाम के साथ जाना तय कर लिया है। इनमें पूर्व डिप्टी सीएम तारा चंद भी शामिल हैं।

मजेदार बात तो यह है कि जब भी कोई कांग्रेस से इस्तीफा देता है तो गांधी परिवार पर ही आरोप लगाकर पीठ दिखाता है। उनका एक ही रटारटाया वाक्य होता है कि उन्होंने पचास वर्ष तक इस पार्टी के लिए त्याग किया है, इसे खून-पसीने से सींचा है, और भी न जाने क्या-क्या किया है, लेकिन पार्टी ने, और विशेष रूप से गांधी परिवार ने उन्हें अपमानित किया और उचित सम्मान नहीं दिया? सवाल है कि पार्टी को सींचने वाले लोगों ने भी जमकर पार्टी का लाभ उठाया तो और कैसे सम्मान की जरूरत महसूस कर रहे थे। जितने में पीठ दिखाने वाले नेता कांग्रेस से गए हैं वे सभी किसी न किसी जिम्मेदार पद पर रहते हुए रातों रात इस्तीफा दिया है।

यदि पचास वर्ष तक पार्टी की सेवा करने के बाद भी आप अपने लिए गुरु द्रोणाचार्य जैसी जगह नहीं बना पाए तो दोष किसका है। किसने कहा था कि आप अर्जुन की ही तरह आज्ञाकारी शिष्य बनकर अपनी राजनीति करते रहें? उम्र के आखिरी पड़ाव पर आपको दिव्यज्ञान की प्राप्ति होती है और आप पिछला इतिहास भूलकर आरोप लगाने के घटिया खेल करने लगते हैं। इन प्रश्नों का उत्तर तो आप को ही देना होगा कि किस कमी की वजह से आप गुरु द्रोणाचार्य नहीं बन सके! इतना

पसीना बहाने के बाद भी आप पार्टी के नीति नियंता नहीं बन सके, जबकि पार्टी में रह कर सब सुख-समृद्धि भोगते रहे और जरा सी कमी क्या दिखी कि आप तो बिलबिला ही उठे तथा दल सहित व्यक्ति विशेष पर आरोप लगा कर रण को छोड कर चल दिए।

इसके पहले भी कई दिग्गज कांग्रेसी नेता पार्टी छोड कर अपनी पार्टी बनाई लेकिन कितनी सफलता मिली वह तो इतिहास में दर्ज होने लायक भी नहीं दिखाई देती। कभी कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे सी. राजगोपालाचारी ने वर्ष 1956 में पार्टी छोड़ दी थी। तमिलनाडु में कांग्रेस नेतृत्व से विवाद होने के बाद उन्होंने अलग होने का फैसला लिया था। रोजगोपालाचारी ने पार्टी छोड़ने के बाद इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक्स कांग्रेस पार्टी की स्थापना की, जो मद्रास तक ही सीमित रही। बाद में राजगोपालाचारी ने एनसी रंगा के साथ 1959 में स्वतंत्र पार्टी की स्थापना कर इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक्स पार्टी का उसमें विलय कर दिया। स्वतंत्र पार्टी का फोकस बिहार, राजस्थान, गुजरात, ओडिशा और मद्रास में ज्यादा था। वर्ष 1974 में स्वतंत्र पार्टी का विलय भी भारतीय क्रांति दल में हो गया था।

इसके अलावा वर्ष 1964 में केएम जॉर्ज ने केरल कांग्रेस नाम से नई पार्टी का गठन किया। हालांकि, बाद में इस पार्टी से निकले नेताओं ने अपनी सात अलग-अलग पार्टियां खड़ी कर लीं। वर्ष 1966 में कांग्रेस छोड़ने वाले हरेकृष्णा मेहताब ने ओडिशा जन कांग्रेस की स्थापना की। बाद में इसका विलय जनता पार्टी में हो गया। वर्ष 2014 में भाजपा की सरकार आने के बाद से अब तक कई दिग्गज और बड़े नेता कांग्रेस का साथ छोड़ चुके हैं। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्मस की रिपोर्ट के अनुसार, 2014 और 2021 के बीच हुए चुनावों के दौरान 222 चुनावी उम्मीदवारों ने कांग्रेस पार्टी छोड़ी, जबकि 177 सांसदों और विधायकों ने पार्टी को अलविदा कहा। इसके अलावा 2016 और 2020 के बीच दलबदल करने वाले लगभग 45 प्रतिशत विधायक भाजपा में शामिल हो गए थे। ऐसे में एक नजर उन नेताओं पर डालते हैं जो वर्ष 2014 से लेकर अबतक कांग्रेस से दूरी बना चुके हैं।

हकीकत यह है कि जिस परिवार पर आरोप लगाकर इन नेताओं ने पार्टी से अपना नाता तोड़ा है उनमें ऐसा आकर्षण या उनका व्यक्तित्व ऐसा नहीं है जो जनमानस को अपनी ओर आकर्षित कर सके। दरअसल, उस गांधी परिवार ने जिसे पानी पी-पीकर पलायन करने वाले नेता कोसते हैं, देश को तीन प्रधानमंत्री दिए जिनमें दो आतंकवादियों के हाथों असमय मार दिए गए। प. जवाहरलाल नेहरू ने आजादी की लड़ाई के दौरान अपने जीवन के ग्यारह महत्वपूर्ण वर्ष जेल में बिताए, इलाहाबाद के नैनी जेल में यातनाएं सहीं। फिर महात्मा गांधी की अगुवाई में देश की आजादी में भाग लिया। इसके बाद इंदिरा गांधी और राजीव गांधी देश के लिए आतंकवादियों के हाथों मारे गए। इसलिए सारी सत्ता और जनता में इस परिवार की छवि ऐसी है कि कोई सामने आकर यह कहने के लिए तैयार नहीं है कि वह सत्ता की बागडोर किसी और को सौंपे। और, न ही किसी नेता में ऐसी हिम्मत हुई कि वह खुलकर उनका विरोध करें। हां, पार्टी छोड़ने के बाद वे मुखर जरूर हो जाते हैं और अनाप-शनाप विलाप-प्रलाप करने लगते हैं। इनमें भी हेमंत विस्वा सरमा, जतिन प्रसाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित कई नाम हैं।

अभी हाल ही में कांग्रेस छोड़ने वाले वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद आरोप लगाते हैं कि कांग्रेस में सुधार की बात को नेतृत्व चुनौती के रूप में लेता है। सवाल है कि क्या पचास वर्षों तक गुलाम नबी आजाद इस तथाकथित अपमान को झेलते रहे!

इसी बीच वे जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री बने, पार्टी के कई उच्च पद पर रहे, केंद्रीय मंत्री भी बने, फिर उन्हे आज यह दिव्य ज्ञान कैसे प्राप्त हो गया कि अब राहुल गांधी या सोनिया गांधी इतने बुरे हो गए? अब आजाद अपनी पार्टी बनाएंगे या सत्ता की मदद करेंगे, यह सब अभी स्पष्ट नही है। उन्होंने नई पार्टी बनाने का एलान किया है। ऐसा हुआ तो यह 65वां मौका होगा, जब कोई कांग्रेस छोड़कर नए राजनीतिक दल का गठन करेगा। वर्ष 1885 में पार्टी की स्थापना हुई। तब से अब तक कांग्रेस ने 64 ऐसे बड़े मौके देखे, जब कांग्रेस छोड़ने के बाद नेताओं ने अपनी पार्टी बनाई। वर्ष 1969 में तो कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने इंदिरा गांधी को ही पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। तब इंदिरा ने भी अलग कांग्रेस बना ली थी। यह ठीक है कि इस पार्टी का गठन भारत में कार्यरत एक अंग्रेज अधिकारी एओ ह्यूम ने सन- 1885 में किया था, लेकिन उस काल में भी उस पार्टी में शीर्ष नेतृत्व तो उस समय के देश को राष्ट्रीय फलक पर ले जाने वाले दादाभाई नौरोजी, दिनशा वाचा आदि भारतीय ही तो थे। उद्देश्य था सन 1857 वाली स्थिति देश में फिर न आने पाए। ऐसे पुराने, गुणी और क्रांतिकारी लोगों से बनी एक पार्टी को स्वहित के लिए कुछ नेताओं द्वारा कीचड़ उछालकर छोड़ देने से कांग्रेस हिल जाएगी।

पीठ दिखा कर पार्टी छोड चुके नेताओं की सोच को समय सही जवाब देगा। बहरहाल, ऐसा बार-बार इस पार्टी के साथ होता रहा है, लेकिन हर बार वह गिरकर संभल जाती है और नए आयाम स्थापित करती है। इस बार भी उम्मीद की जानी चाहिए कि जब स्वार्थी नेता अपने आप भाग रहे हैं तो कुछ न कुछ अच्छा होने वाला है। अब देखना यह है कि पार्टी छोड़ देने के बाद गुलाम नबी आजाद क्या करिश्मा दिखाते हैं जिससे उनका मान-सम्मान बढ़ जाएगा।

राज्यसभा से रिटायर होते समय उनका जो झुकाव भाजपा के प्रति दिखा था वह तो यही दर्शा रहा था कि उनका अंदरखाने गहरी साठ-गांठ है, यह कब तक उजागर होगा यह देखना दिलचस्प होगा। वह सच में नया किसी और दल के साथ राष्ट्रीय राजनीति से अलग अपनी पार्टी बनाकर कांग्रेस से अपने कथित अपमान का खुन्नस निकालते हैं या फिर वापस जम्मू-कश्मीर की राजनीति में अपना हाथ आजमाते हैं।

दिसंबर 2023 तक युद्ध नहीं कर सकेगा आईएनएस विक्रांत

देश में बना पहला एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत नौसेना में शामिल हो गया है। 2 सितंबर को कोच्चि शिपयार्ड में हुए एक भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे नौसेना में कमिशन किया।

कई खूबियों से लैस आईएनएस विक्रांत के रूप में नेवी को देश में बना अपना सबसे बड़ा युद्धपोत मिल गया है, लेकिन ये युद्ध के लिए तैयार करीब 15 महीने बाद, यानी 2023 के अंत तक हो पाएगा। आखिर क्यों नेवी में शामिल होने के बाद भी अभी युद्ध के लिए तैयार नहीं है आईएनएस विक्रांत, क्या हैं?

आईएनएस विक्रांत को लेकर 25 अगस्त को नेवी के वाइस चीफ ऑफ स्टाफ वाइस एडमिरल एसएन घोरमडे ने बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि नेवी मिग-29K फाइटर प्लेन की विक्रांत पर लैंडिंग का ट्रायल इस साल नवंबर में शुरू करेगी। ये ट्रायल 2023 के मध्य तक पूरा हो जाएगा। इसलिए विक्रांत पूरी तरह ऑपरेशनल 2023 के अंत तक ही हो पाएगा। हालांकि घोरमडे ने इसके बारे में और ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया।

हाल ही में अपने एक आधिकारिक बयान में भारतीय नेवी ने कहा था कि वह एयरक्राफ्ट कैरियर्स को बनाने के लिए विकसित देशों के नियमों का ही पालन कर रही है। 2 सितंबर को आधिकारिक तौर पर विक्रांत के नेवी में शामिल होने के बाद ही उसके फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट और उसकी एविएशन फैसिलिटी कॉम्प्लेक्स सुविधाओं की शुरुआत होगी। नेवी ने कहा था कि इसे तभी शुरू किया जाएगा, जब शिप के कमांड और कंट्रोल के साथ ही फ्लाइट सेफ्टी उसके हाथों में होगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगले कई महीनों में विक्रांत का एविएशन फैसिलिटी कॉम्प्लेक्स पूरी तरह से रूसी इंजीनियरों और टेक्नीशियन की मदद से स्थापित किया जाएगा। इन इंजीनियरों के भारत में आने में यूक्रेन पर हमले की वजह से रूस पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण देरी हो सकती है।

विक्रांत के साथ एक और समस्या ये है कि इसके एविएशन फैसिलिटी कॉम्प्लेक्स को मिग-29 फाइटर प्लेन के लिहाज से तैयार किया गया था। मिग रूस में बने फाइटर प्लेन हैं, जो हाल के वर्षों में अपने क्रैश को लेकर चर्चा में रहे हैं। इसीलिए नेवी अगले कुछ सालों में अपने बेड़े से मिग विमानों को पूरी तरह से हटाने जा रही है।

इंडियन नेवी ने 2009 से 2017 के दौरान रूस से करीब 2 अरब डॉलर यानी करीब 16 हजार करोड़ रुपए में 45 मिग-29 फाइटर प्लेन खरीदे थे।

पिछले कुछ सालों में मिग ऑपरेशनल मामले में बेअसर साबित हुए हैं। इन फाइटर प्लेन के टर्बोफैन इंजन में भी बंद हो जाने की समस्या देखी गई। वहीं जहाज के डेक पर लैंडिंग के बाद इन फाइटर प्लेन के कुछ ऑनबोर्ड कॉम्पोनेंट्स को नुकसान पहुंचा, जिससे उसमें रिपेयरिंग की जरूरत पड़ी।

विक्रांत के एएफसी को भी आईएनएस विक्रमादित्य की तरह ही रूसी मिग-29 फाइटर प्लेन के ऑपरेशन के लिए बनाया गया था। मिग में आ रही दिक्कतों से इंडियन नेवी को ये अहसास हो गया कि मिग की जगह उन्हें या तो राफेल या एफ-18 फाइटर प्लेन को लाने की जरूरत है।

नेवी ने हाल ही में कहा था कि हालांकि विक्रांत को मिग-29 के लिहाज से डिजाइन किया गया था, लेकिन वह इसकी जगह बेहतर डेक-बेस्ड फाइटर प्लेन की तलाश कर रही है। इसके लिए फ्रांस के राफेल और अमेरिका के बोइंग एफ-18 'सुपर हॉर्नेट' फाइटर प्लेन की खरीद के लिए भी बातचीत चल रही है। ये दोनों फाइटर प्लेन गोवा में आईएनएस हंसा पर इंडियन नेवी की तट-आधारित टेस्ट फैसिलिटी में फ्लाइट ट्रायल पूरा कर चुके हैं है। हंसा पर भी कैरियर फ्लाइट डेक की सुविधा उपलब्ध है।

विक्रांत पर तैनाती के लिए नेवी जल्द ही 26 डेक-बेस्ड फाइटर प्लेन खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। इसके लिए राफेल और एफ-18 फाइटर प्लेन को बनाने वाले देशों फ्रांस और अमेरिका के बीच कड़ी टक्कर है। इन 26 फाइटर प्लेन में से 8 ट्विन-सीट ट्रेनर्स भी होंगे। आने वाले सालों में नेवी की योजना तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के नेवल वर्जन को विक्रांत पर तैनात करने की है। तेजस देश में बन रहा ट्विन-इंजन डेक-बेस्ड फाइटर प्लेन है। हालांकि, डीआरडीओ द्वारा डेवलप किए जा रहे तेजस को तैयार होने में अभी 5-7 साल का वक्त लगेगा। इसके 2030-2032 तक नेवी को मिल पाने की संभावना है। देश में बना सबसे बड़ा युद्धपोत आईएनएस विक्रांत, 1600 क्रू, 30 विमान हो सकते हैं तैनात विक्रांत का निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने किया है। इसे वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है, जिसे पहले नौसेना डिजाइन निदेशालय के रूप में जाना जाता था। ये भारतीय नेवी का इन-हाउस डिजाइन संगठन है। 45 हजार टन वजनी विक्रांत भारत में बना सबसे बड़ा वॉरशिप है। ये विक्रमादित्य के बाद देश का दूसरा एयरक्राफ्ट कैरियर है। विक्रमादित्य को रूसी प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया था।

विक्रांत के साथ भारत दुनिया के उन कुछ चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जो एयरक्राफ्ट कैरियर को डिजाइन करने और उसे बनाने में सक्षम हैं। इसमें फ्यूल के 250 टैंकर और 2400 कंपार्टमेंट्स हैं। इस पर एक बार में 1600 क्रू मेंबर्स और 30 विमान तैनात हो सकते हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार यानी 2 सितंबर की सुबह 10.45 बजे देश में बने सबसे बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर विक्रांत नौसेना के हवाले कर दिया। भारत एयरक्राफ्ट कैरियर बनाने की टेक्नोलॉजी डेवलप करने वाला दुनिया का छठा देश है।

विक्रांत पर 30 फाइटर प्लेन या हेलिकॉप्टर तैनात हो सकते हैं। समुद्र में जहां भी यह विमानवाहक पोत तैनात होगा, उसके चारों ओर 400 किलोमीटर के इलाके में परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा।

डाक्टर और दवा उद्योग का मजबूत लूट तंत्र

यह कोई रहस्य नहीं है कि दवा उद्योग ने डॉक्टरों को दवा लिखने या मेडिकल सामान देने के बदले में 'इंसेंटिव' देने के चलन से बिक्री से जुड़ी एक समस्या खड़ी कर दी है. स्वास्थ्य क्षेत्र की कंपनियों ने डॉक्टरों और अस्पतालों को घूस देकर अपने उत्पादों की बिक्री का एक पूरा तंत्र ही बना दिया है. यह एक विकृत खेल है, जिससे जुड़ा हुआ कोई भी व्यक्ति पाक-साफ नहीं है। चिकित्सा क्षेत्र के थोड़े से लोगों ने इसके खिलाफ आवाज उठायी है, लेकिन इससे गहरी पैठ बना चुके तंत्र को रोका नहीं जा सका है। इस खेल में भारतीय कंपनियों के साथ-साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी शामिल हैं. इसे अब गलत भी नहीं माना जाता, जबकि यह बेहद खराब चलन है. इस घातक व भ्रष्ट खेल में साधारण भारतीय मरीजों को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है।

यह तंत्र काम कैसे करता है, इसका विवरण मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव संगठनों के समूह और अन्यों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका में दिया गया है. इसके शुरू में कहा गया है कि दवा क्षेत्र में भ्रष्टाचार से स्वास्थ्य संबंधी सकारात्मक परिणामों को खतरों के कई उदाहरण हैं. डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा पेशेवरों को फायदा या घूस देकर गैरजरूरी दवाएं देने से मरीज का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है। न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और एएस बोपन्ना की खंडपीठ द्वारा इस याचिका को स्वीकार करने तथा सरकार को अपना पक्ष रखने के लिए कहने के बाद यह मुद्दा सुर्खियों में है. याचिका में मांग की गयी है कि दवा कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को उपहार देने और अपना प्रचार करने के बारे में वैधानिक नियम बनाये जाने चाहिए. इस सुनवाई ने डोलो नामक दवा की भारी बिक्री को सामने लाया है। यह दवा 650 एमजी की खुराक में आती है, जबकि अमूमन टैबलेट की मात्रा 500 एमजी होती है. कोरोना महामारी के दौर में इसकी बिक्री ने आसमान छू लिया था। इसके निर्माता के वेबसाइट पर प्रशंसा से भरी मीडिया रिपोर्टों को लगाया गया है. कंपनी ने अत्यधिक प्रचार और मूल्य नियंत्रण के नियमों से बचने के लिए खुराक बदलने के आरोपों का खंडन किया है। याचिका और मुद्दे से जुड़ी आम बहस में बुनियादी बात यह है कि क्या दवा उद्योग ने जनवरी, 2015 में बने कोड के तहत स्व-नियमन के लिए समुचित कदम उठाये हैं या नहीं. दूसरी बात यह है कि इसमें उद्योग के अनैतिक आचरण को रोकने की मांग की गयी है. उक्त कोड में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिवों के व्यवहार तथा प्रचार, उपहार, नगदी देने जैसे आचरणों के बारे में निर्देश हैं, लेकिन इन नियमों को कानून के सहारे लागू नहीं कराया जा सकता है।

ये केवल निर्देश हैं. यह दिलचस्प है कि ऐसा लगता है कि सरकार अपने पहले के दृष्टिकोण से पीछे हट गयी है. पहले उसका विचार था कि इस कोड को अनिवार्य कर देना चाहिए. वर्ष 2020 में सरकार ने संसद को बताया था कि अनैतिक आचरण से संबंधित शिकायतों की सुनवाई के लिए विभाग के पास कोई प्रावधान नहीं है तथा इस मसले को दवा संगठनों की एक नैतिक समिति द्वारा देखा जाना चाहिए। अपनी इच्छा से किये जाने वाले उपायों ने कदाचार को रोकने में कोई खास कारगर भूमिका नहीं निभायी है. एक भयावह महामारी के तुरंत बाद एक अहम स्वास्थ्य मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाना यह इंगित करता है कि किस हद तक कोई सरकारी नीति कॉरपोरेट ताकत से जुड़ सकती है तथा आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है।

दवा उद्योग क्षेत्र का विकास तेजी से हुआ है. भारत में इस क्षेत्र का बाजार 50 अरब डॉलर के आसपास है. इसकी शक्ति और प्रभाव केवल भारत में इसकी वृद्धि से निर्धारित नहीं होती, बल्कि इसके वैश्विक विस्तार से भी तय होती है. आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बीते आठ सालों में दवाओं के निर्यात में करीब 10 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इसके परिणामस्वरूप सरकार ने इस क्षेत्र को बहुत महत्व दिया है. इस वर्ष मार्च में तीन सालों में 500 करोड़ रुपये प्रोत्साहन के रूप में देने की घोषणा की गयी थी. साथ ही, यह भी सच है कि सरकार प्रमुख दवाओं और साजो-सामान की कीमतें नियंत्रित रख पाने में सफल रही है. हाल में जिस तरह से वैश्विक निर्माताओं तथा भारतीय वितरकों के भारी विरोध के बावजूद मेडिकल स्टेंट की कीमतों को नियंत्रित दायरे में लाया गया, वह इस बात का उल्लेखनीय उदाहरण है कि सरकार ताकतवर समूहों के सामने खड़ी हुई है।

इसके बावजूद दवाओं की मार्केटिंग में जारी कदाचार से मरीजों की परेशानी बनी हुई है तथा गलत, यहां तक कि आपराधिक रूप से दवा उद्योग और चिकित्सक व अन्य लोग भारी कमाई कर रहे हैं. ऐसी स्थिति में इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर अधिक पेशेवर या प्रतिस्पर्धात्मक नहीं बनाया जा सकता है। अगर इस तरह के व्यवहार को इसी तरह चलने दिया गया, तो इससे भारत की साख गिरेगी तथा भारतीय कंपनियों के स्तर पर सवाल उठेंगे, जबकि दवा क्षेत्र किसी अन्य उद्योग से कहीं अधिक नियमित रहा है। अगर समूचा देश एक भ्रष्ट आचरण को स्वीकार करता है और उसे जारी रहने देता है, तो दूसरे क्षेत्रों को भी कदाचार करने का संकेत मिलेगा. यह स्तर बढ़ाने या अन्वेषण करने या बाजार बढ़ाने की नयी रणनीति बनाने के लिए आदर्श स्थिति नहीं है।

इस उद्योग और देश के सामने पहले से ही खुराक संबंधी अनेक जटिल समस्याएं और तमाम ब्रांडों की भीड़- जिनमें से कई ऐसी खुराकें बेचते हैं, जो या तो गैर-जरूरी हैं या वैश्विक बाजार में प्रतिबंधित हैं- जैसी परेशानियां हैं. यह स्थिति नियंत्रण से बाहर हो चुकी लगती है, विशेष रूप से ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं के मामले में. वर्ष 2021 में भारत के प्रतिस्पर्धा आयोग ने जानकारी दी थी कि 'अगस्त 2019 और जुलाई 2020 के बीच दवा बाजार में 2871 फॉर्म्युलेशन के साथ 47,478 ब्रांड जुड़े हुए थे, यानी इसका अर्थ यह है कि हर फॉर्म्युलेशन के लिए औसतन 17 ब्रांड उपलब्ध थे.' ऐसी स्थिति में कंपनियों द्वारा दवा लिखने के एवज में इंसेंटिव देने तथा डॉक्टरों द्वारा इसे लेने को रोकने के लिए एक कड़ा कानून बनाने के लिए दबाव बनाया जाना चाहिए. यह कानून एक ऐसे उद्योग क्षेत्र के लिए बेहतरीन दवा होगा, जिसके भविष्य को लेकर बहुत संभावनाएं हैं, पर जिसके ऊपर कदाचार के कुछ ऐसे साये हैं, जिन पर गर्व नहीं किया जा सकता है।

आंध्रप्रदेश के चित्तूर जिले में है 700 साल पुराना गणेश मंदिर

धीरे-धीरे बढ़ रहा है गणेश जी की मूर्ति का आकार

आंध्रप्रदेश में चित्तुर जिले के इरला मंडल नाम की जगह पर गणेश जी का मंदिर है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। लोगों का ऐसा मानना है की यहां भगवान गणेश की मूर्ति धीरे धीरे आकार में बढ़ती जा रही है। ऐसा कहा जाता हैं बाहुदा नदी के बीच बने इस मंदिर के पवित्र जल के कारण कई बीमारियां खत्म हो जाती है। तिरुपति जाने से पहले भक्त इस विनायक मंदिर में आकर भगवान गणेश के दर्शन करते है। मान्यता के अनुसार, यहां आने वाले भक्तों के कष्ट दूर हो जाते हैं।

11 वीं शताब्दी में बना मंदिर

इस मंदिर का निर्माण 11 वीं शताब्दी में चोल राजा कुलोठुन्गा चोल प्रथम ने करवाया था। इसके बाद फिर विजयनगर वंश के राजा ने सन 1336 में इस मंदिर का जिर्णोद्धार कर इसे बड़ा मंदिर बनाने का काम किया था। ये तीर्थ एक नदी के किनारे बसा है। इस कारण इसे कनिपक्कम नाम दिया गया था।

गणेश चतुर्थी से 20 दिनों तक चलता है ब्रह्मोत्सव

इस मंदिर में सितंबर या अक्टूबर में आने वाली गणेश चतुर्थी से ब्रह्मोत्स शुरू हो जाता है। ऐसा माना जाता है की एक बार खुद ब्रह्मदेव पृथ्वी पर आए थे और तभी से इस मंदिर में 20 दिन का ब्रह्मोत्सव मनाया जाता है। ब्रह्मोत्सव के दौरान यहां पर भक्तों के बीच रथ यात्रा निकाली जाती है। इस त्यौहार के दौरान दूसरे दिन से ही रथयात्रा सुबह में एक बार और शाम में एक बार निकाली जाती है। रथ यात्रा में हर दिन भगवान गणेश अलग-अलग वाहनों पर भक्तों को दर्शन देने निकलते हैं। रथ को कई तरह के रंगीन कपड़ों से सजाया जाता है। इस तरह का उत्सव बहुत कम मंदिरों में मनाया जाता है।

रोज बढ़ रही है भगवान गणेश की मूर्ति

कहते हैं कि इस मंदिर में मौजूद गणेश की मूर्ति का आकार हर दिन बढ़ता ही जा रहा है। इस बात का प्रमाण उनका पेट और घुटना है, जो बड़ा आकार लेता जा रहा है। कहा जाता है कि करीब 50 साल पहले भगवान गणेश की एक भक्त श्री लक्ष्माम्मा ने उन्हें एक कवच भेंट किया था, लेकिन मूर्ति का आकार बढ़ने की वजह से अब वह कवच भगवान को नहीं पहनाया जाता।

मान्यता: मंदिर की कहानी

मंदिर के निर्माण की कहानी रोचक है। कहा जाता है कि तीन भाई थे। उनमें से एक गूंगा, दूसरा बहरा और तीसरा अंधा था। तीनों ने मिलकर जमीन का एक छोटा सा टुकड़ा खरीदा। जमीन पर खेती के लिए पानी की जरुरत थी। इसलिए, तीनों ने उस जगह कुआं खोदना शुरू किया। बहुत अधिक खुदाई के के बाद पानी निकला। उसके बाद थोड़ा और खोदने पर उन्हें गणेशजी की प्रतिमा दिखाई दी, जिसके दर्शन करते ही तीनों भाई जो कि गूंगे, बहरे और अंधे थे वे एकदम ठीक हो गए। ये यह चमत्कार देखने के लिए उस गांव में रहने वाले लोग इकट्ठे होने लगे। इसके बाद सभी लोगों ने वहां प्रकट हुई भगवान गणेश की मूर्ति को वहीं पानी के बीच ही स्थापित कर दिया।

दर्शन से खत्म हो जाते हैं पाप

कहा जाता है कि कोई इंसान कितना भी पापी हो यदि वह कनिपक्कम गणेश जी के दर्शन कर ले तो उसके सारे पाप खत्म हो जाते हैं। इस मंदिर में दर्शन से जुड़ा एक नियम है। माना जाता है कि इस नियम का पालन करने पर ही पाप नष्ट होते हैं। नियम यह है कि जिस भी व्यक्ति को भगवान से अपने पाप कर्मों की क्षमा मांगनी हो। उसे यहां स्थित नदी में स्नान कर ये प्रण लेना होगा कि वह फिर कभी उस तरह का पाप नहीं करेगा, जिसके लिए वह क्षमा मांगने आया है। ऐसा प्रण करने के बाद गणेश जी के दर्शन करने से सारे पाप दूर हो जाते हैं।

कैसे पहुंचे यहां- सड़क के रास्ते - यह मंदिर तिरुपतिबस स्टेशन से करीब 72 किमी दूर है। यहां से बस और कैब मिल सकती है।

ट्रेन से - ये मंदिर तिरुपति रेलवे स्टेशन से करीब 70 किमी की दूरी पर है।

एयर वे - तिरुपति हवाईअड्डा इस मंदिर से केवल 86 किमी की दूरी पर है।

गणेश जी का हर अंग है ज्ञान की पाठशाला

बड़ा सिर: स्पीक टू वर्ल्ड डॉट कॉम के अनुसार गणपति का बड़ा और चौड़ा माथा नेतृत्व करने का प्रतीक है। अगर किसी इंसान का सिर बड़ा होता है, वो नेतृत्व करने का सक्षम होता है। गणेश जी का बड़ा माथा हमेशा बड़ी सोच रखने की सीख देता है।

छोटी आंखें: गणेश जी की छोटी आंखें ध्यान लगाने की सीख देती हैं। देख परख कर फैसला लेने की ये सीख आपके भी बड़े काम आ सकती है।

बड़े कान: गणेश जी के बड़े काम बुरी बातों को कान से दूर रखने की सीख देते हैं। वो एक सीख ये भी देते हैं कि आप सुनिए सबकी, लेकिन अपनी बुद्धि और विवेक से अपना फैसला लें।

छोटा मुंह: भगवान गणेश का छोटा मुंह कम बोलने की सीख देता है। आपको भी ये सीख अपनी असल जिंदगी में जरुर शामिल करनी चाहिए।

बड़ी सूंड: गणेश जी की बड़ी सूंड अच्छी दक्षता और क्षमता का प्रतीक है। आप इससे ये सीख लें कि कोई भी सफलता आसानी से नहीं मिल सकती उसके लिए लचीला और अनुकूल होना जरूरी है।

बड़ा पेट: भगवान गणेश का बड़ा पेट ये सीख देता है कि, चाहे कुछ अच्छा हो या बुरा सब कुछ अपने पेट में शांति से पचाएं।

चार भुजाएं: भगवान गणेश की चार भुजाएं मन, बुद्धि, अहंकार और विवेक का प्रतीक है। इससे हमें ये सीख मिलती है कि इन चार विशेषताओं को हमें अपने अंदर बढ़ानी चाहिए। गणेश भगवान के ये अंग ऐसे हैं जो ज्ञान की पाठशाला है। इससे हमें आगे बढ़ने की सीख भी मिलती है।

देवता, दानव और मनुष्य ने ब्रह्मा जी से मांगा उपदेश

सही सलाह किसी का भी जीवन बदल सकती है। इसलिए किसी को सलाह देनी हो तो बहुत सोच-समझकर देनी चाहिए। सलाह देते समय सामने वाले व्यक्ति की अच्छी-बुरी हर एक बात पर गौर करना चाहिए, तभी उसके लिए जो सही हो, वह सलाह दें।

ये बात ब्रह्मा जी से जुड़ी एक चर्चित कथा से समझ सकते हैं। एक दिन देवता, दानव और मनुष्य ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और तीनों ने एक साथ कहा कि उन्हें कोई एक ऐसा उपदेश दें, जिससे हमारा कल्याण हो जाए।

ब्रह्मा जी देवता, दानव और मनुष्य तीनों को बहुत अच्छी तरह जानते थे। इन तीनों की अच्छी-बुरी बातें समझकर उन्होंने तीनों को एक शब्द द दिया था। शब्द एक था, लेकिन तीनों के लिए इस शब्द का मतलब अलग-अलग था।

सबसे पहले ब्रह्मा जी ने देवताओं से कहा, 'सभी देवता भोग-विलास में डूबे रहते हैं। इसलिए आप लोगों के लिए मेरी सलाह है दमन करें। आपको अपनी इंद्रियों पर और अपनी इच्छाओं का दमन करना चाहिए यानी इन पर नियंत्रण रखना चाहिए।'

दूसरे नंबर पर ब्रह्मा जी मनुष्यों के पास पहुंचे। भगवान ने इंसानों से कहा, 'आप लोग दान करने में कभी भी पीछे न हटें। आपके लिए सबसे बड़े सौभाग्य की बात ये है कि आप सेवा कर सकते हैं। दान और सेवा ही इंसानों का धर्म है।

अंत में ब्रह्मा जी दानवों के पास गए। ब्रह्मा जी बोले, 'दानव सबसे ज्यादा हिंसा करते हैं। लड़ाई-झगड़ा करते रहना ही इनका स्वभाव है। इसलिए आप लोगों के लिए दया करना सबसे ज्यादा जरूरी है। आप लोग दूसरों पर दया करें। कभी भी किसी प्राणी को मारे नहीं।

ब्रह्मा जी के इस किस्से से हमें सीख मिल रही है कि हमें जब भी किसी व्यक्ति को सलाह देनी हो तो हमें उसके बारे अच्छी-बुरी सारी बातें मालूम कर लेनी चाहिए। जब हम किसी व्यक्ति को अच्छी तरह समझकर सलाह देते हैं तो वह सलाह उसका जीवन बदलने की क्षमता रखती है।

भगवान गणेश से सीखें जीवन में खुश रहने के ये 5 तरीके

भगवान गणपति हर तरह की बाधाओं को दूर करने वाले देवता हैं। गणेश उत्सव भी भगवान गणेश को समर्पित है। भगवान गणेश का ये उत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। यह जीवन में कई सकारात्मकताएं लेकर आता है। घर में रखे छोटे से गणेश जी से लेकर एक बड़े से पंडाल में रखे गणपति बप्पा की मूर्ति की स्थापना को लेकर हर किसी में हर्ष रहता है। बुद्धि, विवेक और बल के देवता गणपति को ऐसी स्थिति में भी याद किया जाता है, जब हम किसी मुसीबत में होते हैं। इस स्थिति में हमें ये समझना चाहिए कि भगवान गणेश से हमें क्या सीखना चाहिए, जिससे जीवन खुशियों से भर जाए।

कर्तव्य हो सबसे ऊपर

इंडिया टुडे के मुताबिक जीवन में सुख तभी मिल पाएगा जब आप आपने कर्तव्य को हर काम से सबसे ऊपर रखेंगे। गणेश जी ने भी अपने कर्तव्य को आगे रखते हुए अपने पिता महादेव से युद्ध किया था। अपने माता-पिता के प्रति कर्तव्य निष्ठ होना सबसे बड़ा गुण है, जो जीवन भर सुखी रख सकता है।

माता-पिता सबसे जरूरी

भगवान गणेश ने अपने माता-पिता को पूरी दुनिया मानकर उनके चक्कर लगाए, और अपने भाई से जीत गये। भगवान गणेश इस बात का संदेश देते हैं, कि आप जितने भी बड़े इंसान क्यों न बन जाएं, आपके माता-पिता से महत्वपूर्ण कोई नहीं हो सकता।

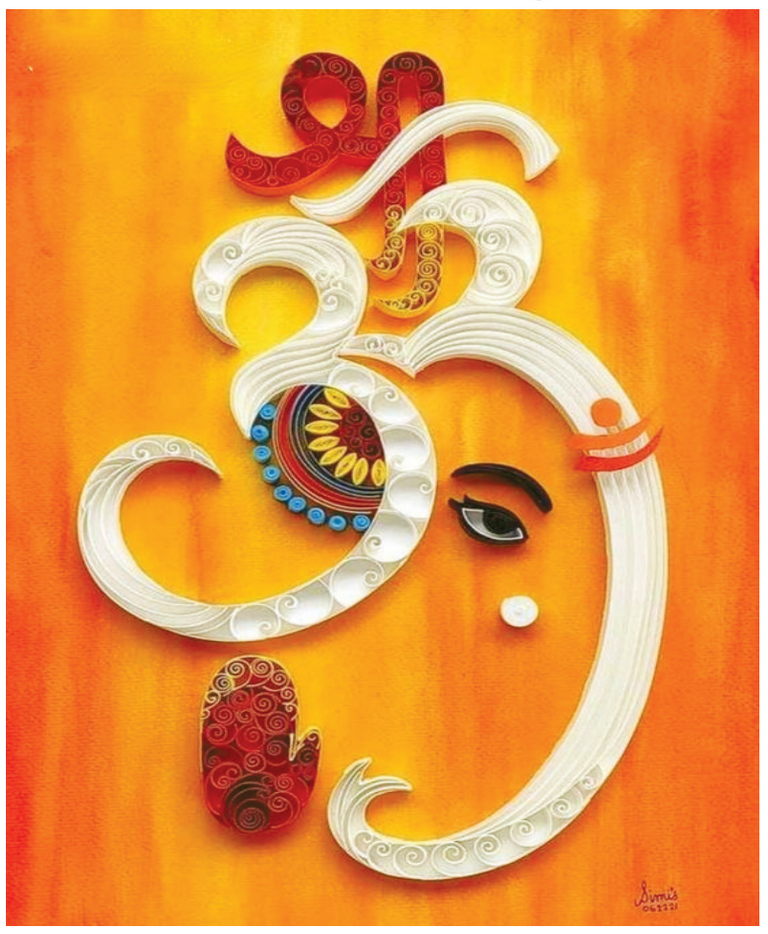

माफ करने का गुण

भगवान गणेश ने किसी बात से नाराज़ होकर चन्द्रमा को आकाश से गायब होने का श्राप दिया था। लेकिन चन्द्रमा के माफ़ी मांगने पर गणपति ने उदारता दिखाई।अपने श्राप कि शक्ति कम कर दी। आपको भी उनकी इस उदारता से सीख लेनी चाहिए और अपने जीवन में माफ़ करने के गुणों को बढ़ाना चाहिए।

काम को न छोड़ें अधूरा

एक बार महाकाव्य लिखते वक्त भगवान गणेश की कमल टूट गयी। जिसके बाद उन्होंने बिना रुके अपना एक दांत तोड़ दिया और उससे लिखने लगे। हमें इससे एक सीख ये मिलती है कि हमें कोई भी काम अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए। तभी हम अपने जीवन में सुखी रहेंगे।

स्वाभिमान के लिए खड़े रहें

भगवान गणेश स्वाभिमान को मजबूत रखने की सीख देते हैं। क्योंकि स्वाभिमान ही इंसान को घुटने नहीं टेकने देता। आप भी उनकी इस सीख को अपनाते हुए हमेशा अपने स्वाभिमान के लिए खड़े रहें। भगवान गणेश से सीखी हुई ये बातें आपके जीवन को आसान भी बना देंगी और खुशियों से भी भर देंगी।

24 सितंबर तक सिंह राशि में रहेगा शुक्र:तुला और धनु सहित सात राशि वालों को धन लाभ होने के योग हैं

31 अगस्त से शुक्र राशि बदलकर सिंह में आ गया है। यहां 25 दिन रहने के बाद कन्या राशि में चला जाएगा। ज्योतिषियों का कहना है कि सूर्य के साथ उसी की राशि में शुक्र का रहना बड़े बदलाव का संकेत दे रहा है। अब इन दोनों ग्रहों की युति बनने से देश-दुनिया में बड़े फैसले होने के योग बन रहे हैं।

ये राशि परिवर्तन कई लोगों के लिए अच्छा रहेगा। कला से जुड़े लोगों में उत्साह दिखेगा। ग्लेमर और फैशन से जुड़े लोगों के लिए फायदे वाला समय रहेगा। देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। बाजार में खरीदारी और निवेश बढ़ेगा। लेकिन महंगाई में कमी नहीं आ पाएगी। राजनीति में बड़े फेरबदल और आपसी विवाद के योग

बनेंगे। **तुला और धनु सहित सात राशियों के लिए शुभ**

शुक्र की चाल में बदलाव होने से मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला और धनु राशि वाले लोगों के लिए अच्छा समय रहेगा। इन 7 राशियों के नौकरीपेशा और बिजनेस करने वाले लोगों को फायदा हो सकता है। कामकाज की तारीफ होगी और आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं। किस्मत का साथ मिलेगा। दुश्मनों पर जीत मिलेगी। लव लाइफ और दांपत्य जीवन में सुख मिलेगा।

मकर और कन्या राशियों के लिए मिला-जुला समय

सूर्य की राशि में शुक्र के आ जाने से सिंह और मेष राशि वाले लोगों के लिए मिला-जुला समय रहेगा। इन राशि वालों की सेहत में सुधार होगा लेकिन रोजमर्रा के कामों में रुकावटें आ सकती है। पैसा खर्चा हो सकता है। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। साझेदारी संबंधी मामलों में उलझने आ सकती है। बिजनेस के जरूरी फैसले सोच-समझकर लेने होंगे।

वृश्चिक, कुंभ और मीन राशि के लिए अशुभ

शुक्र के राशि बदलने से वृश्चिक, कुंभ और मीन राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। इन राशियों के लोगों के फालतू खर्चे बढ़ सकते हैं। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। राज की बातें उजागर हो सकती है। मेहनत बढ़ेगी। अपोजिट जेंडर वालों से संबंध बिगड़ सकते हैं। विवाद और दौड़-भाग भी हो सकती है।

जब सेट पर रेखा की मनमानी से परेशान हो गया था बॉलीवुड का मशहूर विलेन

उठाना पड़ा था ऐसा कदम!

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर रंजीत एक बार एक्ट्रेस रेखा के चलते भारी मुसीबत में फंस गए थे। आपको बता दें कि रंजीत फिल्मों में अपने नेगेटिव रोल्स के लिए जाने जाते थे। बाद के दिनों में रंजीत ने एक फिल्म बनाई थी जिसका नाम था 'कारनामा', यह किस्सा इसी फिल्म से जुड़ा हुआ है। असल में रंजीत ने इस फिल्म में रेखा को इसलिए लिया था क्योंकि तब रेखा इंडस्ट्री की बड़ी और चर्चित एक्ट्रेस थीं और उनका फिल्म में होने का मतलब ही बॉक्स ऑफिस पर सफलता की गारंटी माना जाता था। बहरहाल, किस्सा कुछ यूं है कि रंजीत ने जब फिल्मों में रेखा को कास्ट किया था तब उनका और अमिताभ का अफेयर चलने की बात सामने आई थी। कहा जाता है कि रेखा अक्सर शाम का समय अमिताभ बच्चन के साथ बिताया करती थीं। इस बीच फिल्म कारनामा की शूटिंग शुरू हुई।

कहते हैं कि शुरू-शुरू में तो सब ठीक था लेकिन जैसी ही फिल्म की शूटिंग आगे बढ़ी रेखा ने शूटिंग की टाइमिंग को लेकर आपत्ति लेना शुरू कर दिया। असल में फिल्म की शूटिंग शाम के वक्त होती थी जो समय रेखा, अमिताभ के साथ बिताना पसंद करती थीं।

ऐसे में जब फिल्म के डायरेक्टर और खुद रंजीत ने रेखा को समझाया लेकिन एक्ट्रेस ने बात नहीं मानी। इस बीच रंजीत ने फिल्म के लीड एक्टर धर्मेंद्र को जब यह बात बताई तो उन्होंने सलाह दी कि फिल्म में रेखा की जगह किसी और एक्ट्रेस को कास्ट कर लेना चाहिए। बहरहाल, आगे चलकर यह फिल्म विनोद खन्ना और फराह नाज़ के साथ पूरी की गई और जब यह रिलीज हुई तो बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई। कहा जा सकता है कि रेखा के चलते रंजीत को तब भारी मुश्किल का सामना करना पड़ा था।

निक्की तंबोली ने पहन लिया ऐसा आउटफिट

बोले लोग- 'अब इसे साड़ी मत कह देना'

निक्की तंबोली स्टाइल छोटे और बड़े पर्दे की स्टाइलिश दीवा को साड़ी पहनना कितना पसंद है ये तो हम सब जानते ही हैं। खासतौर से स्पेशली डिजाइन साड़ी पहनकर तो ये हसीनाएं कितना इतराती हैं। इतराना लाजिमी भी है क्योंकि साड़ी हर लड़की की खूबसूरती में चार चांद जो लगा देती है। अब निक्की तंबोली ने भी साड़ी पहनी लेकिन निक्की का स्टाइल देख लोगों का दिमाग ही चकरा गया है। उन्हें समझ ही नहीं आ रहा है कि ये किस तरह की साड़ी है। अब ऐसा निक्की ने क्या पहन लिया वो आप खुद ही देख लीजिए।

क्या निक्की को भारी पड़ा स्टाइल के साथ एक्सपेरीमेंट

निक्की तंबोली ने लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर छाई हुई है जिसमे वो नियॉन कलर के आउटफिट में दिख रही हैं। बेहद यूनिक डिजाइन से पहनी गई ये ड्रेस साड़ी की तरह है लेकिन सोशल मीडिया पर लोग रिक्वेस्ट कर रहे हैं कि इसे गलती से भी साड़ी मत कह देना। ऐसा क्यों आप इस वीडियो में ही देख लीजिए। इस वीडियो के सामने आते ही निक्की के स्टाइल पर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि आउटफिट अच्छा है पर इसे अब साड़ी मत कह देना तो वहीं और भी कई मजेदार कमेंट इस वक्त निक्की को लेकर उनके चाहनेवाले कर रहे हैं। वहीं कुछ लोग निक्की को ऐसा फैशन दोबारा ना दोहराने की नसीहत भी दे रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा- 'अगर ऐसी साड़ी हमनें घर पर पहनी तो घर से निकाल देंगे'।

निक्की तंबोली ने कराई सर्जरी?

इस वीडियो के सामने आने के बाद अब लोग निक्की की सर्जरी को लेकर भी बात कर रहे हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट किया है कि क्या निक्की तंबोली ने सर्जरी करा ली है क्योंकि उनका लुक काफी बदला –बदला सा लग रहा है।

नियॉन ग्रीन कलर के ड्रेस में दिखा 'रानी भारती' का ग्लैमरस लुक

दिलकश अंदाज वायरल

हुमा कुरैशी इन दिनों एक से बढ़कर एक बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर लेटेस्ट तस्वीर नियॉन ग्रीन कलर की थाई हाई स्लिट आउटफिट में शेयर की हैं। इन तस्वीरों में हुमा हर पोज कातिलाना है। हुमा कुरैशी ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं। हुमा का हर पोज कातिलाना है। ग्रीन कलर की बैकलेस फ्रिल वाली लंबी ड्रेस में हुमा ने कैमरे की तरफ देखते हुए साइड पोज दिया है।हुमा कुरैशी ने थाई हाई स्लिट आउटफिट वाली ड्रेस के साथ ग्रीन कलर की मैचिंग सैंडिल से अपने स्टाइल का कंप्लीट किया है। हुमा कुरैशी ने खुले बालों के साथ ज्वैलरी के नाम पर सिर्फ ईयरिंग्स पहने हुए हैं। हुमा का अंदाज पत्रलेखा समेत कई सेलेब्स को बहुत पसंद आ रहा है। हुमा की तरह तस्वीर कुछ कहती है। एक्ट्रेस की हर अदा पर फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं। कोई उन्हें प्रिंसेस कह रहा है तो कोई लवली ऑसम बता रहा है। हुमा कुरैशी बॉलीवुड की शानदार एक्ट्रेस हैं। इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'महारानी 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में हुमा रानी भारती का किरदार निभा रही हैं और अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी अपना नाम रानी भारती ही कर लिया है। बता दें कि हुमा कुरैशी इन दिनों 'महारानी 2' में लीड रोल प्ले कर रही हैं। ये एक पॉलिटिकल ड्रामा है जिसमें एक्ट्रेस एक पॉलिटिशियन का रोल प्ले कर रही हैं।

जैकलीन फर्नांडिस ही नहीं, डॉन, ठग

और गैंगस्टर के चलते मुसीबत में फंस चुकी हैं ये एक्ट्रेसेस

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस इन दिनों ठग सुकेश चंद्रशेखर के चलते लगातार सुर्खियों में हैं। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने 215 करोड़ के वसूली मामले में चार्जशीट दायर की है, जिसमें जैकलीन फर्नांडिस को आरोपी बनाया गया है। क्योंकि, वसूली से मिली रकम से जैकलीन को भी फायदा हुआ है, इसलिए ईडी ने उनके खिलाफ चार्जशीट दायर की है।

जैकलीन फर्नांडिस इकलौती अभिनेत्री नहीं हैं

जिनका किसी ठग से संबंध रहा है। इससे पहले भी कई अभिनेत्रियां रही हैं, जो डॉन, गैंगस्टर या ठग से अपने रिश्तों के चलते मुश्किलों में फंसी है, इससे पहले भी कई अभिनेत्रियां इस तरह के कानूनी पचड़ों में फंस चुकी हैं, जैकलीन फर्नांडिसजैकलीन फर्नांडिस ने अब तक सुकेश से जुड़े मामले में कुछ नहीं बोला है। जैकलीन ने इस पोस्ट में भी स्पष्ट नहीं किया है कि उन्होंने ऐसा पोस्ट क्यों किया है। सुकेश चंद्रशेखर से कनेक्शन सामने आने के बाद, ईडी जैकलीन से पूछताछ करती रही है।

ममता कुलकर्णी 90 के दशक की सबसे ग्लैमरस अभिनेत्रियों में से एक ममता कुलकर्णी भी ड्रग माफिया विक्की गोस्वामी के साथ अपने संबंधों को लेकर चर्चा में रह चुकी हैं। ममता कुलकर्णी को पुलिस ने केन्या एयरपोर्ट पर विक्की गोस्वामी के साथ ड्रग तस्करी मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया था, हालांकि बाद में पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया।

मंदाकिनी लॉन्ड्रिंग केस के चलते जिस तरह इन दिनों जैकलीन की पर्सनल लाइफ सुर्खियो में है, उसी तरह कभी मंदाकिनी भी दाऊद इब्राहिम के साथ अपनी एक तस्वीर के चलते चर्चा में आ गई थीं।

मोनिका बेदी अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम से अपने रिश्तों के चलते मोनिका को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अबू सलेम के कारनामों के चलते मोनिका बेदी को भी जेल की हवा खानी पड़ी।

सोनाटॉप गैंगस्टर हाजी मस्तान को मधुवाला बेहद पसंद थीं। लेकिन, अपनी दिल की बीमारी के चलते मधुवाला बहुत जल्द इस दुनिया से चली गईं। इसके बाद हाजी मस्तान की मुलाकात अपनी ही प्रोडक्शन कंपनी के तले बन रही फिल्म के सेट पर सोना से

मुलाकात हुई, जो हूबहू मधुवाला की तरह दिखती थीं। सोना को देखते ही मस्तान ने उनसे शादी का फैसला किया। दोनों ने शादी की, लेकिन हाजी की मौत के बाद सोना को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

अनीता अयूब बॉलीवुड और पाक एक्ट्रेस अनीता अयूब का नाम भी दाऊद इब्राहिम के साथ जुड़ा था। दाऊद, अनीता के प्यार में इस कदर पागल हुआ कि उसने एक फिल्म निर्माता की हत्या भी करवा दी थी। दाऊद ने अनीता को फिल्म में साइन ना किए जाने पर ऐसा किया।

रणदीप हुड्डा ने अपकमिंग बायोपिक के लिए फिर घटाया वजन

ट्रांसफॉर्मेशन देख फैंस ने किया सवाल- 'कैसे किया?'

रणदीप हुड्डा एक ऐसे स्टार हैं, जो हर एक फिल्म में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए जाने जाते हैं। 'सरबजीत' में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद, एक बार फिर वह दर्शकों को हैरान करने के लिए तैयार हैं। इन दिनों वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर' की तैयारियों में व्यस्त हैं। जिसके लिए वह अपने लुक्स और वजन पर भी खूब काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की और अपने जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन से सभी को हैरान कर दिया। इस तस्वीर को देखकर ऐसा लग रहा है कि रणदीप हुड्डा अपनी आने वाली फिल्म के लिए जोर-शोर से तैयारी कर रहे हैं। गुरुवार को, अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक मिरर सेल्फी साझा की, जिसमें उन्हें अपने शरीर को फ्लॉन्ट करते देखा जा सकता है। उन्होंने काली सैंडो के साथ नीले रंग का पजामा पहना था। इसके साथ उन्होंने एक कैप और काले चश्मे भी पहने थे।

उन्होंने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "हम सभी को कभी-कभी लिफ्ट की जरूरत होती है।" हालांकि, इस फोटो में जिस चीज ने वास्तव में सभी का ध्यान खींचा, वह थी उनका वजन कम होना। कई फैंस ने कॉमेंट सेक्शन में इस पर प्रतिक्रिया दी और एक्टर के हार्ड वर्क की तारीफ की। पहले यह बताया गया था कि रणदीप ने फिल्म के लिए 15 किलो वजन कम किया है।

इस अभिनेत्री का माथा था चौड़ा फिर अपनाया ऐसा हेयरस्टाइल जो बन गया इनकी पहचान

आज भी लड़कियां खूब कराती हैं 'साधना कट'

साधना हेयरकट हेयरस्टाइलः हिंदी सिनेमा में ऐसे कई कलाकार हैं जिनका स्टाइल ही उनकी पहचान बन चुका है। किसी की साड़ी का स्टाइल खूब चमका तो किसी का हेयरस्टाइल खूब चर्चा में रहा। ऐसी ही एक एक्ट्रेस थीं साधना जिनके नाम से एक हेयरकट आज भी खूब मशहूर है। अभिनेत्री साधना अपने दौर की मशहूर एक्ट्रेस रहीं हैं जिन्होंने कई शानदार फिल्मों में काम किया तो उनके गाने भी लोगों की जुबां पर आज तक कायम है। एक मुसाफिर एक हसीना, मेरा साया, मेरे महबूब, वक्त और आरजू उनकी शानदार फिल्मों में शामिल हैं। साधना की फिल्म और गानों के अलावा उनकी एक और चीज़ काफी फेमस हुई वो था उनका हेयरस्टाइल जिसे उन्हीं के नाम से जाना जाता है। आज भी साधना कट हेयरस्टाइल को लड़कियां खूब पसंद करती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये हेयरकट एक्ट्रेस को मजबूरी में करना पड़ा था।

दरअसल, एक्ट्रेस साधना का माथा काफी चौड़ा था लिहाजा जब उन्होंने हिंदी सिनेमा में एंट्री ली तो फिल्म लव इन शिमला के निर्देशक आर के नय्यर ने उन्हें सुझाव दिया कि उनका माथा चौड़ा है ऐसे में अगर वो अपने माथे पर कुछ जुल्फें रखेंगीं तो और भी ज्यादा खूबसूरत लगेंगी। तब उन्हें हॉलीवुड एक्ट्रेस ऑड्रे हेपबर्न के हेयरस्टाइल के इंस्पायर होकर एक नया लुक दिया गया जो उन पर खूब फबा। वहीं जब इस हेयरस्टाइल में साधना को लोगों ने देखा तो हर किसी को उनका ये स्टाइल पसंद आ गया और हर ओर इसके चर्चे भी होने लगे। देखते ही देखते ये ट्रेंड में आ गया और स्टाइल बन गया। खास बात ये थी कि इस हेयरकट का नाम ही 'साधना कट' रख दिया गया था। जिसे आज के दौर की लड़कियां भी खूब पसंद करती हैं और शौक से साधना कट हेयरस्टाइल कराती हैं। एक्ट्रेस साधना आज दुनिया में नहीं हैं लेकिन ये हेयरस्टाइल उनकी पहचान है जिसके जरिए वो हमेशा लोगों के दिलों में जिंदा रहेंगी।

रश्मिका मंदाना के साथ पतंग उड़ाते दिखे अमिताभ बच्चन

नौ दिन आइसोलेशन में बिताने के बाद सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का कोराना रिपोर्ट नेगेटिव आ चुका है. बिग बी अपने काम पर वापस लौट गए है. एक्टर कौन बनेगा करोड़पति 14 को लेकर चर्चा में है. शो का प्रोमो आए दिन सोशल मीडिया पर वायरल होते रहता है. इस बीच अमिताभ बच्चन और रश्मिका मंदाना की फिल्म गुड बॉय का रिलीज डेट आ गया है.

फिल्म गुडबॉय का नया पोस्टर

अमिताभ बच्चन ने फिल्म गुडबॉय का नया पोस्टर शेयर किया है. इसके कैप्शन में उन्होंवे लिखा, परिवार का साथ है सबसे ख़ास जब कोई नहीं होता पास, तब भी रहता है इनका एहसास. पोस्टर में बिग बी एक कुर्ता पहने दिख रहे है और नीले रंग की स्लीवलेस जैकेट पहना है. उनके बगल में रश्मिका मंदाना है, जो ग्रीन रंग के कुर्ता में दिख रही है.

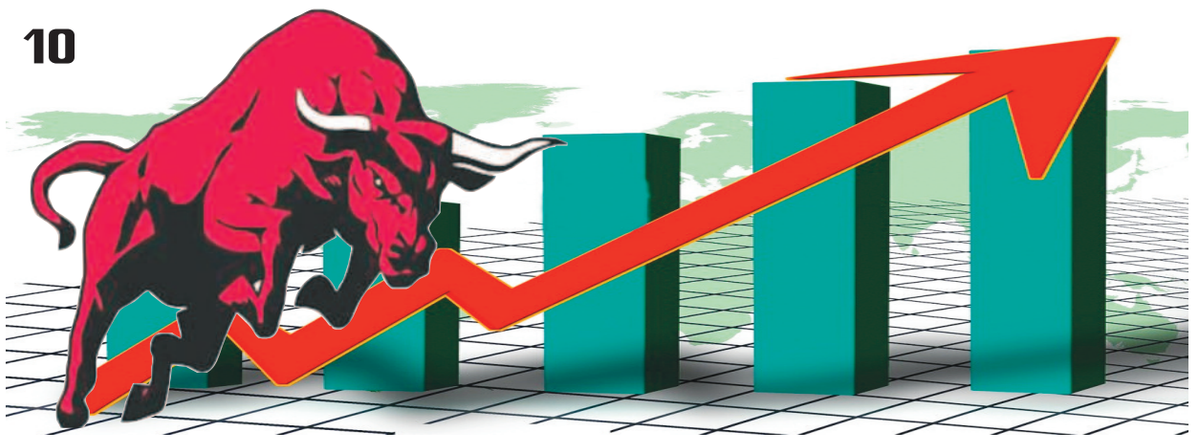

पीपीएफ खाताधारकों के लिए भारतीय डाक दे रहा बड़ी सुविधा

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। अगर आप भारतीय डाक के पीपीएफ खाताधारक हैं तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। दरअसल, भारतीय डाक ने 'पोस्ट ऑफिस सेविंग बैंक अकाउंट' ई-बैंकिंग प्लेटफॉर्म में पीपीएफ खाता खोलने और बंद करने की सेवा को लागू कर दिया है। इससे ई-बैंकिंग सुविधा का लाभ उठाने वाले डाकघर उपभोक्ता अपने पीपीएफ खाते को ऑनलाइन खोल और बंद कर सकते है। भारतीय डाक की ओर से ट्विटर पर इसकी जानकारी देते हुए कहा गया है कि अधिक जानकारी के लिए- https://ebanking.indiapost.gov.in लिंक या अपने नजदीकी डाकघर से संपर्क करें। क्या है पीपीएफ खाताः पीपीएफ या पब्लिक प्रोविडेंट फंड भारत का लोकप्रिय स्मॉल सेविंग स्कीम है। इस स्कीम के तहत आप सिर्फ 500 रुपये से भी निवेश शुरू कर सकते हैं। वहीं, यह टैक्स सेविंग स्कीम है। इसके अलावा सरकार की ओर से 7.10 फीसदी की दर से ब्याज दिया जाता है। कैसे होती है ब्याज की गणनाः पीपीएफ ब्याज की गणना मासिक आधार पर की जाती है लेकिन सालाना गणना चक्रवृद्धि ब्याज पर होती है। निवेशक एक वित्तीय वर्ष में 1.5 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। एक व्यक्ति सिर्फ एक ही पीपीएफ अकाउंट खोल सकता है और ज्वाइंट खाता खोलने की अनुमति नहीं है।

नोटबंदी के दौरान जाली करेंसी तब्दील करने का हुआ था खेल

स्वामी ने बताई सॉफ्ट आरबीआई गवर्नर चुनने की वजह

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी अक्सर मोदी सरकार और उसके फैसलों पर सवाल खड़े करते रहते हैं। इस बार उन्होंने जाली नोट के सर्कुलेशन को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक खबर को शेयर करते हुए कहा कि नोटबंदी में जाली नोटों को असली नोटों से धड़ल्ले से बदला गया और इसी की वजह से आरबीआई आज भी नोटबंदी की फाइनल टैली का खुलासा नहीं करता है।

सुब्रमण्यम स्वामी ने ट्वीट में लिखा, "कोई सरकार नकली नोटों के रैकेट से निपटी नहीं। वास्तव में मोदी सरकार की नोटबंदी के दौरान अधिकांश नकली नोटों को नए और असली नोटों से बदला गया।

इसीलिए आरबीआई आज भी फाइनल टैली का खुलासा करने से इनकार करती है। आरबीआई

गवर्नरों को मुद्रा धोखाधड़ी पर उनकी नरमी के लिए चुना जाता है।"

स्वामी ने कहा कि सॉफ्ट आरबीआई गवर्नर इसलिए चुनते हैं कि वो फेक करेंसी को लेकर होने वाली धांधली पर नरमी बरतते हैं। बता दें कि स्वामी ने यह ट्वीट एक यूजर द्वारा शेयर खबर के रिप्लाई में किया है। खबर में कहा गया है कि आतंकियों को फंडिंग करने में नकली नोटों का सर्कुलेशन बढ़ा है। बता दें कि स्वामी के ट्वीट पर सोशल मीडिया पर यूजर तमाम तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "जिस थाली में खाना, उसी में छेद करना...मैं आपका कुछ महीने पहले तक कट्टर समर्थक था।"

एक अन्य यूजर ने लिखा, "स्वामी जी कहीं जुगाड़ बनी क्या राज्यसभा सीट के लिये या अभी तक वेटिंग में ही है।" इसके अलावा एक अन्य यूजर ने सवाल किया, "तो क्या इसका मतलब यह है कि डिमोनेटाइजेशन विनाशकारी था?"

गौरतलब है कि नोटबंदी के बाद से नकली नोटों को लेकर केंद्रीय राज्य वित्त मंत्री पंकज चौधरी ने इसी साल अगस्त में संसद में बताया था एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक, कई मामलों में पाया गया है कि जाली नोटों की तस्करी पड़ोसी मुल्कों से हो रही है। उन्होंने कहा कि जहां बैंकिंग सिस्टम में पाए जाने वाले नकली नोटों की संख्या में कमी पाई गई है तो वहीं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के जब्त किए गए नोटों में वृद्धि हुई है।

संसद में उन्होंने बताया कि 7.62 लाख पीस जाली नोट साल 2016-17 में देखने को मिले थे। वहीं साल 2021-22 में 2.08 लाख नोट रह गए। पंकज चौधरी ने कहा कि साल 2016 में नोट बंदी के बाद से जाली नोटों की संख्या में गिरावट आई है।

दुनिया पर मंदी का खतरा पर भारत आगे बढ़ रहा, प्रमुख अर्थशास्त्री ने महंगाई पर कही ये बात

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकोनॉमी बन गया है। देश के लोगों में इस बात को लेकर खासा उत्साह है। इस उपलब्धि पर देश के प्रमुख अर्थशास्त्री डॉ. चरण सिंह ने कहा है कि 2022 में हम जीडीपी के मामले में ब्रिटेन से आगे निकल गए हैं। वर्ष 2027 तक हम आर्थिक प्रदर्शन के मायने में ब्रिटेन से कहीं आगे होंगे।

उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत की अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है तो वहीं दूसरी ब्रिटेन की इकोनॉमी सिकुड़ रही है। अर्थशास्त्री डॉ. चरण सिंह ने कहा है कि जहां पूरी दुनिया पर मंदी का खतरा मंडरा रहा है भारत सात प्रतिशत की दर से वृद्धि कर रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में महंगाई दर 10 प्रतिशत है। अमेरिका में यह नौ प्रतिशत है। भारत में महंगाई दर महज छह से सात प्रतिशत है जो कि सामान्य है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 31 अगस्त तक 1.97 करोड़ करदाताओं को जारी किया रिफंड

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 1 अप्रैल 2022 से 31 अगस्त 2022 तक 1.97 करोड़ करदाताओं को 1.14 लाख करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया है। इसमें से 61 हजार 252 करोड़ रुपए का रिफंड पर्सनल इनकम टैक्स रिफंड के रूप में 1.96 करोड़ करदाताओं को दिया है। वहीं 1.47 लाख करदाताओं को 53 हजार 158 करोड़ रुपए का कॉरपोरेट टैक्स रिफंड दिया है।

कई लोग ऐसे भी हैं जिन्हें अब तक रिफंड नहीं मिला है। अगर आपका भी रिफंड नहीं मिला है तो इसके कई कारण हो सकते हैं। हम आपको बता रहे हैं कि रिफंड देरी से आने के क्या कारण हो सकते हैं।

बैंक अकाउंट की गलत जानकारी देना

सीए अभय शर्मा (पूर्व अध्यक्ष इंदौर चार्टर्ड अकाउंटेंट शाखा) कहते हैं कि हाल ही में कई बैंकों को दूसरे बैंकों में मर्ज किया गया है। ऐसे में कई बैंकों के आईएफएससी कोड बदल गए हैं। अगर आपने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में अपने बैंक अकाउंट की जानकारी अपडेट नहीं की है तो आपका रिफंड अटक सकता है। आप घर बैठे ही https://www.incometax.gov.in पर जाकर इसे अपडेट कर सकते हैं।

बैंक अकाउंट का प्री-वैलिडेट होना जरूरी

जिस बैंक खाते में इनकम टैक्स रिफंड आना है उस बैंक खाते को प्री-वैलिडेट (पहले से सत्यापित) करा लें। इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के बाद यदि आपका कोई रिफंड बनता है तो वह आपको इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के सेंट्रलाइज्ड प्रोसेसिंग सेंटर के जरिए मिलता है। इसके लिए जरूरी है कि आपका बैंक अकाउंट प्री-वैलिडेट हो ताकि आपको रिफंड

मिलने में देरी न हो।

रिटर्न वेरिफाई नहीं करने पर भी लगता है ज्यादा समय

आपने रिटर्न समय पर फाइल कर दिया, लेकिन हो सकता है कि आपने आईटीआर का वेरिफिकेशन नहीं किया। जब तक आप वेरिफाई नहीं करेंगे, आपका रिटर्न प्रोसेस नहीं होगा। यानी, जो आईटीआर आपने दाखिल किया है, उसको वैरिफाई करना जरूरी है। यह भी रिफंड मिलने में देरी का कारण हो सकता है।

आयकर विभाग के ईमेल का जवाब न देना

सीए अभय शर्मा के मुताबिक आयकर विभाग की ओर से भेजे गए ई-मेल का जवाब न देने के कारण भी रिफंड अटक सकता है। आयकर विभाग की ओर से भेजे गए ई-मेल में करदाताओं से उनकी बकाया मांग, उनके बैंक खाते तथा रिफंड में किसी तरह के अंतर के बारे में जानकारी मांगी जाती है। इसकी जानकारी सही समय पर न देने पर भी आपका रिफंड अटक सकता है।

5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना भारत

ब्रिटेन एक पायदान फिसलकर छठे स्थान पर पहुंचा 854.7 अरब डॉलर रही भारत की अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। भारत एक बार फिर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। ब्रिटेन एक पायदान फिसलकर छठे स्थान पर आ गया है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के मुताबिक, भारत साल 2021 के आखिरी 3 महीने में ब्रिटेन से आगे निकला। जीडीपी के आंकड़ों में भारत यह बढ़त वित्त वर्ष 2022-23 में भी बनाए रखे हुए है। भारत की अर्थव्यवस्था 854.7 अरब डॉलर रही। इसी अवधि में ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था 816 अरब डॉलर रही। रोजमर्रा की चीजें महंगी होने से ब्रिटेन ने पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का तमगा खो दिया। दूसरी ओर, भारतीय अर्थव्यवस्था

लगातार बढ़ रही है। एक दशक पहले भारत सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में 11वें स्थान पर था, जबकि यूके 5वें स्थान पर था। दरअसल, ब्रिटेन चार दशकों में सबसे तेज इन्फ्लेशन और मंदी के बढ़ते रिस्क का सामना कर रहा है। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने अनुमान जताया है कि यह स्थिति 2024 तक रहेगी। दूसरी तरफ, भारतीय अर्थव्यवस्था के इस वर्ष 7% की दर से बढ़ने का अनुमान है। ब्रिटेन की स्थिति में यह गिरावट ऐसे समय आई है, जब देश में राजनीतिक अस्थिरता है और सत्तारूढ़ पार्टी नया प्रधानमंत्री चुनने के दौर में है। अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में ब्रिटेन की गिरावट नए प्रधानमंत्री के लिए अप्रिय स्थिति होगी। कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य सोमवार को बोरिस जॉनसन के उत्तराधिकारी का चयन करेंगे। अनुमान जताए जा रहे हैं कि विदेश सचिव लिज ट्रस, पूर्व चांसलर ऋषि सुनक से आगे हैं। आईएमएफ के मुताबिक, 2019 में भी नॉमिनल जीडीपी के मामले में भारत 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था (2.9 लाख करोड़ डॉलर) बन गया था। ब्रिटेन (2.8 लाख करोड़ डॉलर) छठे स्थान पर आ गया था।

रेलवे कर्मचारियों के भत्ते में कटौती की तैयारी!

बोर्ड ने कहा-खर्च बढ़ गया है

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे के कर्मचारियों को बड़ा झटका देने की तैयारी की जा रही है। दरअसल, रेलवे बोर्ड ने सातों जोन से ओवरटाइम, नाइट ड्यूटी और यात्रा के अलावा ईंधन और मेंटेनेंस के लिए मिलने वाले भत्तों की समीक्षा करने को कहा है। क्या है वजहः न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक रेलवे बोर्ड के चेयरमैन वी के त्रिपाठी ने तिमाही समीक्षा बैठक में पाया कि ऑपरेशंस से जुड़े खर्चे काफी अधिक हैं। चालू वित्त वर्ष में मई तक सातों जोन में यह रेलवे के पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 26 प्रतिशत औसत वृद्धि से कहीं ऊपर चला गया है। रेलवे के मुताबिक ऑपरेशंस खर्च को लेकर 2022-23 के लिये कुल बजटीय अनुमान 2.32 लाख करोड़ रुपये है। चूंकि खातों का ऑडिट होना बाकी है, संबंधित आंकड़े अस्थायी हैं। सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान रेलवे बोर्ड ने जोन को अपने खर्च को कम करने के लिये तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया और महाप्रबंधकों को इस संदर्भ में कार्ययोजना बनाने को कहा। पूर्व रेलवे (ईआर), दक्षिणी रेलवे (एसआर), पूर्वोत्तर रेलवे (एनईआर) और उत्तर रेलवे (एनआर) जैसे जोन को किलोमीटर भत्ते को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। यह भत्ता ट्रेन को संचालित करने वाले कर्मचारियों को दिया जाता है। वहीं दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर), पूर्व-मध्य रेलवे (ईसीआर) और पूर्व तटीय रेलवे (ईसीओआर) को नाइट ड्यूटी भत्ते पर अपने खर्च को कम करने के लिये कहा गया है।

कंडोम बनाने वाली कंपनी में हिस्सेदारी बेचना चाहती है सरकार, कोर्ट पहुंचा मामला

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। मूड कंडोम बनाने वाली कंपनी एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड में केंद्र सरकार समूची हिस्सेदारी बेचना चाहती है। इसके लिए सरकार ने बोलियां भी आमंत्रित की हुई है। हालांकि, अब इस विनिवेश प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की खबर के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर विनिवेश प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की जा रही है। वहीं, कोर्ट ने इस प्रकरण पर केंद्र सरकार और अन्य से जवाब तलब किया है। न्यायाधीश एसए नजीर और न्यायाधीश वी रामसुब्रमण्यम की पीठ ने सबका सहयोग सोसायटी की याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा

है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के दौरान एचएलएल लाइफकेयर, पीपीई किट की खरीद में नोडल एजेंसी थी। टीकों की खरीद के लिये भी एजेंसी थी। याचिका में एचएलएल लाइफकेयर की आपातकालीन राहत कार्यों में भूमिका का जिक्र करते हुए कहा गया है कि महामारी से निपटने के लिए टीकाकरण अभियान अब भी चल रहा है। ऐसे में देश इस महत्वपूर्ण मोड़ पर एचएलएल लाइफकेयर जैसे संस्थान का निजीकरण करने का जोखिम नहीं उठा सकता। कंपनी के बारे में: बता दें कि एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला केंद्रीय लोक उपक्रम है। यह कंडोम के अलावा गर्भ निरोधक, महिलाओं के स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े उत्पादों के साथ-साथ अन्य दवाएं बनाने और उसके डिस्ट्रिब्यूशन में शामिल है। यह स्वास्थ्य देखभाल और विभिन्न बीमारियों का पता लगाने के लिए जांच सेवाओं से भी जुड़ी है। सरकार का मकसदः एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड में सरकार समूची हिस्सेदारी बेचना चाहती है। निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग ने बोलियां आमंत्रित की हुई है, जिसमें कई कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है।

संक्रमण बढ़ा तो भविष्य में आ सकते हैं 'अगली पीढ़ी' के टीके

नए वैरिएंट्स पर भी होंगे कारगर

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। देश-दुनिया में कोरोना वायरस का प्रकोप अभी भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। दो लहर बीत जाने के बाद भी इसके संक्रमण का खतरा बना हुआ है। दुनिया भर के वैज्ञानिक अभी भी इस वायरस के खात्मे के लिए रिसर्च कर रहे हैं। इस बीच कोरोना वैक्सीन को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बड़ी बात कही है। विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना वायरस कभी खत्म नहीं होने वाला है। फिलहाल वैज्ञानिक अब नए और अपडेट टीकों पर काम कर रहे हैं, जिससे लोगों को सुरक्षित किया जा सके।

नए वैरिएंट से बचने की क्षमता

हाल ही में इस बात के संकेत कोविड-19 टीकाकरण की राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह के चेयरपर्सन डॉ. एनके अरोड़ा ने भी दिए। डॉ. अरोड़ा के अनुसार, कोविड के अगली पीढ़ी के टीके की यह अवधारणा है कि इसमें हमें बार-बार खुराक नहीं देनी होती है। अगली पीढ़ी की वैक्सीन का दूसरा सबसे बड़ा कारण यह है कि अगर हम वैक्सीन देते हैं तो यह अब तक के वायरस से बचाव करेगा और साथ ही भविष्य में आने वाले वायरस से भी लंबे समय तक सुरक्षा हो सकेगी।

डॉ. अरोड़ा के मुताबिक, अभी कोविड के नए अपडेट टीकों में कुछ समय लग सकता है। भारतीय फॉर्मा कंपनियों और हेल्थ एक्सपर्ट्स ने इस चुनौती को स्वीकार किया है और आने वाले समय में इसके बारे में जानकारी मिलेगी। मैंने हमेशा कहा कि भारत पहले पूर्वाभास पर ध्यान देता है। हम इस तरह के टीके तैयार करने के लिए पूरी तरह से सावधानियों पर भी ध्यान दे रहे हैं।

पेटीएम, रेजरपे और कैश फ्री के ठिकानों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय पीएमएल एक्ट 2002 के तहत कर्नाटक के बेंगलुरू में छह ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। ईडी ने यह छापेमारी चाइनीज लोन एप केस में जांच के दौरान की है। ईडी ने शनिवार को बताया है कि वह ऑनलाइन पेमेट गेटवे कंपनियों रेजरपे, पेटीएम और कैश फ्री के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। ईडी के अनुसार छापेमारी की यह कार्रवाई शुक्रवार को बेंगलुरु के छह ठिकानों पर शुरू की गई है। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से कहा गया है कि यह छापेमारी अब भी जारी है। संघीय जांच एजेंसी ने कहा कि उसने छापेमारी के दौरान मर्चेंट आईडी और चीन के लोगों की ओर से नियंत्रित संस्थाओं के बैंक खातों में रखे गए 17 करोड़ रुपये को जब्त कर लिया है।

सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

इस हफ्ते साढ़े 6 सौ रुपए सस्ता होकर सोना 51 हजार के नीचे आया, चांदी भी 53 हजार के अंदर

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते सोना 647 रुपए सस्ता होकर 50,584 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 29 अगस्त को ये 51,231 रुपए पर था।

53 हजार के नीचे आई चांदी

इस हफ्ते चांदी की कीमत में डेढ़ हजार रुपए से ज्यादा की गिरावट आई है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 54,205 रुपए पर थी जो अब 52,472 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,733 रुपए कम हुई है।

ऑलटाइम हाई से सोना 5,600 और चांदी 27,500 रुपए सस्ते

इस हफ्ते की गिरावट बाद सोना अभी अपने ऑलटाइम हाई से करीब 5,616 रुपए नीचे आ गया है। आपको बता दें कि सोने ने अगस्त 2020 में अपना ऑलटाइम हाई बनाया था। उस वक्त सोना 56,200 रुपए प्रति दस ग्राम के स्तर तक चला गया था। वहीं चांदी अपने उच्चतम स्तर से करीब 27,508 रुपए प्रति किलो की दर से सस्ती मिल रही है। चांदी का अब तक का हाई 79,980 रुपए प्रति किलो है।

आने वाले दिनों में देखने को मिल सकती है रिकवरी

भारत समेत दुनियाभर के विश्लेषकों का अनुमान है कि इस साल के आखिर तक अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2,000 डॉलर और घरेलू बाजार में 60,000 रुपए तक पहुंच सकता है। जानकारों के अनुसार देश में जरूर महंगाई कम हो रही है, लेकिन वैश्विक पैमाने पर कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। इससे आने वाले दिनों में सोने को सपोर्ट मिलेगा, क्योंकि इसे महंगाई से बचाव का साधन (हेजिंग) माना जाता है। यानी महंगाई बढ़ने पर सोने में निवेश बढ़ जाता है।

कई दूसरी परिस्थितियां भी सोने के अनुकूल हैं। मसलन अमेरिका में मंदी की आशंका, ब्याज दरों में बढ़ोतरी थमने के आसार, शेयर बाजारों में गैर-वाजिब तेजी और भू-राजनीतिक तनाव।

अब 'जेल की बैरक' में खाना खा सकेंगे लोग 'जेलर और कैदी' वेटर बनकर देंगे सर्विस

जमशेदपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के जमशेदपुर में एक अलग तरह का थीम रेस्टोरेंट शुरू किया गया है। यह रेस्टोरेंट अपने खास अंदाज के लिए लोगों के बीच खासा लोकप्रिय हो रहा है। इस रेस्टोरेंट को जेल की थीम पर डिजाइन किया गया है और इस नाम दिया गया है कि 'कैदी किचन'। लौहनगरी के नाम से मशहूर शहर जमशेदपुर के विष्टुपुर स्थित जेजे हाइट्स में इस खास तरह के थीम रेस्टोरेंट का उद्घाटन 31 अगस्त को किया गया। इस रेस्टोरेंट में ग्राहक अपना पेट भरने के साथ-साथ जेल का अनुभव भी ले सकते हैं। इस रेंस्टोरेंट के इंटीरियर को जेल की तरह से डिजाइन किया गया है। इस रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां के मेन्यू में बहुत से ऐसे व्यंजन हैं जो शहर के लोगों के लिए बिल्कुल नए हैं। इस कैदी किचन में डायनिंग एरिया को जेल की कोठरी के तर्ज पर बनाया गया है जहां कैदियों और हथकड़ी लिए जेल के वेश में वेटर लोगों को सर्विस देते हैं।

पांच करोड़ से अधिक की मिली जीएसटी चोरी तो माना जाएगा आदतन चोर, होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। जीएसटी अधिकारी अब ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई शुरू कर सकेंगे, जहां कर चोरी, गलत ढंग से लिए गए इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) या रिफंड की रकम 5 करोड़ रुपये से अधिक होगी। वित्त मंत्रालय के तहत आने वाली जीएसटी जांच इकाई ने शुक्रवार को नए दिशा-निर्देश में कहा, पर्याप्त सबूत मिलने पर ही जीएसटी चोरी के मामले में आरोपी (कंपनी या कारोबारी) के खिलाफ कर अधिकारी कानूनी कार्रवाई शुरू करने का फैसला ले सकेंगे। इसमें कहा गया है, कानूनी कार्रवाई सामान्य तौर पर उन्हीं मामलों में शुरू हो सकती है, जहां कर चोरी की राशि, आईटीसी का दुरुपयोग या धोखाधड़ी से लिए रिफंड की राशि 5

करोड़ से अधिक है। कर अधिकारी को कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए अपराध की प्रकृति, गंभीरता, कर चोरी या आईटीसी के दुरुपयोग की राशि, धोखाधड़ी कर रिफंड जुटाने के सबूत जमा करने होंगे। उसके बाद ही आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने पर अंतिम फैसला लिया जा सकेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा, पर्याप्त सबूत तभी कार्रवाई का फैसला लेंगे कर अधिकारी अपराध की प्रकृति, कर चोरी या आईटीसी का दुरुपयोग, धोखाधड़ी कर रिफंड जुटाने के जमा करने होंगे सबूत

इन पर लागू नहीं होगी सीमा

वित्त मंत्रालय ने कहा कि 5 करोड़ रुपये की यह सीमा कुछ कारोबारियों पर लागू नहीं होगी। वैसे कारोबारी जिन्हें जीएसटी विभाग आदतन कर चोर मानता है यानी जो आदतन कर चोरी करते हैं, उनके मामले में यह सीमा लागू नहीं होगी। उन मामलों में भी यह सीमा लागू नहीं होगी, जहां जांच के समय गिरफ्तारी की जा चुकी है।

...तो इन्हें माना जाएगा आदतन कर चोर

किसी कंपनी या करदाता को आदतन चोर तब घोषित किया जाएगा, जब उस पर पिछले दो साल में 5 करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी या आईटीसी के दुरुपयोग या धोखाधड़ी से रिफंड जुटाने और तथ्यों को छिपाने समेत अन्य गैर-कानूनी मामलों में दो या दो से अधिक केस शामिल होने की पुष्टि होगी। इस पर केंद्रीय अप्रत्यक्ष एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बताया कि आदतन चोरों की पहचान करने के लिए डिजिट डाटाबेस का इस्तेमाल किया जा सकता है। दिशा-निर्देश में कहा गया है कि अगर जांच के दौरान किसी आरोपी को गिरफ्तार किया जाता है और उसकी जमानत नहीं होती है तो गिरफ्तारी के 60 दिनों के भीतर उसके खिलाफ कोर्ट में मामला पेश करने का पूरा प्रयास किया जाना चाहिए।

दुष्कर्म मामलों पर बयान देकर घिरे गहलोत

भाजपा ने कहा-पीड़िताओं को ही झूठा बता रहे, माफी मांगें

जयपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एनसीआरबी रिपोर्ट आने के बाद दुष्कर्म को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में दर्ज आधे से ज्यादा दुष्कर्म के मामले झूठे होते हैं।

उनके इस बयान की भाजपा ने निंदा की है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि पीड़िताओं के साथ खड़े होने के बजाय सीएम गहलोत कह रहे हैं कि 56 फीसदी महिलाएं झूठी हैं।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें उन्होंने सीएम अशोक गहलोत को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि सीएम गहलोत कहते हैं कि 56 फीसदी महिलाएं झूठी हैं और उन्हें दंडित किया जाएगा। ऐसे में क्या महिलाएं मामले दर्ज करने के लिए

पुलिस के पास जाएंगी? क्या वे सशक्त महसूस करेंगी? उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत से स्पष्टीकरण मांगा जाना चाहिए और उनसे माफी मांगने के लिए कहा जाना चाहिए।

क्या कहा था सीएम गहलोत ने

बता दें कि एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार देश में सबसे अधिक दुष्कर्म राजस्थान में होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में रोजाना 17 महिला दुष्कर्म की शिकार होती हैं। एनसीआरबी रिपोर्ट के आने के बाद सीएम गहलोत ने कहा था कि बढ़े दुष्कर्म केस के पीछे कम्पल्सरी एफआईआर की व्यवस्था है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आधे से ज्यादा केस झूठ होते हैं। दुष्कर्म की घटनाएं करने कोई विदेशी आता है क्या? अधिकांश घटनाएं परिवार के जान-पहचान वाले हर करते हैं, या उनमें अपने शामिल होते हैं। सीएम ने कहा कि महिला अपराध के जो केस हैं, उसमें आधे से ज्यादा यानि करीब 56 फीसदी झूठे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चिंता का विषय है कि कुछ लोगों ने हमारी सरकार की एफआईआर को अनिवार्य पंजीकरण की नीति का दुरुपयोग किया है। उन्होंने झूठी एफआईआर भी दर्ज करवाईं। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में 2019 में महिला अपराधों की 45.28 फीसदी, 2020 में 44.77 फीसदी और 2021 में 45.26 फीसदी एफआईआर जांच में झूठी निकली। झूठे मामले दर्ज करवाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है और आगे भी की जाएगी।

झाड़ियों में पड़ा मिला नवजात, रोने की आवाज सुनकर पहुंचे लोगों ने अस्पताल में कराया भर्ती

कोटा, 3 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पाली जिले की सोजट सिटी में लावारिस हालत में एक नवजात बच्चा मिला है। शिवपुरा थाना इलाके में लुण्डावास मार्ग पर झाड़ियों में से किसी बच्चे की रोने की आवाज आ रही थी। राहगीरों ने रोने की आवाज सुनकर झाड़ियों में पहुंचे तो दंग रह गए। कपड़े में लिपटा नवजात झाड़ियों में पड़ा रो रहा था। लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और नवजात को सोजत के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया। शिवपुरा थाना अधिकारी महेश गोयल ने बताया कि झाड़ियों में मिला नवजात लड़का है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नवजात पूरी तरह से स्वस्थ है। केस दर्ज कर उसे जन्म देने वाली मां और उसके परिवार के बारे में पता लगाया जा रहा है।

सरकारी स्कूल में दलित बच्चियों ने खाना परोसा तो रसोइए ने फेंका, आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। जालोर में शिक्षक की पिटाई से दलित बच्चे की मौत का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा है। इसी बीच प्रदेश के कई जिलों से दलित छात्रों की पिटाई के कई मामले सामने आए हैं।

अब उदयपुर में दलित बच्चियों ने खाना परोसा तो उसे फिकवाने का आरोप लगा है। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार मामला उदयपुर के गोगुंदा थाना क्षेत्र के भारोडी गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का है।

(फाइल फोटो)

स्कूल की दलित छात्रा डिंपल मेघवाल और नीमा मेघवाल ने स्कूल के कुक लालूराम गुर्जर पर भेदभाव का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि दोनों के खाना परोसने के कारण खाना खाना फिकवा दिया गया। इस मामले को लेकर दोनों ने रसोइये के खिलाफ गोगुंदा थाने में मामला दर्ज करवाया है।

इस मामले में सीओ भूपेंद्र सिंह ने बताया कि स्कूल के रसोइये लालूराम गुर्जर को गिरफ्तार किया गया है। सीओ ने बताया कि प्राथमिक जानकारी में सामने आया कि कुछ बच्चे खाना खा रहे थे। ऐसे में उन बच्चों को यह दोनों बच्चियां खाना परोसने लगीं। इसे लेकर रसोइये ने विरोध जताया। वहीं छात्रा डिंपल मेघवाल और नीमा मेघवाल का कहना है कि शुक्रवार को स्कूल में भोजन के समय कुछ बच्चे खाना खा रहे थे। इस दौरान वे अपने साथी बच्चों को खाना परोस परोसने लगी। उनके खाना परोसे जाने से नाराज होकर कुक लालूराम गुर्जर उनके साथ ने उन्हें अपशब्द कहे और जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल किया। फिलहाल, पुलिस इस पूरे मामले की जांच करने में जुटी हुई है।

राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष ने गहलोत सरकार पर उठाए सवाल

कहा-गहलोत के टालमटोल-माइंडसेट से पुलिस काम करती है, इससे महिलाओं को न्याय नहीं मिलता

जयपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। महिलाओं के खिलाफ अपराध के 50 फीसदी से ज्यादा मामले झूठे होने का दावा करने के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान के बाद अब राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने सवाल उठाए हैं।

रेखा शर्मा ने गहलोत सरकार और राजस्थान पुलिस पर भी टालमटोल वाले माइंडसेट से काम करने और महिलाओं को न्याय नहीं मिलने का आरोप लगाया है। रेखा शर्मा ने गहलोत के बयान पर ट्वीट करते हुए लिखा- महिलाओं के खिलाफ अपराध के 50 फीसदी मामले झूठे बताकर गहलोत जिम्मेदारी से बचना चाहते हैं, सीएम की तरह उनकी पुलिस का माइंडसेट और रवैया भी टालमटोल वाला है। गहलोत की तरह ही उनकी पुलिस काम करती है। इसकी वजह से राजस्थान में महिलाओं को न्याय नहीं मिल पाता। राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष ने राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को लेकर पहले भी राजस्थान सरकार पर गंभीर सवाल उठाए थे।

कुछ माह पहले जयपुर दौरे के समय भी महिला आयोग अध्यक्ष ने राजस्थान सरकार पर सवाल उठाए थे और सीएम अशोक गहलोत पर मिलने का समय नहीं देने का भी आरोप लगाया था।

राजस्थान के 20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

जयपुर, भरतपुर, अलवर में फिर एक्टिव होगा मानसून-10 दिन से खुले हैं बीसलपुर के गेट

जयपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। पड़ोसी देश पाकिस्तान-अफगानिस्तान में टेम्परेचर बढ़ने से लो प्रेशर एरिया बन गया है। इस कारण मानसून एक बार फिर से तेजी से एक्टिव हो रहा है। यानी राजस्थान में बारिश का दौर दोबारा शुरू होने वाला है। प्रदेश के पूर्वी और दक्षिणी जिलों में तो बारिश शुरू भी हो चुकी है। मौसम विभाग ने जयपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, झुंझुनूं, सीकर, टोंक, बूंदी, भीलवाड़ा, उदयपुर, सिरोही के माउंट आबू, झालावाड़, बारां, राजसमंद, कोटा, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ जिलों और आसपास के इलाकों में बिजली की गरज-चमक के साथ हल्की से भारी बारिश का अलर्ट

जारी किया है।

इसी के साथ 9 सितंबर से 15 सितंबर तक पूरे प्रदेश में भारी बारिश होगी। सितंबर महीने में औसत से ज्यादा 109 पर्सेंट बारिश राजस्थान में होगी। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान में इस साल मानसून के दौरान अब तक 1 जून से 31 अगस्त तक कुल 539.9 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हो चुकी है। यह औसत से 45 पर्सेंट ज्यादा है। इससे पहले साल 1944 में जून, जुलाई और अगस्त महीने के दौरान पूरे प्रदेश में कुल 611 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी।

जयपुर में बारिश का दौर, बांसवाड़ा-भीलवाड़ा-राजसमंद में 7 सेमी बारिश रिकॉर्ड

पिछले 24 घंटे में पूर्वी राजस्थान में 1 से 7 सेंटीमीटर तक बारिश रिकॉर्ड की गई है। पश्चिमी राजस्थान में 1 सेंटीमीटर से कम बारिश रिकॉर्ड हुई है। जयपुर में शुक्रवार से ही बारिश का दौर जारी है। इसके अभी जारी रहने की संभावना है। वहीं, राजधानी में अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। बांसवाड़ा के घाटोल, भुंगड़ा, भीलवाड़ा और राजसमंद के आमेट में सबसे ज्यादा 7 सेंटीमीटर पानी बरसा है। उधर, राजस्थान में मानसून की विदाई तय समय पर सितंबर अंत में होने की संभावना है। लेकिन वेदर फोरकास्ट के मुताबिक उससे पहले राजस्थान में भारी बारिश का एक दौर और आएगा।

मूसेवाला के हत्यारे लॉरेंस-गोल्डी पर आतंक वाला एक्ट यूएपीए

टारगेट किलिंग बना आधार; कन्हैया को मारने वालों पर भी यही एक्ट

नागौर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के मानसा में 29 मई को पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर हत्या और 28 जून को उदयपुर के भूतमहल इलाके में टेलर कन्हैया लाल का दिनदहाड़े गला रेत दिया गया। इन दोनों घटनाओं में एक चीज कॉमन है, वह है यूएपीए (अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट)। उदयपुर हत्याकांड में शामिल रहे रियाज अत्तारी व गौस मोहम्मद पर यूएपीए एक्ट लगाया गया था। अब यही एक्ट सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड वाले लॉरेंस, गोल्डी बरार और इनके गैंग पर लगाया गया है। दिल्ली पुलिस ने मूसेवाला हत्याकांड के आरोपी लॉरेंस व गोल्डी बरार के खिलाफ यूएपीए एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की।

लॉरेंस का अब जेल से निकलना मुश्किल

इस एक्ट के लगने के बाद लॉरेंस और उसकी गैंग के खिलाफ अब आतंकवादियों की तरह सख्त एक्शन लिया जा सकेगा। लॉरेंस व गैंग पर इस लॉ का शिकंजा कसने का एक ही मतलब है, वह अब जेल की सलाखों से जल्द बाहर नहीं आ सकता। उसकी पूरी गैंग की कमर इसी एक्ट के जरिए तोड़ने की तैयारी है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर गुरुवार को दिल्ली पुलिस ने सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड मामले में लॉरेन्स, गोल्डी व इनके गुर्गों के खिलाफ यूएपीए एक्ट की धाराओं में 2 एफआईआर दर्ज की हैं। दूसरी एफआईआर बंबीहा नीरज गैंग के 12 गुर्गों के खिलाफ हुई है।

कांग्रेस की महंगाई विरोधी रैली को सफल बनाने का प्लान

राजस्थान से 50 हजार कार्यकर्ता जाएंगे दिल्ली

जयपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। देश में बढ़ती महंगाई के खिलाफ 4 सितंबर को कांग्रेस दिल्ली में महंगाई विरोधी हल्ला बोल रैली का आयोजन करेगी। राजस्थान में कांग्रेस पार्टी की सरकार है। ऐसे में दिल्ली में आयोजित महंगाई रैली में सबसे ज्यादा कार्यकर्ता राजस्थान से ले जाने की तैयारी है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने 50 हजार कार्यकर्ता दिल्ली ले जाने का दावा किया है।

कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण (सीईए) के प्रमुख मधुसूदन मिस्त्री ने नामांकन से लेकर मतगणना तक का कार्यक्रम घोषित कर दिया है लेकिन अभी तक भी मतदाता सूची जारी नहीं हुई है। मिस्त्री का कहना है कि मतदाता सूची को सार्वजनिक नहीं किया जाएगा। कांग्रेस की ओर से नौ हजार मतदाता बजाए जा रहे हैं,

जो अध्यक्ष चुनने के लिए वोट देंगे। शशि थरूर से लेकर सांसद मनीष तिवारी तक मतदाता सूची को सार्वजनिक करने की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस में अशोक गहलोत, हरीश रावत, जयराम नरेश, केसी वेणुगोपाल जैसे नेता चाहते हैं कि राहुल गांधी के सामने कोई अन्य नेता नामांकन दाखिल न करें लेकिन अब ऐसा लगता है कि कई नेता नामांकन दाखिल कर सकते हैं।

अध्यक्ष पद की खींचतान के बीच ही कांग्रेस ने चार सितंबर को दिल्ली में होने वाली महंगाई विरोध रैली को सफल बनाने की कवायद शुरू कर दी है। दिल्ली रैली को सफल बनाने के लिए उद्देश्य से ही कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और राजस्थान के प्रभारी अजय माकन जयपुर आए हुए हैं। दो सितंबर को माकन ने कहा कि राजस्थान से करीब 50 हजार कांग्रेस के कार्यकर्ता दिल्ली रैली में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि महंगाई की वजह से आम आदमी परेशान है। इसलिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचकर अपना विरोध जताएंगे।

माकन ने कहा कि राजस्थान दिल्ली का पड़ोसी राज्य हैं। इसलिए सबसे ज्यादा कार्यकर्ता रैली में राजस्थान के ही होंगे। लक्ष्य के मुताबिक कार्यकर्ता रैली में पहुंचे इसके लिए ब्लॉक स्तर पर योजना बनाई गई है। माकन ने बताया कि 7 सितंबर से राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा भी शुरू हो रही है। राजस्थान में जो नेता राहुल गांधी के साथ रहेंगे, उनकी सूची भी जारी कर दी गई है। इस सूची में युवाओं को ज्यादा महत्व दिया गया है।

जयपुर के बॉम्बे हॉस्पिटल में 3 मजदूरों की मौत

लोहे का एंगल से टूटी ग्रेनाइट स्लैब

जयपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर के जगतपुरा स्थित बॉम्बे हॉस्पिटल में शुक्रवार दोपहर ग्रेनाइट की स्लैब टूटने से 4 मजदूर दब गए। हादसे में 3 मजदूरों की मौत हो गई। ग्रेनाइट स्लैब के नीचे दबने से घायल एक मजदूर को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। मृतकों के परिजनों की तरफ से शिकायत मिलने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। शिवदासपुरा थाने के एसएचओ हरिपाल सिंह पुलिस ने बताया कि हादसे में बिहार निवासी सुनील और झारखंड के देवघर निवासी प्रदीप पूजर व अजय तूरी की मौत हो गई। घायल मनोज सुरने का प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। चारों जगतपुरा में किराए से रहते थे। जगतपुरा स्थित बॉम्बे हॉस्पिटल में मजदूरी का काम कर रहे थे।

भीलवाड़ा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर को सिर तन से जुदा करने की धमकी

धर्म परिवर्तन कराने का कहा

भीलवाड़ा, 3 सितंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को कन्हैयालाल हत्याकांड की तरह सिर तन से जुदा करने की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद युवक का पूरा परिवार डरा हुआ है। इंजीनियर तीन दिन पहले ही भीलवाड़ा आया था।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार सॉफ्टवेयर इंजीनियर के घर की बालकनी में गुरुवार को धमकी भरा एक पत्र मिला।

जिसमें उसे धर्म बदलने की धमकी दी गई। बात नहीं मानने पर सिर तन से जुदा करने की बात लिखी है। पीड़ित इंजीनियर ने सुभाष नगर थाने में मामला दर्ज करवाया है। सुभाष नगर थाना प्रभारी नंदलाल रिणवा ने बताया कि शहर के विद्युत नगर निवासी विजय अग्रवाल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसने पुलिस को बताया कि वह पुणे के एक बैंक में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। पिता की तबीयत खराब होने पर चार दिन पहले ही वह भीलवाड़ा लौटा है। गुरुवार दोपहर को उसके घर के बाहर की तरफ बनी बालकनी में उसे एक लेटर मिला।

क्या लिखा है पत्र में

लेटर में लिखा था कि तुम्हारी सारी जानकारी हमारे पास है। हमारे लिए काम करो। अपना और अपने बच्चों को धर्म बदल लो।

अगर तुम धर्म परिवर्तन नहीं करते हो तो सिर कलम कर दिया जाएगा। पत्र में धर्म परिवर्तन कराने के लिए पैसे देने का भी लालच दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पत्र को कब्जे में ले लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच में जुट गई। वहीं पीड़ित इंजीनियर की सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

नंगा कर युवक की बेरहमी से पिटाई, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

बीकानेर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। बीकानेर के कोलायत के मढ से मानवता को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। यहां एक युवक को कुछ लड़कों ने नंगा करके बेरहमी से पीटा।

वहीं आरोपियों ने पिटाई का वीडियो भी बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बेरहमी से पिटाई के कारण युवक मानसिक रूप से तनाव में चला गया। वहीं नया शहर पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़ित युवक ने नयाशहर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

युवक ने बताया कि वो 23 अगस्त को मुक्ता प्रसाद कॉलोनी में किराए के मकान पर था। इस दौरान आरोपी सद्दाम और रामलाल उसके घर आए और उसे जबरन शराब पिलाई।

नाबालिग से गैंगरेप : आरोपियों ने अश्लील वीडियो बनाए वायरल करने की धमकी देकर बनाया कॉलगर्ल

कोटा, 3 सितंबर (एजेंसियां)। कोटा जिले में नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है। 15 साल की लड़की को उसकी सहेली और उसके दोस्त ने काम दिलाने के बहाने चंगुल में फंसाया। जिसके बाद उसके साथ अन्य युवकों ने गैंगरेप किया। आरोपियों ने नाबालिग का वीडियो भी बना लिया, जिसे वायरल करने की धमकी देकर आरोपी उससे कॉलगर्ल का काम करा रहे थे। अब पीड़िता ने थाने पहुंचकर केस दर्ज कराया है। कोटा उद्योग नगर थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता 15 साल की है। पुलिस को दी अपनी रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि कुछ साल पहले उसके पिता की मौत हो गई थी। जिसके बाद से उसकी मां तनाव ग्रस्त हो गईं और मानसिक रूप से बीमार हो गई। उसका भाई पहले से ही मानसिक रूप से बीमार है। घर में कोई कमाने वाला नहीं था, ऐसे में परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया।

इस कारण नौकरी के लिए उसने अपनी सहेली से बात की। 18 साल की उसकी सहेली ने उसे अपने प्रेमी से मिलवाया और काम दिलाने की बात कही। कुछ दिन बाद दोनों ने उसे एक रोहित नाम के युवक के पास भेजा। पीड़िता से कहा कि रोहित उसे काम दे देगा। पीड़िता रोहित से मिली तो वह उसे एक होटल में ले गया। जहां उसके साथ दुष्कर्म किया और जबरन शराब पिलाई।

इसके बाद आरोपी रोहित ने अपने दोस्तों को बुलाया और सभी ने उसके साथ गैंगरेप किया। इस दौरन आरोपियों ने उसके अश्लील वीडियो भी बना लिए। जिन्हें वायरल करने की धमकी देकर आरोपी उससे कॉलगर्ल का काम कराने लगे। अब पीड़िता पुलिस के पास पहुंची और आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। साथ ही पीड़िता का मेडिकल भी कराया गया है।

'1998 के बाद 100 का आंकड़ा पार नहीं कर पाए'

दिव्या ने सरकार रहते कांग्रेस की हार याद दिलाई

एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष पर भी निशाना

जयपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। छात्रसंघ चुनावों में एनएसयूआई की हार पर कांग्रेस में उठा विवाद बढ़ता ही जा रहा है। सीएम गहलोत और पायलट समर्थकों के बीच सोशल मीडिया पर जंग चल रही है। इसमें अब कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा की एंट्री हो गई है।

दिव्या ने एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष अभिषेक चौधरी पर सवाल उठाने के साथ सरकार में रहते कांग्रेस की करारी हार का जिक्र कर कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति में फिर उथल-पुथल मचा दी है। दरअसल, एक ट्वीट में सीएम अशोक गहलोत के एक बयान का जिक्र था जो उन्होंने 2013 में कांग्रेस हार पर जोधपुर में दिया था। इसमें उन्होंने कांग्रेस की 21 सीटों की तुलना बीजेपी को पहले मिली 33 सीटों से की थी।

इस ट्वीट पर दिव्या ने रिप्लाई करते हुए लिखा कि- लेकिन हम 1998 के बाद कभी 100 का आंकड़ा पार नहीं कर पाए। एनएसयूआई की हार पर चर्चा के बीच ही यह जिक्र आने से अब नई बहस शुरू हो गई है।

1998 के बाद कांग्रेस ने गठबंधन सरकारें ही चलाई 1998 में राजस्थान में 156 सीट के प्रचंड बहुमत से कांग्रेस की सरकार बनी, अशोक गहलोत पहली बार सीएम बने। 2003 में कांग्रेस चुनावों में बुरी तरह हारी और बीजेपी ने पहली बार 120 सीटें जीतकर अपने बूते सरकार बनाई, वसुंधरा राजे पहली बार सीएम बनीं। 2008 के चुनावों में बीजेपी हारी और कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी, लेकिन उसका आंकड़ा 96 सीट पर अटक गया, गहलोत दूसरी बार सीएम बने। निर्दलीयों और बसपा के सहयोग से सरकार बनी। 2013 के चुनावों में बीजेपी ने कांग्रेस को बुरी तरह हराया, कांग्रेस की इतिहास की सबसे बड़ी हार हुई और केवल 21 सीटें आई। 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी हारी लेकिन कांग्रेस की खुद की 99 सीट ही आईं, बाद में रामगढ़ सीट जीतने के बाद आंकड़ा 100 पहुंचा, फिर बसपा के छह विधायकों का विलय करवाया और 13 निर्दलीयों का सहयोग लेकर सरकार बनी। दिव्या मदेरणा ने अभिषेक चौधरी के बयान पर पलटवार करते हुए ट्वीट किया-शून्य पर रन आउट होने को शानदार प्रदर्शन कहने वाले यह पहले और अंतिम व्यक्ति होंगे। संगठन को भी दोष नहीं दे सकते हैं क्योंकि यह जब अध्यक्ष बने थे तब जबरदस्त आपाधापी चल रही थी, स्वयं सरकार संकट में थी, एनएसयूआई का अध्यक्ष कौन बने या ना बने उस समय किसी को भी इसमें लेश मात्र रुचि नहीं थी। चाहे वह राजस्थान विश्वविद्यालय 2014 में एनएसयूआई के बाग़ी हो या फिर कोई भी।

हार पर भी सवाल उठाए थे

मदरेणा ने एनएसयूआई की बुरी तरह हार पर भी सवाल उठाते हुए खराब टिकट वितरण और गुटबाजी को इसका कारण बताया था। उन्होंने कहा था कि एनएसयूआई की हार का मुख्य कारण योग्य उम्मीदवारों को टिकट नहीं देना है।

सही उम्मीदवार को टिकट दिया तो टिकट देने में बहुत विलंब किया, जिससे समीकरण बिगड़ गए। चुनाव जीतने की रणनीति पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाए।

किसी भी गणेश मंडप में डीजे नहीं लगे : जिला एसपी

निर्मल, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला के एसपी प्रवीण कुमार ने त्योहार समिति के सदस्यों को बताया कि गणेश नवरात्रि के हिस्से के रूप में, उत्सव समिति के सदस्य हमेशा गणेश मंडपों में उपलब्ध रहें और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए ध्यान रखें। भले ही वे भैंसा शहर के गणेश मंडपों में जाएं। यह सुझाव दिया गया है कि उत्सव समितियों को मंडप में पूजा के लिए आने वाले भक्तों को किसी भी तरह की असुविधा से बचने के लिए कदम उठाने चाहिए। कम ध्वनि प्रदूषण वाले स्पीकर लगाए जाएं, ताकि बुजुर्गों और पढ़ने वाले छात्रों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार स्पीकर का इस्तेमाल रात 10 बजे तक ही किया जाना चाहिए। अधिकारियों को सलाह दी गई कि वे नियमित रूप से अपने थानों के अंतर्गत गणेश मंडपम का दौरा करें। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे गणेश नवरात्रि शांतिपूर्ण माहौल में बिना किसी गैर कानूनी गतिविधि के मनाएं, गणेश नवरात्रि भक्ति भाव से मनाएं और नवरात्रि पर्व की विशिष्टता और पवित्रता बनाए रखें और पुलिस का सहयोग करें। इस मौके पर भैंसा एएसपी किरण खरे आईपीएस, एसबी इंस्पेक्टर रमेश, टाउन सीआई प्रवीण कुमार, एसआई और पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

श्री आईमाता मंदिर में गणेश विर्सजन आज

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में स्थापित गणेश प्रतिमा का विसर्जन कार्यक्रम समाज बन्धुओं के सानिध्य में रविवार 4 सितम्बर प्रात: 11 बजे पूजा-अर्चना व अन्नदानम कार्यक्रम आयोजितकर किया जाएगा। अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा, सचिव हीरालाल सैंणचा ने बताया कि विर्सजन कार्यक्रम समाज बन्धुओं के सानिध्य मे किया जाएगा। प्रात: वेला मे पुजा-अर्चना, अभिषेक कार्यक्रम व महाआरती के पश्चात् प्रात: 11 बजे लड्डु बोली का विशेष कार्यक्रम आयोजितकर पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए अन्नदानम प्रात: 11 बजे कार्यक्रम स्थल पर रहेगा। अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा ने छत्तीस कोम समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन किया है कि सपरिवार समयपर पधारकर लाभ लें।

सनातन धर्म सर्व पंथ समिति की बैठक आज

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सनातन धर्म सर्व पंथ समिति की बैठक कल 4 सितंबर को लक्ष्मी नृसिंह स्वामी मंदिर, क्लाक टवर सुलतान बाजार हैदराबाद में की जाएगी। आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार समिति का मुख्य उद्देश्य और दुरदृष्टि से यह मानना है कि एकता ही देश की अखंडता का मुल मंत्र है। इसके आधार पर समिति कार्यरत है। सभी जैन, बौध, सीख, हिंदू आदि पंथ को जोडने का हमारा कर्तव्य है। सभी सीख, जैन, बौध, हिंदू धर्म के सभी संत ऋषि मुनि और गुरु के मार्ग दर्शन पर हम आगे बढ रहे हैं। इसी एकता को ध्यान में रखकर इस वर्ष त्यौहार मिलन और एकता दिवस आयोजित करने के लिये 4 सितंबर, समय 11 बजे समिति की बैठक की जा रही है।

जन सेवा संघ ने मृत व्यक्ति के परिजन को मुआवजा दिलाया

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव केड़ी चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बाचपल्ली स्थित जेके ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में गाजीपुर के निवासी श्रवण कुमार यादव (35) कार्य करते थे।

उनका 31 अगस्त 2022 को अचानक मृत्यु हो गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही जन सेवा संघ के अध्यक्ष एलएम चौधरी, महासचिव केड़ी चौबे, नरेंदर प्रसाद, पिंटू सिंह, नंदलाल, मुन्ना खान, बहरण यादव, राज कुमार, मुकेश यादव, पंकज यादव, रामाशीष, मन्नू सिंह, श्याम राणा, नंद किशोर यादव, विजय, बीके पाल ने कंपनी के मालिक से बात की, पर मृत व्यक्ति को मदद एवं मुआवजा देने से मालिक ने इंकार कर दिया। तत्पश्चात धरना प्रदर्शन किया गया, तब जाकर 5,00,000 रुपये का मुआवजा दिया और इसके पश्चात दिवंगत आत्मा का विधिवत अंतिम संस्कार किया गया।

जन सेवा संघ के अध्यक्ष एलएम चौधरी एवं महासचिव श्री केडी चौबे ने इस मानवतावादी कार्य में सहयोग के लिये आईडीए बोलाराम अध्यक्ष श्री नरेंदर प्रसाद एवं उनकी टीम और उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद किये।

दिलसुखनगर स्थित गणेश मण्डप में स्थापित गणेश प्रतिमा की पूजा-अर्चनाकर दर्शन-वंदन कार्यक्रम में उपस्थित शंकरसिंह राजपुरोहित ढोनड़ी, सोहनसिंह बिरावास, लक्ष्मणसिंह निमाज, पृथ्वीसिंह, शंकरसिंह धांगड़वास, हीरसिंह, शम्भुसिंह, राजुसिंह, धर्मराज राजपुरोहित व अन्य।

केबीआर पार्क में गणेशजी पूजा के चौथा दिन के मुख्य यज्ञ में भाग लेते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, गोपाल बल्देवा, पीसी जैन, गोविंदलाल, कीर्ति मोहंक, ताराचंद बंसल, दिनेश अग्रवाल, डॉ. एम. विजया रेड्डी, प्रताप रेड्डी, माया गणेश। इसमें करीब 500 भक्तों ने भाग लिया।

श्री विघ्नेश्वर यूथ एसोसिएशन, श्रीराम कॉलोनी में स्थापित गणेश पंडाल में भाग लेते हुए जी. राजू, पी. शंकर, भीमराज, मल्लेश, महेश, अजय व अन्य।

चैतन्यपुरी में तपस्वी बहुमान व वरघोडा भव्यता से सम्पन्न

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चैतन्यपूरी स्थित श्री अचलगच्छ जैन संघ संचालीत श्री वासुपूज्य स्वामि जिनालय में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व की आराधना भव्यता एवं उल्लासपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। आज यहाँ संघ द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में चातुर्मास के प्रधान संयोजक केशवजीभाई छेडा एवं संघ के सदस्य किर्ती मोमाया ने बताया कि चैतन्यपुरी स्थित श्री अचलगच्छ जैन संघ संचालीत श्री वासुपूज्य स्वामी जिनालय में शासन सम्राट प.पू.आ.भ. श्री गुणसागरसूरीश्वरजी म.सा. एवं प.पू.आ.भ. श्री गुणोदयसागरसूरीश्वरजी म.सा. की दिव्य कृपा से एवं एवं दक्षिण दीपक, साहित्य दिवाकर प.पू.आ.भ. श्री कलाप्रभसागरसूरीश्वर म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी प.पू. साध्वीश्री हंसावलीश्रीजी, की सुशिष्या प.पू. साध्वीश्री विजयपूर्णाश्रीजी म.सा., साध्वीश्री विरागपूर्णाश्रीजी म.सा., प्रखर व्याख्याता साध्वीश्री चंद्रसुधाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा 3 एवं ''चैतन्य रत्न'' श्री नरेन्द्रभाई रामजी नंदु की सद्भावना से पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व भव्यता एवं उल्लासपूर्ण माहौल मे सम्पन्न हुआ। चातुर्मास के मुख्य लाभार्थी संघमाता श्रीमती मंजुलाबेन उत्तमचंद नरशी मोमाया एवं संघरत्न मातुश्री लक्ष्मीबेन प्रेमजी नरशी छेडा परिवार, सुवर्ण दाता, रजत दाता लाभार्थी परिवार के साथ साथ बडी संख्या मे धर्मप्रेमियों ने चातुर्मास एवं पर्युषण महापर्व मे भाग लिया एवं सहयोग दिया। आज 8 उपवास से ज्यादा तपस्या करने वाले तपस्वियो का बहुमान कार्यक्रम एवं भव्य वरघोडा बडी संख्या में उपस्थित भक्तों के बीच आयोजित हुआ।

बाबा गंगाराम भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी की भजन संध्या का आयोजन श्रीनगर कॉलोनी में हरिराम विष्णु सराफ के निवास स्थान पर बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर बाबा गंगाराम जी का पंचदेव दरबार सजाया गया, जिसमें बाबा गंगाराम सहित भक्त शिरोमणि श्री देवकीनन्दन, शक्ति स्वरुपा देवी गायत्री, माता लक्ष्मी, श्री शिव परिवार, श्री हनुमान, यथा माता दुर्गा का अलौकिक शृंगार किया गया। हैदराबाद के प्रसिद्ध भजन गायक श्री घनश्याम शर्मा ने इस अवसर पर अपनी मधुर वाणी में भजनों की अमृत वर्षा की। भजन संध्या में बड़ी संख्या में परिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ बाबा गंगाराम सेवा समिति हैदराबाद के सभी सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे और भजनों का आनंद लिया।

'हिन्दी विश्वभाषा कैसे बने' विषय पर हुई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

हिंदी के विशेष प्रचार-प्रसार के लिए चवकुल रामकृष्णा राव को मिला सम्मान

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय हिंदी समिति, नईदिल्ली के तत्वावधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिन्दी विश्वभाषा कैसे बने' विषय पर चर्चा की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता समिति के महामंत्री प्रवीण गुप्ता ने की। अपने संबोधन में श्री गुप्त ने कहा कि वैश्विक संदर्भ में हिंदी में वैज्ञानिक व तकनीकी लेखन भारी मात्रा में किये जा रहे हैं। इसलिए इसे बढावा देने के लिए यहां के अधिक संख्या में युवाओं को प्रशिक्षित किये जाने की आवश्यकता है। भारत के वैज्ञानिकों के चाहिए कि वे ज्यादातर वैज्ञानिक लेख आथद हिंदी में लिखें, ताकि हिंदुस्तान के अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठ सकें तथा इसका प्रचार-प्रसार विश्वभर में हो सके। उन्होंने कहा कि हिंदी को विश्वभाषा बनाने के लिए हिंदी के प्रचार-प्रसार में जुटी संस्थाओं को जीवित रखना हम सभी का दायित्व है। संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिये हैदराबाद के हिंदी प्रेमी मंडल के अध्यक्ष चवाकुल रामकृष्णा राव ने कहा कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता व अखंडता के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए साहित्यिक-सांस्कृतिक शोध संस्थाओं के द्वारा हिंदी भाषा वैश्विक बन सकती है। श्री राव ने इस अवसर पर संगोष्ठी के आयोजन के लिए अंतर्राष्ट्रीय हिंदी समिति को धन्यवाद दिया। उन्होंने समिति के महामंत्री प्रणव गुप्ता, डॉ. आशीष गुप्ता, भगवान वर्मा, इसफत अली आदि का आभार जताया।

इस अवसर पर हिंदी प्रेमी मंडल के संस्थापक अध्यक्ष स्व. चवाकुल नरसिम्ह मूर्ति को उनकी आजीवन हिंदी सेवा के लिए राष्ट्रभाषा हिंदी शांति पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उनके पुत्र चवाकुल रामकृष्णा राव ने स्वीकार किया।

श्री बजरंग लाल शुभकरण सिग्नोदिया के निवास स्थान पर पं. महावीर प्रसाद जोशी द्वारा आयोजित भागवत कथा में भाग लेते हुए हीरा लाल, बनारसीलाल, महेंद्र कुमार दिनेश सिग्नोडिया व अन्य।

तमन्ना गणेश एसोसिएशन, ईस्ट प्रशांत नगर कॅलोनी, मूसारामबाग द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में उपस्थित एसोसिएशन के सदस्य शिवनेश जायसवाल, संतोष, आंचल जायसवाल, कविता व अन्य।

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाडी सम्मेलन ने संसदीय लोक लेखा समिति के सदस्यों का सम्मान किया

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संसदीय लोक लेखा समिति के चेयरमैन अधिरंजन चौधरी के नेतृत्व में संसद सदस्य जगदम्बिका पाल, रामकृपाल यादव, श्यामसिंह यादव, डॉ. सत्यपाल सिंह, डॉ. थम्बी दोराई, भतृहरी मेहताब, प्रतापचन्द्र सडंगी, शक्ति सिंह गोहिल और समिति के निदेशक तीर्थंकरदास, लोकसभा के सहायक सचिव पंकजकुमार शर्मा, प्रदीप्तो राजपंडित-निजी सचिव, अशीको अलेमो, एक्जीक्ट्टीव ऑफीसर, राहुल गुप्ता के नगरागमन पर होटल फलकनुमा पैलेस में तेलंगाना प्रादेशिक मारवाडी सम्मेलन की ओर से प्रादेशिक अध्यक्ष रमेशकुमार बंग ने उनका सम्मान करते हुये मारवाडी सम्मेलन की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण दिया। स्वागत करते समय प्रादेशिक सम्मेलन के सी.एस. सुमन हेडा, अनिरुद्ध कांकाणी, सुमेश बंग, अवधेश सिंह एवम अन्य सदस्य भी उपस्थित थे ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन के तेलंगाना दौरे पर उनसे मुलाकात कर एसबीआईओए की ओर से उनका अभिनंदन किया गया। साथ ही केंद्रीय मंत्री को पेंशन अपडेशन और 5 दिन के कामकाज पर एक ज्ञापन सौंपा। इस पर उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। इस अवसर पर अध्यक्ष एस. अप्पास्वामी, महासचिव ए. साईप्रसाद आदि उपस्थित रहे।

रिश्तों को ठीक से संभालें : बीएचयू कुलपति

वारंगल, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रिश्तों को वास्तविक धन बताते हुए, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सुधीर के जैन ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) वारंगल के स्नातकों को उन्हें अच्छी तरह से प्रबंधित करने के लिए प्रोत्साहित किया है। शनिवार को यहां परिसर में आयोजित 20वें दीक्षांत समारोह में दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सफलता जीवन कौशल, मूल्यों और सकारात्मकता पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि सीखना कभी खत्म नहीं होता। यदि कोई व्यक्ति सोचता है कि उसकी शिक्षा आज समाप्त हो गई है, क्योंकि वह स्नातक कर रहा है, तो उसकी गलत राय है क्योंकि सीखना एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने उनसे एनआईटी वारंगल से जुड़े रहने और संस्थान के एक जिम्मेदार पूर्व छात्र के रूप में संस्थान की मदद करने की भी अपील की।

सिकंदराबाद इलेक्ट्रिक ट्रेड्स एसोसिएशन (एसईटीए) के तत्वावधान में लगाये गये इलेक्ट्री एक्सपो में दूसरे दिन में बतौर अतिथि उपस्थित गोविंद राठी का सम्मान करते हुए अध्यक्ष राजेश सुराणा, सचिव सुरेश जैन, फाइनकैब के बृजगोपाल भूतड़ा, फिल्मी अभिनेत्री स्पंदना। इससे पहले निकाले गये लॉकी ड्रा के विजेता को पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री राठी।

दूसरे पृष्ठ का शेष भाग

भाजपा नेताओं ने ...

इसके बाद सांसद ने अपना ट्वीट डिलीट कर दिया। इधर, डीसी ने एक ट्वीट करके सांसद से पूछा कि जब सन सेट शाम 6.03 बजे हो गया तो आपका चार्टर्ड प्लेन 6.17 बजे कैसा उड़ा। सांसद निशिकांत दुबे ने एक वीडियो जारी किया है। कहा, यह है देवघर एयरपोर्ट डायरेक्टर धींगरा और डीसी देवघर के बीच हो रही बहस का वीडियो, जो मुझे न्यूज चैनल से मिला। मंजूनाथ जबरदस्ती सिक्योरिटी एरिया में बिना अनुमति दाखिल हो गए। संज्ञान लेकर जेल भेजिए।

31 अगस्त को सांसद निशिकांत दुबे, मनोज तिवारी, कपिल मिश्रा देवघर से दुमका गए थे। ये सभी दुमका में पेट्रोल अटैक में मारी गई नाबालिग के पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे। दरअसल, दुमका में 23 अगस्त को एक नाबालिग लड़की को पड़ोस में ही रहने वाले शाहरुख हुसैन ने घर में ही पेट्रोल डालकर जला दिया था। रांची के रिम्स में उसका इलाज चला और 28 अगस्त को उसकी मौत हो गई थी।

खर्च घटाने की ...

ऐसे में वे फेयरवेल परेड का हिस्सा बन सकते हैं। विदाई के लिए स्पेशल परेड आयोजित करने का कोई औचित्य नहीं है।

बल के पूर्व अफसरों का कहना है कि भारत सरकार, वीआईपी संस्कृति को घटाने में लगी है। सीआरपीएफ में डीजी फेयरवेल परेड के नाम पर उसे बढ़ावा दिया जा रहा है। पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) के मैनुअल के अनुसार, डीजी विदाई परेड के लिए डिप्टी कमांडेंट रैंक के अधिकारी परेड कमांडर, असिस्टेंट कमांडेंट रैंक के अधिकारी परेड कमांडर होंगे। परेड के लिए कुल तीन कंपनी की संख्या के बराबर जवान तैनात किए जाएंगे। सीआरपीएफ, देश के विभिन्न हिस्सों में तैनात है और ऑपरेशनल ड्यूटी पर जवानों की कमी का सामना करना पड़ता है, ऐसे में डीजी विदाई परेड का आयोजन समझ से परे है। इतने अफसरों और जवानों के आवागमन व अन्य व्यवस्थाओं पर आने वाले करोड़ों के व्यय का भार सीआरपीएफ द्वारा ही वहन किया जाएगा। ये खर्च, बल की किसी न किसी मद में गलत तरीके से ही जुड़ेगा।

पाकिस्तान से आज मैच, टीम इंडिया की परेशानी बढ़ी

फखर जमान का विकेट लेने वाले आवेश खान को वायरल फीवर, टीम से बाहर हो सकते हैं

दुबई, 3 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच 4 सितंबर को होने वाले मैच से पहले टीम इंडिया को झटका लगा है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज आवेश खान का प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होना मुश्किल हो गया है। उन्हें वायरल फीवर है और वे दो दिन से होटल के कमरे से बाहर नहीं निकले हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया कि वे खेलने की स्थिति में नजर नहीं आ रहे हैं। मेडिकल टीम उनके साथ लगातार काम कर रही है। अगर आवेश प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं होते हैं तो भारतीय पेस अटैक को बड़ा नुकसान हो सकता है। वे एशिया कप में भारत के एकमात्र ऐसे गेंदबाज हैं जो 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बॉलिंग कर सकते हैं। खबर में आगे जानिए कि उनकी जगह किसे टीम में मौका मिल सकता है...

पाकिस्तान के खिलाफ लिया था अहम विकेट

आवेश खान भले ही ग्रुप मैच के दोनों मुकाबलों में महंगे साबित हुए हों, लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ फखर जमान का अहम विकेट लिया था। फखर भारत के खिलाफ जब-जब खेलते हैं उनका बल्ला जमकर बोलता है, ऐसे में आवेश ने टीम इंडिया को बड़ी सफलता दिलाई थी। वे ज्यादातर अहम मौकों पर टीम को ब्रेक-थ्रू दिलाते हैं। इसके कारण टीम मैनेजमेंट उन पर भरोसा दिखा रहा है।

समंदर के किनारे मस्ती करते नजर आए थे

शुक्रवार को बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में आवेश खान विराट कोहली के साथ वॉलीबॉल खेलते नजर आए थे। जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल के चोटिल होने के बाद अर्शदीप सिंह और आवेश खान को भुवनेश्वर कुमार के जोड़ीदार के रूप में भारतीय टीम में चुना गया था। एशिया कप में भुवी को छोड़कर, कोई भी पेसर अभी तक अपना प्रभाव छोड़ने में कामयाब नहीं हुआ है।

आवेश नहीं तो कौन होगा टीम का हिस्सा

आवेश अगर टीम से बाहर होते हैं तो दीपक चाहर प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हो सकते हैं। दीपक रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर यूएई गए हैं। अगर दीपक टीम का हिस्सा होते हैं तो भारत की बल्लेबाजी भी मजबूत होगी। दीपक आखिरी ओवरों में रन भी बना सकते हैं।

बर्ल के पंजे से कंगारू चित

जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में पहली बार हराया, 9 बैटर दहाई तक नहीं पहुंचे

टाउन्सविले, 3 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। जिम्बाब्वे ने शनिवार को ऐतिहासिक जीत हासिल की है। उसने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में किसी भी फॉर्मेट में पहली बार हराया है। तीन मुकाबलों की सीरीज के आखिरी मुकाबले को जिम्बाब्वे ने 3 विकेट से जीता।

इस जीत के हीरो लेग स्पिनर रायन बर्ल रहे। 28 साल के इस गेंदबाज ने 10 रन खर्च करके 5 विकेट चटकाए। उन्होंने 3 कैच भी पकड़े। बर्ल को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

जिम्बाब्वे ने पहले तो ऑस्ट्रेलियंस को 31 ओवर में उनके घर में महज 141 रनों पर आउट कर दिया। उसके बाद जीत के लिए जरूरी 142 रन 39 ओवर में सात विकेट पर हासिल कर लिए। टीम ने ऑस्ट्रेलिया में

ओवरऑल 16 मुकाबले खेले हैं। इनमें 2 टेस्ट और 14 वनडे मैच शामिल हैं। जिम्बाब्वे को वहां 2 टेस्ट और 13 वनडे में पराजय झेलनी पड़ी है।

वार्नर ने अकेले किला लड़ाया, पर शतक चूके

बर्ल की फिरकी गेंदों का कंगारू बल्लेबाजों के सामने कोई जवाब नहीं था। टीम ने 9 रन पर पहला विकेट गंवा दिया था। उसके बाद एक के बाद एक बैटर आउट होते गए, लेकिन डेविड वार्नर ने एक छोर संभाले रखा। वे 135 के टीम स्कोर पर 8वें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए, लेकिन सैकड़ा पूरा नहीं कर सके। वार्नर ने 96 गेंदों पर 94 रनों की पारी खेली। उन्हें भी बर्ल ने आउट किया।

वार्नर ने अपनी पारी में 14 चौके और 2 छक्के जमाए।

ताश के पत्ते जैसे गिरे विकेट

यहां जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर गेंदबाजी को चुना और उसका फैसला सही साबित हुआ। जब रिचर्ड नगरावा ने एरोन फिंच (5) को बर्ल के हाथों कैच कराया। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया और पूरी टीम ताश के पत्तों समान ढह गई। टीम के 9 बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को पार नहीं कर सके। उसकी ओर से वार्नर के अलावा ग्लेन मैक्सवेल (19) ही 10 के आंकड़े को पार कर सके।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क सबसे तेज 200 विकेट हासिल करने वाले गेंदबाज बन गए हैं। 32 साल के इस गेंदबाज ने 102 मैचों में यह कारनामा किया है। उन्हें रायान बर्ल का विकेट मिला। स्टार्क ने सकलेन मुश्ताक (104) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

सेरेना विलियम्स ने लिया संन्यास

विदाई लेते हुए कहा– मैं मां बनने और सेरेना के डिफरेंट वर्जन को एक्सप्लोर करने के लिए तैयार

न्यूयार्क, 3 सितंबर (एजेंसियां)। ओपन एरा की महानतम टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने अपने 27 साल के लाजवाब करियर को अलविदा कह दिया है। यूएस ओपन के तीसरे दौर में ऑस्ट्रेलियाई की आयला टोमीयानवीच से हराने के बाद दिग्गज टेनिस खिलाड़ी ने संन्यास की घोषणा की।

टोमीयानवीच ने उन्हें 7-5, 6-7, 6-1 से हराया। इस हार के बाद सेरेना टेनिस कोर्ट से विदाई ली। स्पीच के दौरान वे भावुक हो गईं और रोते हुए बोलीं- 'मैं सेरेना नहीं होती, अगर वीनस वहां नहीं होती।'

जब उनसे पूछा गया- 'क्या वे रिटारमेंट के फैसले पर फिर सोचोंगी।' तो सेरेना ने कहा- 'मुझे नहीं लगता, लेकिन आप नहीं जानते।'

40 साल की इस अमेरिकी खिलाड़ी ने कहा- 'मैं मां बनने और सेरेना के डिफरेंट वर्जन को एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हूं।' एक दिन पहले सेरेना ने अपनी बहन वीनस विलियम्स के साथ डबल्स मुकाबला खेला। वे

विमेंस डबल्स के पहले ही दौर में हार गईं। सेरेना के संन्यास के बाद हम आपको लिए चलते हैं उनके सफरनामे पर...

सेरेना ने 4 साल की उम्र में रैकेट थामा। उनके पिता चाहते थे कि कम से कम एक बेटी टेनिस स्टार बने। सेरेना का जन्म मिशिगन में हुआ था, लेकिन छोटी उम्र में ही उनका परिवार कैलेफोर्निया आ गया। सेरेना की मां ओरेसीन प्राइस और पिता रिचर्ड विलियम्स ने ही उन्हें ट्रेनिंग दी। जब वे 13 साल की थीं तब पिता उन्हें 6-6 घंटे कड़ी धूप में ट्रेनिंग करवाते थे।

'सेरेना ने साल 1996 में पहला प्रोफेशनल टेनिस टूर्नामेंट खेला। उन्होंने 24 साल पहले 1999 में अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम जीता था।'

अब तक वे 39 मेजर, यानी ग्रैंड स्लैम टाइटल जीत चुकी है। इनमें 23 सिंगल्स और 14 विमेंस डबल्स और 2 मिक्स्ड डबल्स शामिल हैं। सेरेना के नाम चार ओलिंपिक मेडल भी हैं।

16 की उम्र में डेब्यू और 17 में पहला ग्रैंड स्लैम जीता

सेरेना ने साल 1998 में ग्रैंड स्लैम डेब्यू किया। 1999 में चैंपियन हिंगिस को हराकर ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं। 6 ग्रैंड स्लैम तो 32 साल की उम्र के बाद जीते हैं। 2016 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में बहन वीनस को हरा 22 ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड बनाया।

सेरेना 2 महीने की गर्भवती थीं। सितंबर 2017 में बेटी को जन्म दिया। ठीक ढाई महीने बाद दिसंबर में कोर्ट पर वापसी की। उसके बाद विंबलडन 2018 और 2019, US ओपन 2018 और 2019 के फाइनल खेले, लेकिन जीत नहीं सकीं।

22 की उम्र में चारों बड़े खिताब जीते

सेरेना ने 22 साल की उम्र तक टेनिस के चारों मेजर टूर्नामेंट जीत लिए थे। इस दौर में उनकी बहन वीनस विलियम्स उनकी सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी बन गई थीं। उनकी तीन सौतेली बहनें भी हैं।

सेरेना के नाम दो गोल्डन स्लैम

सेरेना के नाम 2 गोल्डन स्लैम हैं। गोल्डन स्लैम करियर तब कहा जाता है जब कोई टेनिस खिलाड़ी अपने करियर में 4 ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन के साथ ओलिंपिक गोल्ड जीत लेता है। सेरेना ने 2012 में पहली बार ऐसा किया था। वे गोल्डन स्लैम हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी बनी थीं। बाद में बहन वीनस के साथ मिलकर डबल्स में भी यह कारनामा किया।

विवादों से घिरा रहा करियर

सेरेना अपने प्रदर्शन से जितनी चर्चा में रहीं, उतनी ही चर्चा उनके विवादों की हुई। चाहे अंपायर को चोर कहने का मामला हो, या फिर पिता पर मैच फिक्स करने के आरोप हों। उनके विवादों की खूब चर्चा रही।

2002 यूएस ओपन के दौरान वह कैट सूट पहनकर खेलने उतरीं और इस ड्रेस पर काफी हंगामा हुआ।

2018 यूएस ओपन के दौरान सेरेना ने अंपायर को चोर कहा था।

2000 में सेरेना के पिता रिचर्ड विलियम्स पर मैच फिक्स करने के आरोप लगे।

ब्रायन लारा सनराइजर्स हैदराबाद के हेड कोच बने

टॉम मूडी की जगह लेंगे, पिछले साल बैटिंग कोच थे

हैदराबाद, 3 सितंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज बैटर ब्रायन लारा सनराइजर्स हैदराबाद के हेड कोच बनाए गए हैं। वे टॉम मूडी की जगह लेंगे। वे पहली बार किसी T-20 टीम के हेड कोच बने हैं।

फ्रेंचाइजी ने शनिवार को अपने अधिकृत अकाउंट से यह ऐलान किया है।

उसने 53 साल के इस कैरेबियाई स्टार का फोटो पोस्ट करते हुए लिखा- 'क्रिकेटिंग लीजेंड ब्रायन लारा आने वाले सीजन के लिए हमारे हेड कोच होंगे।' उसने टॉम मूडी के फोटो के साथ लिखा- 'हमारा अनुबंध उनके साथ खत्म हो रहा है। इस मौके पर हम टॉम को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देना चाहेंगे।

यह सालों तक शानदार सफर रहा। हम भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।'

लारा साल 2021 में बतौर बैटिंग कोच हैदराबाद से जुड़े थे।

मूडी ने 2016 में चैंपियन बनाया

ऑस्ट्रेलियाई कोच टॉम मूडी साल 2013 में फ्रेंचाइजी के साथ जुड़े थे। वे 2019 तक टीम के साथ रहे। इस दौरान टीम 5 बार प्लेऑफ में पहुंची और एक बार (2016 में) चैंपियन भी बनी। 2020 में मूडी की जगह ऑस्ट्रेलिया के ही ट्रेवर बेलिस हेड कोच बने। फ

रि मूडी ने पिछले साल निदेशक के रूप में सनराइजर्स में वापसी की थी। बाद में उन्हें मुख्य कोच नियुक्त किया गया।

वाइपर्स के हेड कोच बनेंगे मूडी

टॉम मूडी अब डेजर्ट वाइपर्स के क्रिकेट डायरेक्टर बनेंगे। वाइपर्स की टीम इंटरनेशनल लीग टी-20 की फ्रेंचाइजी है। इस लीग का आयोजन यूएई में होता है।

पहले ही राउंड में उलटफेर का शिकार हुए यह दिग्गज, मौजूदा चैंपियन भी बाहर

खेल डेस्क, 3 सितंबर (एजेंसियां)। साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन की दिलचस्प शुरुआत हुई है. कई दिग्गज खिलाड़ियों को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा और उनका सफर खत्म हो गया. उलटफेर का शिकार होने वालों में मौजूदा चैंपियन एम्मा राडुकानू, डोमिनिक थीम और वीनस विलियम्स जैसे खिलाड़ी शामिल है.

मौजूदा चैंपियन एम्मा राडुकानू पहले दौर में हारने वाली केवल तीसरी यूएस ओपन चैंपियन बन गई. उन्हें एलिज़े कॉर्नेट ने 6-3, 6-3 से हराया. राडुकानू ने पिछले साल क्वालीफायर के रूप में यूएस ओपन में भाग लिया था और वह चैंपियन बनने में सफल रही थी लेकिन इस बार कॉर्नेट के सामने उनकी एक नहीं चली.

ग्रीस के युवा स्टार स्टेफनॉस सितसिपास पहले ही राउंड में बाहर हो गए. पहले मुकाबले में उनका सामना कोलंबिया के डैनियाल इलाही गलान से था. चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफनॉस को 0-6,1-6,6-3,5-7 से हार का सामना करना पड़ा. सितसिपास केवल एक ही सेट जीत पाए.

पूर्व वर्ल्ड नंबर वन सिमोना हालेप को भी पहले ही राउंड में बाहर होना पड़ा. रोमानिया की इस खिलाड़ी को यूक्रेन की डारिया स्निगर के हाथों तीन सेट तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा. डारिया ने हालेप को 2-6, 6-0,4-6, से हराया. उन्होंने आखिरी सेट में दो गेम पॉइंट बचाकर मैच अपने नाम किया.

2020 के यूएस ओपन चैंपियन डोमिनिक थीम भी पहले ही राउंड में उलटफेर का शिकार हुए. उन्हें 12वीं सीड के पाब्लो करेनो बुस्टो ने हराया. चार सेट तक चले मुकाबले में पाब्लो ने 5-7, 1-6, 7-5, 3-6 जीत हासिल की. थीम ने कलाई की चोट के बाद वापसी कर दी. 2020 के यूएस ओपन चैंपियन डोमिनिक थीम भी पहले ही राउंड में उलटफेर का शिकार हुए. उन्हें 12वीं सीड के पाब्लो करेनो बुस्टो ने हराया.

रोड सेफ्टी वर्ल्ड लीजेंड्स सीरीज टीमों का हुआ ऐलान

ग्रीनपार्क में भिड़ेंगे ब्रायन लारा और सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गज

कानपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। रोड सेफ्टी वर्ल्ड लीजेंड्स सीरीज के दूसरे सीजन का काउंट-डाउन शुरु हो गया है। कानपुर के ग्रीन-पार्क में 10 सितंबर से शुरु होने वाली सीरीज में शामिल होने के लिए खेलने वाले सभी देशों (मेजबान इंडिया को छोड़कर) ने अपनी-अपनी टीमों का ऐलान कर दिया। शुक्रवार की देर रात रोड सेफ्टी वर्ल्ड लीजेंड्स सीरीज करने वाली मैजिस्टक स्पोर्ट्स और प्रोपेल स्पोर्ट्स कंपनी की ओर से संयुक्त रूप से प्रेस रिलीज जारी की गई है।

इसमें आस्ट्रेलिया, इंग्लैण्ड, वेस्टइंडीज,बांग्लादेश, श्रीलंका और न्यूजीलैंड की टीमों के साथ ही उनके कप्तान के नाम का भी ऐलान किया गया है। साथ ही बुक मै शो पर ग्रीनपार्क में होने वाले मैचों के टिकट भी मिलना शुरू हो गए है।

विश्व के धुरंधर भिड़ेंगे ग्रीनपार्क में

10 सितंबर से होने वाले टी-20 मैचों के लिए विश्व के धुरंधर खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इस सीरीज के लिए पहली बार शामिल हो रही न्यूजीलैंड टीम की कमान रॉस टेलर को सौंपी गई है। ऑस्ट्रेलिया टीम का नेतृत्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन को करने के लिए चुना गया है।

बांग्लादेश टीम को लीड करने के लिए शहादत हुसैन को चुना गया है। इंग्लैण्ड की कमान संभालने के लिए इयान बेल खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतरेंगे तो भारतीय टीम से टॉस

करने के लिए मैदान में पूर्व भारतीय कप्तान सचिन तेंदुलकर मौजूद रहेंगे।

यही नहीं सचिन तेंदुलकर के समक्ष अपनी बल्लेबाजी से विरोधी गेंदबाजों की धुनाई करने वाले ब्रायन लारा वेस्टइंडीज की ओर से कप्तान की भूमिका का निर्वहन करेंगे। वहीं श्रीलंका की कमान पिछली बार के प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे तिलकरत्ने दिलशान होंगे।

बुक माय शो पर करे टिकट बुक

ग्रीन पार्क में हो रहे मैचों के टिकट बुक माय शो पर मिलना शुरू हो गए है।

टिकट के रेट्स 150 से लेकर 2500 रूपए तक के रखे गए है। जिस दिन इंडिया का मैच है उस दिन 150 वाला टिकट 300 में मिलेगा।

इस सीरीज के आयोजकों ने ग्रीन पार्क का प्रति दिन 15 लाख के हिसाब से किराया भी प्रशासन और खेल विभाग को जमा कर दिया है। कुल 90 लाख का चेक कहल विभाग को सौंपा गया है।

इंडिया टीम की तरफ से खेलने वाले खिलाड़ी

सचिन तेंदुलकर (कप्तान), युवराज सिंह. इरफान पठान, यूसुफ पठान, हरभजन सिंह, मुनाफ पटेल, एस बद्रीनाथ, स्टुअर्ट बिन्नी, नमन ओझा, मनप्रीत गोनी, प्रज्ञान ओझा, विनय कुमार, अभिमन्यु मिथुन, राजेश पवार, राहुल शर्मा (यह सम्भावित सूचि है)

ऑस्ट्रेलिया टीम की तरफ से खेलने वाले खिलाड़ी

शेन वॉटसन (कप्तान), एलेक्स डूलन, बेन डंक, ब्रैड हॉज. ब्रैड हैडिन, स्टुअर्ट क्लार्क, ब्रेट ली, 8. ब्राइस मैक्केन, कैलम फर्ग्यूसन, कैमरन व्हाइट, जॉर्ज हॉरलिन, क्रेजा , हेस्टिंग्स, नैन्स, नाथन रियरडन चाड सेयर्स

इंग्लैंड टीम की तरफ से खेलने वाले खिलाड़ी

इयान बेल (कप्तान), निकोलस कॉम्पटन. फिल मस्टर्ड, क्रिस ट्रेमलेट, डैरेन मैडी, डैरेन , वंस, जेम्स टिंडल, रिक्की क्लार्क, स्टीफन पैरी, टिम एम्ब्रोस, दिमित्री , मस्कारेनहास, क्रिस शॉफिल्ड, जेड डर्नबैक, मल लॉय,

न्यूजीलैंड टीम की तरफ से खेलने वाले खिलाड़ी

रॉस टेलर (कप्तान), जैकब ओरम, जेमी हाउ, जेसन स्पाइस, काइल मिल्स, स्कॉट स्टायरिस, शेन बॉन्ड, डीन ब्राउनली, ब्रूस मार्टिन, नील ब्रूम, एंटोन डेविच, क्रेग मैकमिलन, गैरेथ हॉपकिंस, हैमिश बेनेट, आरोन रेडमंड

वेस्टइंडीज टीम की तरफ से खेलने वाले खिलाड़ी

ब्रायन लारा (कप्तान), डेंज़ा हयात, देवेंद्र बिशू, ड्वेन स्मिथ जेरोम टेलर. किर्क एडवर्ड्स, मार्लन इयान ब्लैक, नरसिंह देवनारिन, सुलेमान बेन, डैरेन पॉवेल, विलियम पर्किन्स, डारियो बार्थली, डेव मोहम्मद, क्रिशमार सैंटोकी,

श्रीलंका टीम की तरफ से खेलने वाले खिलाड़ी

तिलकरत्ने दिलशान (कप्तान), कौशल्या वीररत्ने, महेला उडावटे, रुमेश सिल्वा, असेला गुणरत्ने, चमारा सिल्वा, इसुरु उदाना, चमारा कपुगेदेरा, चमिंडा वास, चतुरंगा डी सिल्वा, चिंताका जयसिंघे, धम्मिका प्रसाद, दिलरुवन परेरा, दिलशान मुनारत्ने, जीवन जयवनरत मेंडिस, नुवान कुलसेकरा, सनथ जयसूर्या, उपुल थरंगा, थिसारा परेरा

साउथ अफ्रीका टीम की तरफ से खेलने वाले खिलाड़ी

जोंटी रोड्स (कप्तान), एल्विरो पीटरसन, एंड्रयू पुटिक, एडी ली, गार्नेट क्रूगर, हेनरी डेविड्स, जैक्स रूडोल्फ, जोहान बोथा, जे वान डे वाथ, लांस क्लूजनर, एल नॉरिस जोन्स, मखाया एनटिनी, मोर्ने वान विक, टी तशाबाला, वर्नोन फिलेंडर, ज़ेंडर डी ब्रुइनो

बांग्लादेश टीम की तरफ से खेलने वाले खिलाड़ी

शहादत हुसैन (कप्तान), अब्दुर रज्जाक, आलमगीर कबीर, आफताब अहमद, आलोक कपाली, मामुन-उर-रशीद, नज़्मुस सादात, धीमान घोष, डोलर महमूद, खालिद मशूद, मोहम्मद शरीफ, महरब हुसैन, इलायस सनी, मोहम्मद नज़ीमुद्दीन, अबुल हसन, तुषार इमरान

फेफड़ों को मजबूत बनाने का विराट फार्मूला

दुबई, 3 सितंबर (एजेंसियां)। फिटनेस के मामले में विराट कोहली की तारीफ हर जगह होती है। फैन हों या एक्सपर्ट, हर कोई उनकी फिटनेस की दाद देता है, लेकिन कोहली बनना इतना आसान नहीं है। वे अपना फिटनेस लेवल मेंटेन रखने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। खुद के लिए हाई पैरामीटर सेट करते हैं और उन्हें अचीव भी करते हैं। विराट की ऐसी ही ट्रेनिंग का एक हिस्सा है एंड्योरेंस ट्रेनिंग... जिसकी वजह से वे मैदान पर कभी नहीं थकते हैं। एशिया कप के सुपर-4 में रविवार को भारत-पाकिस्तान का मुकाबला होना है। इससे पहले शनिवार को सोशल मीडिया में एक

वीडियो आया है, जिसमें विराट कोहली एंड्योरेंस ट्रेनिंग करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में कोहली हाई एल्टीट्यूड मास्क लगाकर मैदान में दौड़ लगा रहे हैं। एक्सपर्ट बताते हैं कि हाई एल्टीट्यूड मास्क लगाकर दौड़ने का मकसद यह है कि फेफड़े मजबूत हों और कम हवा में भी बेहतर काम करें।

विराट कोहली के फिटनेस फ्रीक होने से जुड़ी इस खबर को आगे पढ़ने से पहले आप इस पोल के जरिए अपनी राय दे सकते हैं...

विराट कोहली दूसरे खिलाड़ियों के लिए फिटनेस आइकॉन हैं। दिग्गज क्रिकेटर हों...क्रिकेट फेंस हों या फिर एक्सपर्ट्स, हर कोई उनकी तारीफ करता है। वे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी फिटनेस वीडियो शेयर करते रहते हैं। पिछले वीडियो विराट जिम में वेट और बैलेंस ट्रेनिंग करते दिखे थे।

चालीस से अधिक चोरी करने वाले कुख्यात चोर गिरफ्तार, 36 लाख रुपये की संपत्ति बरामद

चाचा के घर चोरी करने वाला धरा गया, 33 लाख का सामान बरामद

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस सीसीएस एलबी नगर और एलबी नगर थाने की पुलिस ने मिलकर शनिवार को एक कथित कुख्यात चोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोर ने 40 से अधिक घटनाओं को अंजाम दिया है। पुलिस ने उसके पास से 36 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की है। सूर्यापेट जिले के मूल निवासी रमेश पर तेलंगाना के कई जिलों में चोरी के मामले दर्ज है। डीसीपी एलबी नगर सनप्रीत सिंह व डीपीसी क्राइम पी. यादगिरी ने कहा कि रमेश बेहद शातिर किस्म का चोर है। वह कॉलोनियों में घूमता रहता था। उसकी नजर बाइक, कार और बंद घरों जैसे लक्ष्यों पर रहती है। मौका मिलने पर वह मोटरसाइकिल के हैंडल का ताला तोड़कर फरार हो जाता था। कई कारों की चाबियाँ इमारतों में पार्किंग स्थलों के पास उसे मिल जाती थी। इस वजह से वह आसानी से कारों को चुराकर फरार हो जाता था। रात के दौरान घरों में तोड़-फोड़ कर संपत्ति के साथ भाग जाता था। कई बार जेल जाने के बाद भी रमेश चोरी करता रहा है। रमेश ने एलबीनगर, मीरपेट, सूर्यापेट, नलगोंडा, कोत्तागुडेम, विजयवाड़ा, विशाखापट्टनम् आदि जगहों पर घटनाओं को अंजाम दिया है। उसके पास से सोने के आभूषण, वाहन, लैपटाप, मोबाइल आदि बरामद हुआ है।

इसी क्रम में सीसीएस एलबी नगर और मीरपेट की पुलिस ने चोरी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में हमदान अशफाक, मोहम्मद अयाज खान, यासर उलीमान शामिल है। तीनों हैदराबाद, सैदाबाद के रहने वाले है। इनकी उम्र 19 साल है और सभी छात्र है। इस मामले की जानकारी देते हुए डीसीपी सनप्रीत सिंह ने बताया कि यासर उलीमान ने मामले की शिकायतकर्ता (चाचा) के घर ही अपने दोस्तों के साथ मिलकर चोरी कर डाली। बीते 31 अगस्त को कर्मागुड़ा, सैदाबाद में चाचा के घर में दोस्तों हमदान अशफाक, और मोहम्मद अयाज खान के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से फिल्मी स्टाइल में चोरी की।

मामले की जांच के बाद पुलिस टीम ने तीनो दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से सोने के आभूषण, कीमती घड़िया, डॉलर, होंडा एक्टिवा आदि बरामद हुआ है। बरामद संपत्ति का मूल्य करीब 33 लाख रुपए बताया जा रहा है। दोनों मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी पर राचकोंडा पुलिस आॉयुक्त महेश भागवत ने सीसीएस एलबी नगर, एलबी नगर और मीरपेट पुलिस थाने की टीम की सराहना की है।

हैदराबाद-त्रिवेंद्रम के बीच दो ओणम स्पेशल ट्रेनें चलाएगा दमरे

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ओणम उत्सव के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को दूर करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) हैदराबाद और त्रिवेंद्रम के बीच दो विशेष ट्रेनें चलाएगा। तदनुसार ट्रेन संख्या 07119 हैदराबाद-त्रिवेंद्रम विशेष ट्रेन 5 सितंबर को शाम 6.15 बजे हैदराबाद से निकलेगी और अगले दिन 11.45 बजे त्रिवेंद्रम पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 07120 त्रिवेंद्रम-हैदराबाद स्पेशल ट्रेन 10 सितंबर को रात 10 बजे त्रिवेंद्रम से निकलेगी और दूसरे दिन सुबह 3 बजे हैदराबाद पहुंचेगी।

रास्ते में, ये विशेष ट्रेनें बेगमपेट, लिंगमपल्ली, विकाराबाद, तंदूर, सुलेहल्ली, रायचूर, मंत्रालयम रोड, गुंतकल, तड़पत्री, येरागुंटला, कडप्पा, रेनिगुंटा, तिरुपति, चित्तौड़, काटपाडी, जोलारपेट्टई, सेलम, इरोड, कोयंबटूर, कोयंबटूर, अलुवा, एर्नाकुलम टाउन, कोट्टायम, तिरुवल्ला, चेंगन्नूर और कोल्लम स्टेशन दोनों दिशाओं में रूकेंगी। इस विशेष ट्रेनों में एसी II टियर, एसी III टियर, शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं।

नि:शुल्क मछली, झींगे के बीज 5 सितंबर को जलाशयों में छोड़े जाएंगे

मंत्री ने जिला मत्स्य पालन अधिकारियों के साथ की वीडियो कॉन्फ्रेंस

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर के जल निकायों में मुफ्त मछली बीज वितरण का छठा चरण 5 सितंबर से शुरू होने जा रहा है, जिसमें मत्स्य पालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने जंगांव जिले के स्टेशन घनपुर विधानसभा क्षेत्र के घनपुर जलाशय में मछली के पौधे जारी किए हैं। साथ ही मंत्री एवं अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि राज्य भर के विभिन्न जल निकायों में पौध विमोचन करेंगे।

इस आयोजन के तहत राज्य के 2,000 से अधिक जल निकायों में लगभग 68 करोड़ मछली के पौधे और 10 करोड़ झींगा को छोड़ा जाएगा। जबकि 68 करोड़ मछली के बीज 26,778 जल निकायों में जारी किए जाएंगे, अन्य 10 करोड़ झींगा के बीज राज्य के 275 जल निकायों में जारी किए जाएंगे। इस उद्देश्य के लिए कुल 113 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे जिससे मछुआरों को फायदा होगा।

शनिवार को जिला मत्स्य पालन अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस करने वाले मंत्री ने सांसदों, एमएलसी और विधायकों सहित अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ-साथ स्थानीय मत्स्य सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों से इस आयोजन में भाग लेने का आग्रह किया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार उनकी गुणवत्ता का पता लगाने के बाद ही जल निकायों में मछली के बीज छोड़ें। अगर निर्देश का किसी भी का उल्लंघन किया जाता है, तो मामले को गंभीरता से लिया जाएगा।

इस अवसर पर, श्रीनिवास यादव ने एक मोबाइल ऐप 'मत्स्य मित्र' लॉन्च किया, जिसका उपयोग योजना के कार्यान्वयन की निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा। मत्स्य पालन के विशेष मुख्य सचिव आधार सिन्हा, मत्स्य आयुक्त लचीराम भुक्या और अन्य अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

दैनिक वेतन भोगी की कोविड मृत्यु

मंचेरियल, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के एक 30 वर्षीय दैनिक वेतन भोगी की शनिवार को सरकारी सामान्य अस्पताल (जीजीएच) में इलाज के दौरान कोविड-19 से मौत हो गई। जिले ने हाल के दिनों में वायरस से पहली मौत दर्ज की है। जीजीएच के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हरिश्चंद्र रेड्डी ने कहा कि मृतक व्यक्ति कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के पेंचिकलपेट मंडल केंद्र के एक अविवाहित दिहाड़ी मजदूर थोटापल्ली अशोक था। उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्यों को शव को ठिकाने लगाने के लिए प्रोटोकॉल का पालन करने का निर्देश दिया गया था।

27 अगस्त को जब उनमें कोविड-19 के लक्षण दिखे तो उन्हें इस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पता चला कि उन्हें पूर्व में तपेदिक रोग का पता चला था। वायरस के स्रोत का पता लगाना अभी बाकी है। डॉक्टरों को संदेह है कि उसने फेस मास्क नहीं पहनने के लिए इसे अनुबंधित किया है। इस बीच, पुलिस ने मृतक के परिजनों को गांव के बाहरी इलाके में दिहाड़ी मजदूर का अंतिम संस्कार करने की सलाह दी। उन्होंने उनसे कहा कि वे शव को गांव के अंदर न ले जाएं और कोविड-19 महामारी के मानदंडों का पालन करते हुए चार व्यक्तियों की मदद से उसका निपटान करें।

सड़क दुर्घटना में गई जान दंपत्ति की मौत

करीमनगर, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल शहर के काशीबुग्गा इलाके के एक दंपत्ति की शनिवार को यहां वारंगल-करीमनगर राजमार्ग पर मनाकोंदूर मंडल के मुंजामपल्ली गांव में विपरीत दिशा से आ रही एक कार की टक्कर से मौत हो गयी। मृतक सुरेंद्र और उनकी पत्नी माधवी थे। युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। हादसे में एक ही परिवार के दो अन्य सदस्यों को गंभीर चोटें आई हैं। टक्कर लगने से शव कार में फंस गया। क्षतिग्रस्त कार से शव निकालने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे में गंभीर रूप से घायल उनकी बेटी मेघना और मामा अशोक को सरकारी अस्पताल ले जाया गया। ऐसा कहा जाता है कि वे वेमुलावाड़ा दर्शन के लिए जा रहे थे क्योंकि मेघना को यूएसए में पढ़ने के लिए वीजा दिया गया था। भीषण हादसे की खबर मिलते ही पीड़ितों के परिजन सदमे में आ गए। हादसे से कॉलोनी में मातम छा गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। मनाकोनदूर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

दमरे ने आज 34 एमएमटीएस ट्रेन सेवाएं रद्द की

हैद्राबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिचालन कारणों से, दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) ने रविवार को 34 एमएमटीएस सेवाओं को रद्द करने की घोषणा की है। लिंगमपल्ली-हैदराबाद के बीच रद्द की गई एमएमटीएस सेवाएं 47129, 47132, 4133, 47135, 47136, 47137, 47138, 47139 और 47140 हैं, जबकि हैदराबाद-लिंगमपल्ली के बीच रद्द की गई सेवाओं में 47105, 47109, 47110, 47111, 47112, 47114, 47116, 47118 और 47120 शामिल है। फलकनुमा और लिंगमपल्ली के बीच 47153, 47164, 47165, 47166, 47203, 47170 और 47220 रद्द की गई सेवाएं हैं। लिंगमपल्ली-फलकनुमा के बीच रद्द की गई सेवाएं 47176, 47189, 47187, 47210, 47190, 47191 और 47192 हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ओवैसी ने सीएम केसीआर व केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को लिखा पत्र

17 सितंबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का आग्रह

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को पत्र लिखकर 17 सितंबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का अनुरोध किया है, जिस दिन तत्कालीन हैदराबाद राज्य का भारत संघ में विलय हुआ था। यह तारीख इन क्षेत्रों के लोगों के लिए अप्रत्यक्ष औपनिवेशिक और सामंती शासन के अंत का प्रतीक है। ओवैसी ने पत्र में कहा कि यह दिन ब्रिटिश उपनिवेशवाद के साथ-साथ निजाम के सामंती निरंकुश शासन के खिलाफ तत्कालीन हैदराबाद के लोगों के संघर्ष का उत्सव होना चाहिए, जो केंद्र में भारतीय जनता पार्टी सरकार की पृष्ठभूमि में महत्व रखता है। आधिकारिक तौर पर 17 सितंबर को हैदराबाद मुक्ति दिवस के रूप में मनाने की योजना है।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में मौलवी अलाउद्दीन और तुर्रेबाज़ खान जैसे मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों और शहीद पत्रकार शोएबुल्लाह खान के उदाहरणों का हवाला देते हुए, ओवैसी ने कहा कि इस तरह के समारोहों को मान्यता दी जानी चाहिए कि इन भूमि के लोगों ने (अप्रत्यक्ष) ब्रिटिश शासन के खिलाफ लंबा संघर्ष किया था। उन्होंने याद किया कि अलाउद्दीन और शोएबुल्लाह खान ने अंग्रेजों के साथ-साथ निजाम सैनिकों के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। हैदराबाद के भारत संघ में एकीकरण की वकालत करने के लिए पत्रकार की हत्या कर दी गई थी।

ओवैसी ने यह भी उल्लेख किया कि तत्कालीन हैदराबाद राज्य के आम हिंदू और मुसलमान एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और गणतांत्रिक सरकार के तहत अखंड भारत के पैरोकार थे और यह सुंदरलाल समिति की रिपोर्ट में परिलक्षित होता है। हैदराबाद के विलय के बाद की स्थिति पर रिपोर्ट करने के लिए भारत सरकार द्वारा समिति नियुक्त की गई थी। समिति ने यह भी पाया कि इन क्षेत्रों में रहने वाले आम मुसलमानों के खिलाफ सामूहिक हिंसा की गई थी। एआईएमआईएम अध्यक्ष ने मांग की कि कोटि में महिला कॉलेज में एक उचित उत्सव का आयोजन किया जाए जो ब्रिटिश रेजिडेंसी था।

ओवैसी ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय दारुस्सलाम में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उनकी पार्टी चाहती है कि युवा पीढ़ी को पता चले कि कैसे कुछ लोगों ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और कहा कि 16 सितंबर को एक रैली निकाली जाएगी। मीर आलम ईदगाह से तीगलकुंटा तक जहां एक जनसभा होगी।

विस्फोट में दो घायल

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के रामगोपालपेट के नल्लागुट्टा इलाके में शनिवार सुबह एक घर में हुए विस्फोट में दो लोग घायल हो गए। पुलिस को संदेह है कि विस्फोट रसोई में रखे रसोई गैस सिलेंडर से गैस के रिसाव के कारण हुआ है। विसफोट के कारण इमारत का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। रामगोपालपेट पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और जांच कर रही है। विस्फोट के कारण कुछ समय के लिए इलाके में सनसनी फैल गई। घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चा व्याप्त है।

लॉरी की टक्कर से दो महिलाओं की मौत

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के अमंगल मंडल के तालकोंडापल्ली में शुक्रवार देर रात सड़क दुर्घटना में दो महिलाओं की मौत हो गयी। पीड़ित, चिलुका (31) और मौनिका (21), कुमार (30) के साथ बाइक पर जा रहे थे, जब तालकोंडापल्ली बस स्टैंड के पास एक डीसीएम लॉरी ने वाहन को टक्कर मार दी। तलकोंडापल्ली उप-निरीक्षक बी वेंकटेश ने कहा कि मौनिका और चिलुका डीसीएम के पिछले पहियों के नीचे आ गए और कुचलकर उनकी मौत हो गई। कुमार सड़क के दूसरी ओर गिर गए और उन्हें चोटें आईं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है। हिरासत में लिए गए डीसीएम चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

काचीगुडा यशवंतपुर के बीच विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त भीड़ को दूर करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे काचीगुडा-यशवंतपुर-काचीगुडा के बीच विशेष ट्रेनें चला रहा है। तदनुसार, ट्रेन संख्या 07159 काचीगुडा-यशवंतपुर 5 सितंबर को रात 8.25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 10.30 बजे पहुंचेगी जबकि ट्रेन संख्या 07160 यशवंतपुर-काचीगुडा सितंबर को शाम 5.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 7 बजे पहुंचेगी। ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में उम्दानगर, शादनगर, जडचेरला, महबूबनगर, वानापर्ती रोड, गडवाल, कुरनूल सिटी, दोन, अनंतपुर, हिंदुपुर और येलहंका जंक्शन पर रुकेंगी।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन ट्रेनों में 2एसी, 3एसी, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच शामिल हैं।

कर्ज लेने को लेकर होड़ में हैं केंद्र और राज्य सरकारें : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी एमएलसी टी. जीवन रेड्डी ने आज आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और टीआरएस पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ऋण लेने के लिए एक-दूसरे के साथ होड़ कर रही है, जिससे देश और राज्य कर्ज के जाल में फंस गए हैं। उन्होंने आलोचना की कि दो सरकारें देश और राज्य के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय एक-दूसरे के साथ खिलौनों का खेल खेल रही हैं। उन्होंने मजाक उड़ाया कि दोनों सरकारों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की तस्वीरों के बजाय राज्य की सभी राशन की दुकानों पर जीएसटी की तस्वीरें रखनी चाहिए।

शहर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले आठ वर्षों में देश के लोगों पर जीएसटी के रूप में 3 लाख करोड़ रुपये का बोझ डाला है और कहा कि जीएसटी से कोई लाभ नहीं होगा। लोग उन पर बोझ डालने के अलावा। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसने रैतु बंधु योजना के कार्यान्वयन के नाम पर राज्य के किसानों को मिलने वाले सभी लाभों को रोक दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीआरएस पार्टी के नेता कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों द्वारा वर्ष 2014 से पहले शुरू की गई योजनाओं के नाम बदलकर दावा कर रहे हैं।

17 सितंबर के समारोह में नाटक कर रही हैं टीआरएस व बीजेपी

आगे बोलते हुए, रेड्डी ने आरोप लगाया कि टीआरएस और भाजपा दोनों 17 सितंबर के समारोह के आयोजन के मुद्दे पर नाटक कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अकेले कांग्रेस पार्टी को हैदराबाद रियासत के भारतीय संघ में विलय के बारे में बात करने का अधिकार है। सीएम केसीआर की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए कि सीबीआई को राज्यों में अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, रेड्डी ने कहा कि वह केसीआर की ऐसी टिप्पणियों को सुनकर हैरान हैं। उन्होंने सीएम से कहा कि अगर वे तेलंगाना में सीबीआई को अनुमति नहीं देना चाहते हैं तो वे राज्य की सीआईडी की जांच नहीं कराएं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की जनता का ध्यान जनता की समस्याओं से भटकाने के लिए केसीआर राष्ट्रीय राजनीति के नाम पर नाटक कर रहे हैं।

सेक्स चैट से महिलाओं को परेशान करने वाले मनोवैज्ञानिक को 16 दिन की कैद

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शी टीम एडिशनल सीपी ए.आर. श्रीनिवास ने कहा कि बाहर से अतिथि शिक्षकों को आमंत्रित करते समय विद्यालयों और महाविद्यालयों द्वारा बहुत सावधानी बरती जानी चाहिए। संबंधित व्यक्तियों से बात कर उनके व्यवहार का आंकलन कर उन्हें पालन किए जाने वाले नियमों की जानकारी देकर उनका चयन किया जाए। कक्षा कक्ष की कार्यवाही पर हमेशा पैनी नजर रखनी चाहिए। समय-समय पर छात्रों की राय भी जाननी चाहिए। उन्होंने बताया कि गुंटुर के रहने वाले डॉ. बी.पी. नागेश, मनोवैज्ञानिक (अतिथि संकाय)) माधापुर में एक छात्रावास में रह रहे हैं। एक मनोवैज्ञानिक के रूप में वे हैदराबाद के कई प्रसिद्ध कॉलेजों में परामर्श कक्षाएं संचालित करते थे। कक्षाओं के दौरान, वह छात्रों को अपना नंबर यह कहते हुए देता था कि वह छात्रों को प्रेरक उद्धरण भेजेंगे, और जो लोग रुचि रखते हैं उन्हें संदेश देना चाहिए। एक बार कोई भी लड़की या महिला उससे संपर्क करती है, तो वह उनके साथ सेक्स चैट करके उन्हें परेशान करने की कोशिश करने लगा। हालांकि, आरोपी का पूरा मामला तब सामने आया जब कॉलेजों में चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों से खुद को सशक्त महसूस करने वाली कुछ छात्राओं ने हैदराबाद शी टीम से संपर्क किया। शी टीम के सदस्यों ने छात्रों का विवरण गोपनीय रखते हुए आरोपी को हिरासत में लेकर जांच के बाद नामपल्ली कोर्ट में पेश किया। मामले के विवरण की सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद, माननीय तीसरे विशेष न्यायाधीश ने आरोपी को जुर्माने के साथ सोलह दिन के कारावास की सजा सुनाई।

महंगे सिलेंडर पर पीएम की फोटो लगाकर केसीआर ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर कसा तंज

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर ने शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर तंज कसते हुए एक वीडियो ट्विट किया है। उन्होंने अपने एक ट्वीट में सिलेंडर के मंहगे दामों के खिलाफ पीएम मोदी का एक पोस्टर निकाला है। इन पोस्टर को सिलेंडर पर चिपका कर उन्होंने निर्मला सीतारमण से पूछा कि बताइये, आप तो यही चाहती थीं कि राज्य में पीएम मोदी की तस्वीर लगाई जाए। लीजिए, हमने ये कर दिया है। दरअसल, तेलंगना और केंद्र सरकार के बीच ये पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब बीते दिनों राज्य के दौरे के दौरान निर्मला सीतारमण ने कहा था कि राज्य भर की राशन की दुकान पर पीएम मोदी तस्वीर लगाई जानी चाहिए. इसके जवाब में केसीआर के मंत्री ने पहले निर्मला सीतारमण पर हमला बोला। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री टी हरिश राव ने कहा कि निर्मला सीतारमण का यह कहना कि पीएम मोदी की फोटो हर राशन के दुकान पर लगी होनी चाहिए। पीएम पद की गिरमा को ठेंस पहुंचाने वाला है।

बता दें कि निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को तेलंगाना के कामारेड्डी के जिलाधिकारी जितेश पाटिल की तब खिंचाई की थी जब वह इस बात का जवाब नहीं दे सके कि उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से आपूर्ति किए जाने वाले चावल में केंद्र और राज्य का हिस्सा कितना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'लोकसभा प्रवास योजना' के तहत ज़हीराबाद संसदीय क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने वाली सीतारमण ने जिलाधिकारी से यह भी पूछा था कि बिरकुर में उचित मूल्य की दुकान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर क्यों गायब है।

मेरे सवालों का जवाब दिए बिना राज्य के मंत्री मुझे निशाना बना रहे हैं : निर्मला सीतारमण

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि कई राज्य मंत्री उनके द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब दिए बिना उन्हें निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कामारेड्डी जिले के गांधारी में किसानों की एक बैठक को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री केसीआर के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने सभी किसानों को लाभान्वित करने के बजाय सौ में से पांच किसानों के फसल ऋण माफ कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का मुख्य उद्देश्य देश के किसानों को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने दावा किया कि जब किसानों के कल्याण की बात आती है तो न तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न ही उनके कैबिनेट सहयोगी राजनीति करते हैं।

पार्टी कृष्णैया की हत्या की निंदा करती है : माकपा नेता

खम्मम, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम के जिला सचिव एन. नागेश्वर राव ने कहा कि पार्टी टीआरएस नेता तम्मिनेनी कृष्णैया की हत्या की निंदा करती है। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेता पी. सुदर्शन राव और करीब 500 पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ शनिवार को जिले के खम्मम ग्रामीण मंडल के तेलदारपल्ली गांव का दौरा किया। नेताओं ने कृष्णैया की हत्या के आरोपी पार्टी नेताओं तम्मिनेनी कोटेश्वर राव और रमजान शेख के आवासों का निरीक्षण किया।

नेताओं के साथ पार्टी के कई कार्यकर्ता भी थे, जो 15 अगस्त को तेलदारपल्ली में कृष्णैया की नृशंस हत्या के तुरंत बाद गांव छोड़ गए थे। ऐसा कहा गया कि पार्टी के नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए गांव का दौरा करने के लिए पुलिस की अनुमति मांगी, जो कृष्णैया के अनुयायियों द्वारा उसकी हत्या के आरोपियों के आवासों पर हमलों के बाद भयभीत हैं।

रामदेव ज्योतिष
मो. 8801305757
जन्म कुंडली, संतान प्राप्ति, विवाह-सगाई में देरी, व्यापार में घाटा, मोहिनी वशीकरण, किया-कराया, सास-बहू में असंतोष, सौतन समस्या, घर में अशांति, शत्रुनाश, प्रेम समस्या, लक्ष्मी बंधन, पति-पत्नी में अनबन, भूमि लाभ आदि सभी समस्याओं का समाधान।
विश्वसनीय राजस्थानी पंडित जी
घर पर आकर सेवाएँ देने और फ़ोन पर भी सुविधा उपलब्ध।
माँ-बहनें नि:संकोच अपना घर-मंदिर समझ कर पधार सकती हैं।
बात गुप्त रहेगी, फ़ीस केवल : 200/-
काचीगड़ा, हैदराबाद. समय : 10.00 से 6.00 बजे तक

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेड़लिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहकलेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.